बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 21 अक्टूबर 2024
कार्तिक कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 30
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोपी का घर ढहाया

जयपुर। जयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 10 कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमले के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया है। बुलडोजर कार्रवाई को अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार रजनी विहार इलाके में एक मंदिर में जागरण के दौरान आरोपी बाप-बेटे ने आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमला किया था। गुरुवार को हुए इस हमले के बाद, शुक्रवार को एसीपी गौरीशंकर शर्मा ने मौके पर मुआयना किया। शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने मकान मालिक नसीब चौधरी को नोटिस जारी किया और 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा। जवाब नहीं मिलने पर, रविवार सुबह 10:40 बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी गई। एसीपी के अनुसार नसीब चौधरी के घर से सामान हटाते समय क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय निवासियों ने चौधरी को भूमाफिया करार देते हुए बताया कि वह मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का विरोध करता था।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब्त किया करोड़ों का सोना व नशीला पदार्थ

मुंबई। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ (मारिजुआना) जब्त किया। यह अवैध पदार्थ बैंकॉक के एक यात्री के पास से जब्त किया गया था। यात्री ने वैक्यूम-सीलबंद पैकेट में 1.45 किलोग्राम गांजा छुपाया था। चेक-इन लगेज में कपड़ों में नशीला पदार्थ लपेटा हुआ था। आरोपियों के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात मामलों में 2 किलो 427 ग्राम सोना जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपये है। इसके अलावा 42 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया गया है। इसमें मोबाइल और टैबलेट शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि केन्या, जेद्दा, दुबई, रसूल खैमाह से मुंबई आने वाली उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद अधिकारियों ने इन विमानों के बाहर जाल बिछा दिया था। इन उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान इस सोने की तस्करी का खुलासा हुआ।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में लगे भूकंप के झटके, नुकसान की सूचना नहीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में रविवार को भूकंप के झटके लगे। यह 29 घंटों में दूसरी बार महसूस किए गए, जब लोगों ने धरती हिलते हुए महसूस किया। रविवार सुबह करीब 11 बजकर 21 मिनट पर 3.7 की तीव्रता के भूकंप ने डोडा को हिला दिया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र धरती की 5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था और इसका स्थान अक्षांश 33.00 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.94 डिग्री पूर्व पर था। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले शनिवार को भी डोडा जिले में 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप का केंद्र डोडा जिले के गूंडोह क्षेत्र में था और यह झटका शाम करीब सवा 6 बजे महसूस किया गया था।

सपा और कांग्रेस परिवार वादी पार्टी -प्रधानमंत्री

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे तथा हमेशा की तरह काशीवासियों के साथ ही प्रदेश एवं देशवासियों को 6611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर सौगात दी। प्रधानमंत्री ने संसदीय क्षेत्र के सिगरा स्टेडियम समेत 380.13 करोड़ की लागत से तैयार 14 परियोजनाएं जनता के हवाले किया। इसके साथ ही रिंग रोड स्थित हरिहरपुर में निर्मित 90 करोड़ की लागत से तैयार आर.जे.शंकरा नेत्र चिकित्सालय भवन का भी उद्घाटन किया, वहीं 2870 करोड़ की लागत से लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तारीकरण में शामिल नए टर्मिनल भवन समेत अन्य कार्य व 4.17 करोड़ की लागत से कस्तूरबा गांधी विद्यालय, आराजीलाइन में एकडेमिक ब्लाक व गर्ल्स हास्टल के निर्माण की नींव भी रखी।

प्रधानमंत्री जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है। देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे।

भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है

पी एम नें कहा कि एक समय था जब यूपी की सड़कें खस्ताहाली के लिए जानी जाती थी। 2014 के बाद यूपी की सड़कें बन रही हैं। काशी नगरी के विकास और विरासत को लेकर काम किया जा रहा है। यहां गलियों से लेकर सुंदर घाट लोगों का मन मोह रहे हैं। देश में भाषाओं का भी विकास किया जा रहा है। पाली भाषा का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं। भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है। अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया। महिलाओं को विधान और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया। भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया। तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं। अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं। सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है।

रीवा एयरपोर्ट का किया लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से मध्य प्रदेश के 6वीं रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअली लोकार्पण किया। रीवा एयरपोर्ट परिसर में रविवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कि हम 999 रुपए में रीवा से भोपाल की हवाई यात्रा कराएंगे। इस दौरान मंच पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, रीवा के प्रभारी मंत्री प्रह्लाद पटेल एवं सांसद जनार्दन मिश्र भी मौजूद थे। रीवा एयपोर्ट के लोकार्पण के लिए बनारस से वर्चुअली जुड़े पीएम मोदी ने कहा, कि 2014 में हमारे देश मे सिर्फ 70 एयरपोर्ट थे, अब 150 से ज्यादा एयरपोर्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पुराने एयरपोर्ट भी हम रिनोवेट कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, कि बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से यहां हजारों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। इनमें देश और उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई देने वाले प्रोजेक्ट हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी-बिहार-पश्चिम बंगाल समेत एमपी और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग एयरपोर्ट का भी शुभारंभ हुआ है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत संस्कारधानी जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद अब रीवा में भी एयरपोर्ट बन गया है। इसे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस प्रदान किया है। यहां से एयरक्राफ्ट भी आसानी से उड़ान भर सकेंगे। एयरपोर्ट लोकार्पण से पहले रीवा एयरपोर्ट पर पहली दफा 19 सीटर विमान की लैंडिंग हुई।

कोलकाता रेप-मर्डर : ममता की डॉक्टरों से अपील- अनशन खत्म करें, राजनीति से ऊपर उठकर काम पर लौटें

आज बैठक करेंगी ममता

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के विरोध में अनशन कर रहे डॉक्टरों से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अनशन खत्म करने की एक बार फिर अपील की है। ममता ने कहा कि डॉक्टरों की अधिकतर मांगों को मान लिया गया है, लेकिन स्वास्थ्य सचिव को हटाने की मांग स्वीकार नहीं की जाएगी।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, कि हर किसी को विरोध का अधिकार है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं को बाधित नहीं किया जा सकता। किसी विभाग के सभी लोगों को एक साथ हटाना संभव नहीं है। हमने पहले ही स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को हटा दिया है, इसलिए डॉक्टर राजनीति से ऊपर उठकर अपने काम पर लौटें।

डॉक्टर्स 15 दिनों से भूख हड़ताल पर

ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर मामले को लेकर डॉक्टर पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें अब तक छह डॉक्टरों को गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की मांग है कि राज्य सरकार 21 अक्टूबर तक उनकी समस्याओं का समाधान करे।

ममता आज करेंगी बैठक

ममता बनर्जी ने सोमवार को डॉक्टरों से मिलने की योजना बनाई है। राज्य के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत ने डॉक्टरों को मुख्यमंत्री के साथ 45 मिनट की बैठक के लिए आमंत्रित किया, लेकिन डॉक्टरों ने अपनी मांगें पूरी होने तक अनशन खत्म करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, वे बैठक में शामिल होंगे।

ममता ने सवाल उठाया है, कि क्या यह सही है कि डॉक्टर तय करें कि किस अधिकारी को हटाया जाए? कुछ मांगों के लिए नीतियां बनानी पड़ेंगी, और सरकार इसमें सहयोग करेगी, लेकिन यह नहीं हो सकता कि डॉक्टर सरकार को बताएँ कि क्या करना है।

बहन अर्पिता ने सलमान खान का दिया गिफ्ट बेचा, वर्ली में रहने गईं

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की मर्डर के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद सलमान और उनकी फैमिली चर्चा में हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच सलामन ने 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार एपिसोड की शूटिंग की। वहीं सलमान की बहन अर्पिता खान और आयुष शर्मा ने खार वाला आलीशान अपार्टमेंट बेच दिया है। यह सी-फेसिंग अपार्टमेंट है, जोकि सलमान ने अर्पिता को गिफ्ट में दिया था। अर्पिता और आयुष इसे बेचकर वर्ली में एक बिल्डिंग में रहने चले गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपार्टमेंट शिवाया सिनेवाइज नाम की कंपनी ने 22 करोड़ रुपए में खरीदा है। खार में फ्लाइंग कारपेट नाम के टावर की 13वीं और14वीं मंजिल पर स्थित यह अपार्टमेंट 4,100 स्क्वेयर फुट का है।

बता दें सलमान खान ने 2014 में अपनी बहन अर्पिता और आयुष को शादी में गिफ्ट के तौर पर सी-फेसिंग अपार्टमेंट गिफ्त में दिया था। यह अपार्टमेंट, सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट से सिर्फ 5 मिनट की दूरी पर है। सलमान अपनी छोटी बहन अर्पिता से बहुत प्यार करते हैं। अर्पिता की शादी के बाद सलमान ने आयुष को एक्टिंग और फिल्मों में काम देने के लिए सपोर्ट किया था। आयुष ने 2018 में आई 'लवयात्री' डेब्यू किया और इसके बाद वह सलमान के साथ अंतिम में दिखाई दिए थे। अर्पिता और आयुष के एक बेटा आहिल और बेटी आयत है।

ज्ञानवापी मामले में सर्वेक्षण कराने की याचिका पर बहस पूरी, 25 अक्टूबर को आ सकता है फैसला

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की खुदाई कर सर्वेक्षण कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर हिन्दू और मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस पूरी हो गई। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने संभावना जताई कि अदालत 25 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई पर अपना आदेश सुना सकती है। जानकारी के मुताबिक, हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर की खुदाई कर भारत पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने की मांग वाली याचिका पर शनिवार को दीवानी न्यायाधीश युगल किशोर शम्भू की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई में मुस्लिम पक्ष और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी। हिन्दू पक्ष पहले ही अपनी दलीलें दे चुका है। मदन मोहन ने बताया कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत में उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए मामले का शीघ्र निपटान करने की बात कही। हिंदू पक्ष ने 10 अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष 'अंजुमन इंतजामिया कमेटी द्वारा पूरे परिसर के सर्वेक्षण का अनुरोध करने वाली याचिका पर 8 अक्टूबर को दी गई दलीलों के जवाब में अदालत के समक्ष अपनी दलीलें पेश की थीं। उन्होंने बताया कि कमेटी के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष दलील रखी कि जब हिन्दू पक्ष ने मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में किए जाने की अपील की हुई है तब इस मामले पर यहां बहस करने का कोई औचित्य नहीं है।

बीजेपी दिल्ली की जनहित योजनाएं बंद करने सत्ता में आना चाहती है - केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी दिल्ली में लोगों के काम करने के लिए नहीं, बल्कि आप सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी योजनाओं को रोकने के लिए सत्ता में आना चाहती है। केजरीवाल पीतमपुरा में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो वह बिजली, पानी, महिलाओं के लिए बस यात्रा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सहित सभी मुफ्त योजनाएं बंद कर देगी। केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को अंदरूनी कलह के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इससे फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस बात की परवाह मत कीजिए कि चुनाव में कौन है, क्योंकि केजरीवाल सभी 70 सीट पर लड़ रहा होगा। मैं आपका काम करवाऊंगा, चाहे विधायक कोई भी चुना जाए। दिल्ली प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिल्लीवासियों ने अराजकता में लिप्त आप की भ्रष्ट सरकार को खारिज करने का मन बना लिया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की, फडणवीस और बावनकुले प्रमुख उम्मीदवार

मुंबई। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इस सूची में 6 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 4 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित सीटों के नाम भी शामिल हैं। इसके साथ ही, 13 महिलाओं को भी टिकट दिया गया है, जबकि 11 नए चेहरे पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा की रविवार को आई 99 प्रत्याशियों की सूची में मुख्य उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से चुनाव

लड़ेंगे। इनके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी सीट से चुनाव मैदान में होंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण भोकर से चुनाव लड़ेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कोलाबा से टिकट मिला है, जबकि नितेश राणे कंकावली से चुनाव लड़ेंगे।

यहां बताते चलें कि नार्वेकर हाल ही में शिवसेना और एनसीपी विधायकों की सदस्यता समाप्त नहीं करने को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। वहीं, नितेश राणे मुस्लिम विरोधी बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं।

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, और इसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी दिन नांदेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा, जिसके प्रत्याशी की घोषणा अभी नहीं की गई है।

जनता की अदालत का मतलब यह नहीं कि संसद में विपक्ष बन जाए - सीजेआई

पणजी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका 'जनता की अदालत' के रूप में बनाए रखना चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय को संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी पड़े। दक्षिण गोवा में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में बोलते हुए उन्हें ये बातें कही हैं। न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब समाज बढ़ता है समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा बनती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ही ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। हमारा न्यायालय जनता की अदालत है और मुझे लगता है कि लोगों की अदालत के रूप में शीर्ष न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अब, जनता की अदालत होने का मतलब यह नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाएं।"

21 राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एनएसई की रिपोर्ट

13 राज्यों में वित्तीय घाटा कम होने की संभावना

घाटा कम करने की दिशा में सकारात्मक कदम और चिंताजनक आंकड़े

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ स्टेट्स रिपोर्ट में भारत के 21 राज्यों की वित्तीय स्थिति का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 13 राज्यों में वित्तीय घाटा कम होने की संभावना है, जबकि 8 राज्यों में यह बढ़ सकता है, जिससे राज्यों की वित्तीय सेहत और खर्च की नीतियों पर चिंता बढ़ गई है।

पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों ने अपने वित्तीय घाटे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वहीं, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्य इस वर्ष अपने घाटे को बढ़ा सकते हैं। मध्य प्रदेश में वित्तीय घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 4.1फीसदी तक पहुंच चुका है, जो गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि हिमाचल प्रदेश में वित्तीय घाटा 1प्रतिशत से अधिक घटने का अनुमान है।

यूपी का कर्ज जीडीपी सबसे अधिक

एनएसई के अध्ययन से पता चला है कि 15 बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश का कर्ज जीडीपी के 47.6फीसदी के बराबर है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद तमिलनाडु (44.3फीसदी), कर्नाटक (44.2फीसदी) और पंजाब (42.1फीसदी) का कर्ज भी 40फीसदी से ऊपर है। तेलंगाना में कर्ज जीडीपी का सिर्फ 13.9फीसदी है, जो सबसे कम है। बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल और झारखंड ने अपने घाटे में कमी लाने के लिए कई सुधारात्मक उपाय किए हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश ने सुधार के बावजूद अपने घाटे को बढ़ाया है, जिससे केंद्रीय सरकार के लिए वित्तीय संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

BSE EXPERIENCE THE NEW

NSE

Samco Knowledge Center

मुफ्त योजनाओं की आलोचना

रिपोर्ट में राज्यों द्वारा अपनाई गई मुफ्त योजनाओं और ओल्ड पेंशन स्कीम की आलोचना की गई है, जो वित्तीय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। खासकर पंजाब और हिमाचल प्रदेश में इन योजनाओं के कारण वित्तीय घाटा बढ़ने का खतरा है।

केंद्र सरकार का वित्तीय लक्ष्य-

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में 5.1फीसदी वित्तीय घाटे का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्यों का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा, और उन्हें स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत के राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर चिंताएँ हैं, और भविष्य में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

अयोध्या में दीपोत्सव पर निकलेंगी झांकियां, मुस्लिम कारीगर कर रहे तैयार

-राम मंदिर का मॉडल और राम दरबार की झांकियां होंगी सबसे खास

अयोध्या। इस बार अयोध्या में दीपोत्सव खास होगा। रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं, जिसकी झलक दीपोत्सव में इस बार देखने को मिलेगी। इस बार दीपोत्सव में झांकियां होंगी जिसे दर्जनों मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं। रामायण के सातों कांडों पर झांकियां तैयार की जा रही हैं। इसके साथ ही राम मंदिर मॉडल और राम दरबार की झांकियां सबसे खास होगी। युद्ध स्तर पर झांकियां बनाने का काम किया जा रहा है, जो 27 अक्टूबर को रिहर्सल के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगी। दीपोत्सव हर साल एक नया इतिहास रचता है। इस बार दीपोत्सव में सबसे खास अयोध्या के सड़कों पर निकलने वाली झांकियां होंगी। भगवान राम के जीवन पर आधारित यह झांकियां साकेत महाविद्यालय से निकलकर और लता मंगेशकर चौक तक जाएंगी, जहां सीएम योगी झांकियों का स्वागत करेंगे। 18 झांकियां निकलेंगी जिसमें आठ झांकियां पर्यटन विभाग तो 10 झांकियां सूचना विभाग की हैं। इन झांकियों को 30 से ज्यादा मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं, जो पिछले तीन सालों से लगातार दीपोत्सव की झांकियां बनाते आ रहे हैं जिनकी कारीगरी देखते ही बनती है लोग इनकी कारीगरी को निखारने के साथ उनकी तारीफ करना भी नहीं भूलते। दीपोत्सव को चार चांद लगाने के लिए यह झांकियां सुबह 9 बजे साकेत महाविद्यालय से निकलकर राम कथा पार्क तक जाएंगी, जो कि करीब 2 बजे समाप्त होगी। दीपोत्सव में कई प्रकार की झांकियों का आयोजन किया जाएगा जिसे अयोध्या के लोग देखेंगे।

कैब में दी लिफ्ट, फिर की लूटपाट, अदालत ने दस साल की सुनाई सजा

गुरुग्राम। एक स्थानीय अदालत ने 2019 में यात्री से लूटपाट करने के आरोप में तीन लोगों को दस साल की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने दोषियों पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला 22 जनवरी 2019 का है, जब एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि गुरुग्राम में एक कैब में लिफ्ट देने के बाद उसके साथ लूटपाट की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने राहुल, दीपक, और भानु प्रताप उर्फ प्रदीप को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए अदालत ने यह सजा सुनाई, जिससे न्यायालय में इस मामले का निपटारा हो गया और यात्री भी न्याय पा खुश था।

डायरेक्ट टैक्स जमा करने में यूपी सबसे पीछे तो महाराष्ट्र नंबर वन पर

नई दिल्ली। यूपी आबादी के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य है। बिहार का नंबर इसके बाद आता है। प्रत्यक्ष कर संग्रहण देने के मामले में ये दोनों राज्य बहुत पीछे हैं। देश में सबसे ज्यादा डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन महाराष्ट्र से होता है। वहीं, यूपी टैक्स कलेक्शन के मामले में देश में नौवें नंबर पर है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में इनकम टैक्स, कॉरपोरेट टैक्स और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) शामिल होते हैं। इन तीनों माध्यमों से देशभर में टैक्स की वसूली की जाती है और राज्यों का योगदान सीधे केंद्र सरकार के खजाने में जाता है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (सीबीडीटी) ने प्रत्यक्ष कर संग्रहण के जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर से 19.62 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स वसूला गया है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में महाराष्ट्र नंबर वन पर है। पिछले वित्त वर्ष में महाराष्ट्र से 7.62 लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स मिला। महाराष्ट्र का योगदान देश के कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 39फीसदी है।

वित्त वर्ष 2023-24 में यूपी में डायरेक्ट टैक्स के रूप में 48,333.44 करोड़ रुपए आए। यह टैक्स कलेक्शन महाराष्ट्र से करीब 15 गुना कम है। वहीं, आबादी के लिहाज से देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य बिहार से केवल 6692.73 करोड़ रुपए का टैक्स संग्रहण हुआ, जो पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 6845.32 करोड़ रुपए से भी कम है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक दूसरे स्थान पर है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य में 2.35 लाख करोड़ रुपए का कर संग्रहण आया। दिल्ली 2.03 लाख करोड़ रुपए के टैक्स कलेक्शन के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चौथे स्थान पर तमिलनाडु है जिसने 1.27 लाख करोड़ रुपए का डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन दिया। गुजरात 93,300 करोड़ रुपए के साथ पांचवें स्थान पर है। प्रत्यक्ष कर संग्रहण में तेलंगाना छठे स्थान पर है। वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य से 84,439 करोड़ रुपए कर जमा हुआ। हरियाणा 70,947.31 करोड़ रुपए के साथ सातवें और पश्चिम बंगाल 60,374.64 करोड़ रुपए के साथ आठवें स्थान पर है। यूपी 48,333.44 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ नौवें स्थान पर आता है।

लोरेंस बिश्नोई एक आतंकवादी है और उसका एन्टाउंटर किया जाना चाहिए - राज शेखावत

वडोदरा। करणी सेना के राष्ट्रीय प्रमुख राज शेखावत ने गैंगस्टर लोरेंस बिश्नोई को लेकर बड़ा बयान दिया है। राज शेखावत ने लोरेंस बिश्नोई को आतंकवादी बताते हुए उसका एन्काउंटर करने की मांग की। वडोदरा में आयोजित पत्रकार परिषद में राज शेखावत ने कहा कि जो डर पैदा हुआ है, उसका जिम्मेदार लोरेंस बिश्नोई हो या उसकी गैंग के आदमी, ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जा सकता। एक गैंग का मुखिया जेल में बैठकर विदेशों से देश के व्यापारियों को फिरौती के परेशान करता है। राज शेखावत ने जनता से सवाल किया कि देश के बड़े राजनीतिक और सामाजिक नेताओं की हत्या करता, ऐसे गैंगस्टर का एन्काउंटर कर देना चाहिए या नहीं? उन्होंने कहा कि जब मैं सेना में था तब कश्मीर में 8 साल सेवा की है7 उस वक्त हम आतंकियों का एन्काउंटर कर देते थे। जिसकी वजह कश्मीर आज सुरक्षित हुआ है। अब केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसे तत्त्वों को उग्रवादी की श्रेणी में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी।

ब्रिक्स सम्मेलन 22 और 23 अक्टूबर को कजान में

रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत निभा रहा अहम भूमिका

दोनों देशों ने युद्धबंदियों को छोड़ा, ब्रिक्स सम्मेलन में हो सकती है प्रक्रिया तेज

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के ढाई साल बाद अब इसके थमने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और आर्थिक समस्याओं को जन्म दिया है, लेकिन हाल के महीनों में युद्ध के समापन की दिशा में कुछ अहम कदम उठाए गए हैं। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की सक्रिय भूमिका के कारण इस प्रक्रिया में युद्ध थमने के आसार नजर आ रहे हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं और युद्ध खत्म करने का प्रयास भी किया है। पीएम मोदी के बतौर दूत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। पीएम मोदी के अगले सप्ताह कजान में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में उनकी भागीदारी इस प्रक्रिया में और तेज ला सकती है।

रूस और यूक्रेन ने हाल ही में युद्धबंदियों की रिहाई पर समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के बीच बातचीत के संकेत मिलते हैं। दोनों देशों ने 90-90 युद्धबंदियों को रिहा किया, जिससे लोगों में उम्मीद है कि युद्ध जल्द खत्म जाएगा। इसके अलावा, रूस ने यह भी कहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए सऊदी अरब एक उपयुक्त स्थान है और बैक डोर से बातचीत की शुरुआत तुर्की की मदद से हुई है। ब्रिक्स देशों के सम्मेलन का आयोजन 22 से 23 अक्टूबर तक रूस के कजान शहर में होने जा रहा है। इस सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी से युद्ध के समाधान की दिशा में नई पहल हो सकती है। रूस और अन्य वैश्विक नेताओं के साथ बातचीत से युद्ध को खत्म करने के प्रयासों को बल मिल सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन के संकेत बढ़ रहे हैं और भारत की भूमिका इस दिशा में अहम हो सकती है। बातचीत के दौर और युद्धबंदी के समझौतों से उम्मीद जताई जा रही है कि युद्ध जल्द खत्म हो सकता है।

नौसेना कैप्टन ने 58 साल लड़ी घर वापस लेने की लड़ाई, मिला मालिकाना हक

देहरादून। नैनीताल ने नौसेना के कैप्टन को 58 साल बाद अपने घर का मालिकाना हक मिल गया है। यह मामला 1960 में शुरू हुआ था, जब मृदुल शाह को रोज बैंक कॉटेज विरासत में मिला था। उस समय उन्होंने इस कॉटेज को रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी की पत्नी नीलम सिंह के परिवार को 100 रुपए महीने से किराए पर दे दिया था। नीलम के परिवार ने लंबे समय तक इस मकान पर कब्जा जमाए रखा।

2016 में मृदुल शाह ने किरायेदार से मकान खाली करने को कहा था, क्योंकि वह 23 साल की सेवा के बाद अपने परिवार के लिए एक स्थायी घर तलाश कर रहे थे लेकिन नीलम सिंह का परिवार मकान खाली करने को तैयार नहीं था, जिसके बाद मृदुल शाह ने सिविल कोर्ट का दरवजा खटखटाया। 2017 में उन्होंने सिविल कोर्ट में केस जीत लिया, लेकिन नीलम सिंह ने फैसले को नैनीताल सैशन कोर्ट में चुनौती दे दी। इस मामले में मृदुल शाह के वकील ने कोर्ट को बताया कि 1966 में रोज बैंक कॉटेज को हरपाल सिंह रहने के लिए किराए पर दिया था। हरपाल सिंह की मौत के बाद उनकी पत्नी और बेटी नीलम वहीं रहने लगीं। मृदुल शाह ने कोर्ट में बताया कि उनके पास इस संपत्ति के अलावा कोई और घर नहीं है और उन्हें अपने परिवार के साथ रहने के लिए इस घर की जरूरत है। किराएदार नीलम ने याचिका में तर्क दिया कि नौसेना अपने कर्मियों के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करती है और उनके परिवार को संपत्ति पर रहने की ज्यादा जरूरत है। अदालत ने मृदुल शाह के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि संपत्ति के मालिक को अपनी विरासत का उपयोग करने का अधिकार है और किराएदार यह तय नहीं कर सकता कि संपत्ति का उपयोग कैसे किया जाए।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी को हराने सपा प्रत्याशियों का करेगी समर्थन कांग्रेस

लखनऊ। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) को अपना समर्थन देने का फैसला लिया है। कांग्रेस ने पहले पांच सीटों की मांग की थी, लेकिन जब संपा से बात नहीं बनी तो कांग्रेस ने गाजियाबाद और खैर सीटों पर अपनी उम्मीदवारी पर विचार किया। हालांकि यहां भी स्थिति बदलने के बाद कांग्रेस ने अब उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों का समर्थन करने का फैसला लिया है।

बता दें इंडिया गठबंधन के तहत सपा ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ दी थी, लेकिन दोनों ही सीटों पर बीजेपी का दबदबा है। गाजियाबाद में 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 61.37 फीसदी वोट मिले थे, जबकि सपा को सिर्फ 18.25 फीसदी और कांग्रेस को महज 4.81 फीसदी वोट मिले थे। इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उपचुनाव में हारने से बेहतर है कि वे सपा को समर्थन दें, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बना रहे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है और अब उसकी नजरें 2027 के विधानसभा चुनाव पर हैं। कांग्रेस नहीं चाहती कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का उत्साह कम हो और पार्टी के अंदर निराशा फैले। कांग्रेस के इस फैसले के पीछे एक और कारण है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भी कुर्बानी दी थी, जब उसने अपनी सीटें नहीं मांगी और गठबंधन के तहत बीजेपी को हराने के लिए अपना समर्थन दिया था। अब कांग्रेस भी उसी रास्ते पर है और सपा के प्रत्याशियों का समर्थन करके गठबंधन के सिद्धांतों को मजबूत कर रही है। यह फैसला कांग्रेस द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से लिया गया है ताकि गठबंधन के सहयोग से अपनी राजनीतिक स्थिति को बेहतर किया जा सके और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का मनोबल बना रहे।

झारखंड में इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे से असंतुष्ट राजद ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली । झारखंड में इंडिया अलायंस के सीट बंटवारे से असंतुष्ट घटक दल राष्ट्रीय जनता दल ने न केवल अल्टीमेटम दिया बल्कि यहां तक साफ कर दिया कि आगे के रास्ते सभी के लिए खुले हैं, यानी चेतावनी आरपार की है। आरजेडी के वरिष्ठ नेता मनोज झा ने रविवार को कहा कि 12-13 सीटों से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनावों में अकेले उतरने की बात भी कही।

राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी हेमंत सोरेन की जेएमएम और उसके सहयोगी दल कांग्रेस ने 81 में से 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे आरजेडी और लेफ्ट पार्टियों के लिए सिर्फ 11 सीटें बचेंगी। सूत्रों ने बताया कि आरजेडी को छह सीटें ऑफर की जा सकती हैं, जबकि वामपंथियों को बाकी सीटें मिलेंगी। मनोज झा ने कहा कि झारखंड में उनकी पार्टी की 18 से 20 सीटों पर मजबूत पकड़ है। मनोज झा ने संवाददाताओं से कहा, हमारा एकमात्र उद्देश्य भाजपा को हराना है। हम इंडिया ब्लॉक को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।।। अगर हम झारखंड में अकेले चुनाव भी लड़ते हैं, तो हम 60-62 सीटों पर इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे।

झारखंड में आरजेडी के कड़े रुख पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि, कोई संकट नहीं है, जब गठबंधन पर बात होती है तो सबको थोड़ा त्याग और बलिदान करना पड़ता है।

बीआरएस नेता को अवैध रूप से बनाए फार्महाउस खोने का सता रहा डर - सीएम रेड्डी

हैदराबाद,। तेलंगाना सीएम ए रेवंत रेड्डी ने बीआरएस के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें उन्होंने कहा है कि वे हाल ही में गठित हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपने अवैध रूप से बनाए फार्महाउस खोने का डर सता रहा है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह एजेंसी सरकारी जमीनों और जल निकायों पर अवैध कब्जा कर बनाए गए ढांचों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। सीएम रेड्डी ने साफ कहा कि जिन लोगों ने सरकारी अनुमति से संपत्तियों का निर्माण किया है, उन्हें डरने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं, के.टी. रामा राव और टी. हरीश राव पर तंज कसते हुए कहा कि क्या वे अपने फार्महाउस की वैधता की जांच को तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक तथ्य-अन्वेषण समिति गठित करने का प्रस्ताव भी दिया, जो इन फार्महाउसों की वैधता की जांच करेगी।

रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलत अफवाह फैला रहे हैं, ताकि राज्य की प्रगति और रियल एस्टेट को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा था अगर आपके फार्महाउस या संपत्तियां वैध हैं और आपने सरकारी आदेशों का उल्लंघन नहीं किया है, तो फिर डरने की ज़रूरत नहीं।

एक सप्ताह के भीतर गुजरात में आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में बीते एक सप्ताह के दौरान 12 लोगों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। बीते दिन अमरेली में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। जिसमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा बिजली की चपेट में आने से 3 लोग घायल भी हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रह है। वैसे तो नवरात्रि से गुलाबी ठंड की शुरुआत हो जाती है, लेकिन बार बार बदलते मौसम के चलते ठंड तो दूर लोग अब भी गर्मी और उमस से परेशान हैं। गुजरात के कई जिलों में रह रहकर बारिश का दौर जारी है। बीते दिन अहमदाबाद में तेज हवा और गरज के साथ जबर्दस्त बारिश हुई। करीब एक घंटे की बारिश ने पूरे शहर को पानी पानी कर दिया। अहमदाबाद के अलावा राज्य के अन्य कई जिलों में भी बारिश हुई। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक राज्य में बरसाती माहौल बरकरार रहेगा। फसलों की कटाई के दौरान बारिश होने से किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। बारिश भी हल्की फुल्की नहीं बल्कि धुआंधार होती है और वह भी गरज के साथ। पिछले एक सप्ताह के दौरान आकाशी बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते दिन अमरेली जिले की लाठी तहसील में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि तीन लोगों घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं राजकोट के उपलेटा में बिजली गिरने से 17 वर्षीय देवेन्द्रसिंह चूडास्मा नामक युवक की मौत हो गई। बोटाद में बिजली गिरने की घटना में महिला की मौत हो गई।

आवश्यकता है
संस्था में आवश्यकता है
1. ऑफिस ब्वाय
2. चपरासी
3. सफाई कर्मचारी
4. गृह कार्य बाई
यूनिवर्सल कम्प्युटर
भटेरा रोड, रेल्वे क्रासिंग के पास
बालाघाट, मो. 9406764413

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है। कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय
शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
चपरासी की
आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही 25 वर्ष से कम उम्र के युवक/युवती ही संपर्क करें
अनिवार्यतः साइकिल चलाना आना चाहिए
वेतनमान- 10000+
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल हनुमान चौक, मेन रोड बालाघाट (मप्र)
244944 मो. 9201340520,9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः-07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

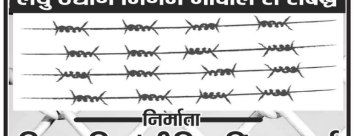

ग्यारस के बाद कोई भी हलवाई डेकोरेशन वाले के पास खाना बनाने नहीं जाएगा?

नियम तोड़ने पर लगेगा 21 हजार रु का जुर्माना, तो सूचना देने वालों को मिलेगा 2100रु का इनाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बुधवार 20 अक्टूबर को नगर के मोती गार्डन में रसोईया हलवाई संगठन की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित इस बैठक में सर्व सहमति से जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यों ने रसोईया हलवाई से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, तो वही सर्व सहमति से डेकोरेशन वाले द्वारा भोजन बनाने का काम लेने पर डेकोरेशन वाले के कहने पर किसी के यहां भोजन बनाने का काम नहीं करने का फैसला लिया गया। आयोजित बैठक के दौरान रसोईया हलवाईयों ने स्पष्ट कर दिया की डेकोरेशन वाले ,डेकोरेशन का काम करे, पार्टी से भोजन बनाने का काम ना ले यदि वे ऐसा करते हैं तो उनके कहने पर कोई भी रसोईया भोजन बनाने नहीं जाएगा। वहीं बैठक में इस बात का भी ऐलान किया गया कि यदि ग्यारस के बाद कोई भी डेकोरेशन वाले के पास कोई हलवाई या रसोईया खाना बनाने के लिए जाता है तो उसपर 21000 रु का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं इसकी सूचना देने वाले को 2100 रु का इनाम भी घोषित किया गया है।

कार्यकारिणी ने सुनाया जुर्माने और इनाम का फैसला

सर्व सहमति से जुर्माने को लेकर लिए गए इस फैसले के दौरान जिला रसोईया हवाई संगठन जिला अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बोमरडे, उपाध्यक्ष कृष्णा गनवीर, गुड्डू पटले, गोविंद प्रसाद अतराम, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर बांगरे, सचिव संतोष निनावे, सह सचिव छोटू यादव, शिव बेलवंशी, अशोक बोहने, चमन खरे ,सम्पद पटले, ठानीराम मोहारे, और दुर्गा प्रसाद सुलाखे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व जिले भर से आए रसोईया, हलवाई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिनकी प्रमुख उपस्थिति में कार्यकारिणी ने नियम तोड़ने वाले हलवाई व रसोईया पर 21000 रु का जुर्माना और सूचना देने वाले को 2100 रु का इनाम दिए जाने की घोषणा की।

सभी को नियम समझा दिया गया है जो नियम तोड़ेगा हर्जाना भरना पड़ेगा-वरिष्ठ पदाधिकारी

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान पदाधिकारियो ने बताया कि 2 अक्टूबर को रसोईया हलवाईयों की कार्यकारिणी का गठन किया गया था। जिसमें सर्व सहमति से पदाधिकारी का चयन कर उन्हें उनकी जिम्मेदारी सौंप गई थी। आज हलवाईयों और रसोईयो को होने वाली विभिन्न परेशानियों को लेकर आवश्यक बैठक बुलाई गई थी। जिसमें कई अहम फैसले लिए गए हैं।उन्होंने बताया कि अक्सर डेकोरेशन वाले किसी भी शादी विवाह में भोजन बनाने का काम भी ले लेते हैं और वे हम रसोइयों को खाना बनाने बोलते हैं जबकि उन्हें सिर्फ डेकोरेशन का काम लेना चाहिए। लेकिन अब से ऐसा नहीं होगा। हमारा मानना है की डेकोरेशन वालों ने डेकोरेशन का काम करना चाहिए खाना बनाने का काम हमारा है जो हम करेंगे। इसलिए आज हमने फैसला लिया है कि ग्यारस के दिन से कोई भी हलवाई या रसोईया किसी भी डेकोरेशन वाले के कहने पर खाना बनाने नहीं जाएगा। वहीं जिले के बाहर से आने वाले रसोईयों को भी इसकी सूचना दे दी गई है यदि उन्हें काम लेना ही है तो वह डायरेक्ट पार्टी से लें, या फिर कैटरिंग वालों से संपर्क करें। यदि कोई भी हलवाई या रसोईया डेकोरेशन वाले के कहने पर कहीं पर खाना बनाने के लिए जाता है तो इसमें जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। इस नियम को तोड़ने वाले से संगठन द्वारा 21000 रु का जुर्माना वसूला जाएगा, तो वही सूचना देने वाले को संगठन द्वारा 2100 रु का इनाम दिया जाएगा। इसकी घोषणा आज की गई है।

अंडर-15 की क्रिकेट टीम का चयन, जबलपुर में खेलेगी मैच

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। खेल प्रतिभाओ से भरे बालाघाट जिले की अंडर-15 की टीम, आगामी 03 नवंबर से जबलपुर के नीमखेड़ा क्रिकेट मैदान में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेगी। जिसके लिए रविवार को खिलाड़ियों का चयन, उनके मैदान में परफारमेंस के आधार पर किया गया। दरअसल, मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ, युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को खेल में आगे बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, जिसकी शुरूआत, आगामी 03 नवंबर से होगी। जबलपुर में आयोजित प्रतियोगिता के लिए जिलास्तरीय टीम में 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। जिन्हें कल 21 अक्टूबर से सायंकाल 04 बजे से कन्या महाविद्यालय और रेंजर कॉलेज मैदान में क्रिकेट कोच, प्रशिक्षित करेंगे।

अंडर 15 में इन खिलाड़ियों का किया गया चयन

रविवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में अपनाई गई इस चयन प्रक्रिया में तुषार चौरे, आर्यन ठाकुर, ऋषि अधिकारी, जैस बाहरे, पियूष गेडाम, कोस्तुभ पांडे, भावेश राहंगडाले, तनय पंद्रे, सामविक गोखले, रवि बिसेन, वीर वाधवानी, हर्षित उदगावकर, तन्मय राहंगडाले, ऋषि सचदेव, अनिमेष भीमटे और विहान नाग का चयन किया गया है।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के बाद आयोजित की जाएगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता- निशांत

खिलाड़ियों के चयन को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला क्रिकेट संघ सचिव निशांत मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश क्रिकेट एशोसिएशन द्वारा अंडर-15 जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें जिले की अंडर-15 टीम के लिए, खिलाड़ियों को ट्रायल लेकर चयनित किया गया। उन्होंने कहा कि इन चयनित खिलाड़ियो को कल 21 अक्टूबर से कोच, प्रशिक्षण देंगे सभी चयनित खिलाड़ी आगामी 03 नवंबर से जबलपुर के नीमखेड़ा क्रिकेट मैदान में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेगे। जिनका संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन किया जाएगा। जिसके उपरांत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन होंगा।

एमएलबी स्कूल के विद्यार्थी वॉलीबॉल और रोड साइकिल में लेंगे हिस्सा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शालेय वालीबाल एवं रोड साइकिल प्रतियोगिता में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट की तीन छात्राओ का चयन किया गया है। जिसमे सेजल सिंह का बॉलीवाल में तो वही रिया बावने और गौरा उइके का चयन रोड साइकिल प्रतियोगिता में लिए किया गया है। बताया गया कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बिहार में होगा तीनों छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाकर मध्य प्रदेश टीम में अपना नाम दर्ज कराया है। साथ ही संपूर्ण जिले एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। खिलाड़ी छात्रों की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ,जिला खेल अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी, विद्यालय प्राचार्य डॉ मनोज जैन एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की है

सभी का मिला भरपूर सहयोग

आयोजन को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान एमएलबी स्कूल क्रीड़ा अधिकारी कंचन महाजन ने बताया कि साइकिल एसोसिएशन के सचिव मनोज उपवंशी जी द्वारा खेल को आगे बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर जाने का मौका मिला है उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिता में मनोज उपवंशी शैलेंद्र नागपुरे और स्कूल के समस्त खेल प्रभारी भी विद्यार्थियों का सहयोग करते हैं सभी एक दूसरे के पूरक है सभी के सहयोग से कार्य सफल होते हैं उसी प्रकार वॉलीबॉल में सेजल सिंह लगातार प्रेक्टिस के माध्यम से और कंचन महाजन के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे हैं अंत में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी इन खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी है तो वही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पीडब्लूडी सभापति स्वयं अपने वार्ड की नहीं करा पा रहे साफ सफाई ?

सरेखा वार्ड नं 31 के अस्थाई डंपिंग यार्ड से लोग परेशान तत्काल हटाने की मांग की

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। एक ओर नगर पालिका पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे शहर को साफ सुथरा सुंदर व स्वच्छ बनाने का दावा कर रही है तो वहीं दूसरी ओर साफ सफाई के नाम पर नगर पालिका शहर के विभिन्न स्थानों में ही मिनी डंपिंग यार्ड बना रही है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि यह हालात इन दिनों नगर के सरेखा वार्ड नं 31 स्थित आंगनबाड़ी परिसर में पिछले कई सालों से देखने को मिल रहे है जहाँ पिछले कई वर्षो से खाली पड़े प्लाट में कचरा लाकर जमा किया जा रहा है। जहां नपा द्वारा बनाए गए अस्थाई डंपिंग यार्ड में सुकर, आवारा मवेशियों और श्वान(कुत्तो) का झुंड का हमेशा लगा रहता है। नगर के इस प्रमुख स्थान पर नपा द्वारा बनाए गए अस्थाई मिनी डंपिंग यार्ड के चलते स्थानीय लोगो, के साथ साथ सड़क से गुजरने वाले आम रहागिरो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जो इन दिनों गंदगी और मिनी डंपिंग यार्ड से आने वाली दुर्गंध से परेशान हैं। वार्ड से जमा किया गया कचरा लाकर खाली प्लाट मे एकत्र करने से लोगो को मौसमी सहित अन्य प्रकार की बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। यहाँ लंबे समय से बनाए गए इस डंपिंग यार्ड पर नगरपालिका का कोई ध्यान नहीं है तो वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जो इन दिनों कचरे से आने वाली दुर्गंध से काफी परेशान है। जिस पर अपना एतराज जताते हुए स्थानीय लोगो ने नपा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए यथाशीघ्र आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में बनाए गए अस्थाई डंपिंग यार्ड को हटाए जाने की मांग की है।

पीडब्लूडी सभापति का वार्ड है सरेखा वार्ड नं 31

आपको बताएं कि यह वार्ड किसी मामूली पार्षद का नहीं, बल्कि यह वार्ड नगर पालिका पीडब्ल्यूडी विभाग के सभापति कमलेश पाँचे का वार्ड है जहां सभापति ही अपने वार्ड वासियों को कचरा और गंदगी से राहत नहीं दिला पा रहे हैं ऐसा नहीं है कि वार्ड वासियों ने इसकी शिकायत नहीं की बल्कि कई बार साफ सफाई सहित अन्य सुविधाएं दिए जाने की शिकायत की गई है यहां तक की सीएम हेल्पलाइन में भी

प्रकरण गया है लेकिन अब तक इस प्रकरण का निराकरण नहीं हो पाया है।

जगह जगह लिखा है स्वच्छता का संदेश

बताया जा रहा है वार्ड नं 31सरेखा आंगनबाड़ी परिसर स्थित खाली प्लाट में ट्रांसफार्मर के पास वर्ष 2018 के पहले से कचरा एकत्र किया जा रहा हैं.वहीं रहागिर भी अब इसी स्थान का उपयोग लघुशंका के रूप में करने लगे हैं. आपको बताएं कि जिस तरह नगर में स्वच्छता अभियान कागजों में चल रहा है, ठीक उसी तरह साफ सफाई बरतने के संदेश भी इस परिसर पर लिखे गए हैं.जहां स्लोगन के माध्यम से कचरा ना फेंके, स्वच्छ वातावरण बनाए, रखें और स्वच्छता बरतने सहित स्वच्छता के प्रती लोगों को जागरूक किए जाने का प्रयास किया गया है.लेकिन नपा कर्मी खुद वर्ष 2018 के पूर्व से यहां अस्थाई डंपिंग यार्ड बनाकर स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे है।जिसका खामियाजा स्थानीय लोगो और यहां से गुजरने वाले रहागिरो को भुगतना पड़ रहा है।

क्या इसलिए नपा को दिया गया है थ्री स्टार का दर्जा?

स्वच्छता के नाम पर लाखों रुपए का टैक्स वसूल करने वाली नगरपालिका का स्वच्छता पर विशेष ध्यान नहीं है।जहां स्वच्छता के नाम पर नगर के कई वार्डों में जगह-जगह कचरे का ढेर नजर आ रहा है तो वही नपा स्वयं जगह-जगह कचरा एकत्र कर स्वच्छता अभियान को पलीता लगाने में जुटी हुई है। जबकि नपा बालाघाट को थ्री स्टार का दर्जा मिला हुआ है। नगर के वार्ड नं 31सरेखा आंगनबाड़ी परिसर स्थित खाली प्लाट में ट्रांसफार्मर के पास अस्थाई तौर पर बनाए गए डंपिंग यार्ड से स्थानीयवासी काफी नाराज हैं।लेकिन नपा व कर्मचारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है।

कचरा गाड़ी नहीं आ रही इसीलिए प्लाट को बना दिए डंपिंग यार्ड

उधर रोजाना कचरा गाड़ी नहीं आती इसीलिए वार्ड वासियों सहित अन्य स्थानीय लोगो ने वार्ड में एक खाली प्लाट को ही अस्थाई डंपिंग यार्ड बना लिया है। जहां रोजाना घरों से निकलने वाला कचरा इस प्लाट में एकत्र करके रखा जा रहा है।जिसके चलते यहा खाली प्लाट अस्थाई डंपिंग यार्ड बन गया है और जहां-तहाँ गंदगी नजर आ रही है।

कई बार सौंप चुके हैं आवेदन, नही हुई कोई सुनवाई

ऐसा नहीं है कि वार्ड वासियों ने इस एक छोटी सी समस्या को लेकर जिम्मेदारों को आवेदन निवेदन नहीं किया है। बल्कि वार्डवासियों ने स्थानीय पार्षद से लेकर जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका के अधिकारियों कर्मचारियों यहां तक कि उच्च अधिकारियों तक को ज्ञापन सौंप चुके है लेकिन वार्डवासियों के इस आवेदन निवेदन का जिम्मेदारों पर अब तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।जहां जिम्मेदारों ने अब तक वार्ड की समस्या पर ध्यान नहीं दिया है जिसका खामियाजा वार्ड वासियों को भुगतना पड़ रहा है।

गंदगी से बढ़ रहा मच्छरों का प्रकोप- वार्डवासी

वार्डवासियो ने बताया कि वे पिछले कई सालों से वार्ड नंबर सरेखा वार्ड नं 31 में निवास कर रहे हैं यहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है सभी जगह नाली का निर्माण ना होने के चलते पानी की निकासी नहीं हो पाती। वही जगह-जगह पानी भर जाने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है यह बनाए गए अस्थाई डम्पिंगयार्ड से लोग यहां बीमार पड़ रहे हैं वही जगह जगह गंदगी देखी जा रही है।

सीएम हेल्पलाईन लगाने पर भी समस्या का नही हो पाया निराकरण - परसराम

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वार्डवासी परसराम चिचले ने बताया कि पिछले कई वर्षों से इसी खाली प्लाट में कचरा डंप हो रहा है यहां से आंगनबाड़ी केंद्र भी पास में है यहां फेके जाने वाला कचरा सड़ रहा है।जिससे घर के अंदर तक दुर्गंध आती है लोगों का स्वास्थ्य बार-बार खराब हो रहा है इससे पहले भी सीएम हेल्पलाइन में हमने शिकायत की थी 3 साल शिकायत चली पर आज तक कोई निराकरण नहीं निकला। नगर पालिका वालों ने हमें आश्वासन दिया था कि यहां पर कचरा डंप नहीं होगा फिर भी कचरा का लगातार डंप किया जाता है। पार्षद कमलेश पाचे भी हमारी इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं देते हैं।

वार्ड से हटाया जाए आस्थाई डंपिंग यार्ड - अक्षय

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 31 निवासी युवक अक्षय ने बताया कि यहां खाली प्लाट में लगातार कचरा डंप किया जा रहा है जिसमें सुवर सहित अन्य जानवरों ने अपना अड्डा बना लिया है। जहां तहां गंदगी फैली हुई है दुर्गंध से पूरा माहौल सरांबोर हो चुका है घर के अंदर तक दुर्गंध आती है। हमने कई बार वार्ड पार्षद से बात की है लेकिन पार्षद सुनवाई नहीं कर रहे हैं वर्ष 2018 से शिकायत कर रहे हैं लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।यहां केवल हम ही नहीं बल्कि सभी लोग परेशान हैं हमारी मांग है कि नगर पालिका ने यहां पर व्यापक साफ सफाई करनी चाहिए डंपिंग यार्ड को हमेशा के लिए हटाना चाहिए या फिर इस खाली जगह पर कोई निर्माण कार्य करना चाहिए ताकि यहां कचरा जमा न हो सके।

वार्ड पर नही है किसी का ध्यान- वहाने

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वार्ड वासी विलेश वहाने ने बताया कि खाली प्लाट में लगातार लोग कचरा डंप कर रहे हैं वार्ड के पार्षद भी कोई काम नहीं कर रहे हैं यह आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है नगर पालिका का इस ओर कोई ध्यान नहीं है यहां तक की नालियां साफ करते हैं तो उसका मलमा भी उठाकर नहीं ले जाते और जहां-तहां गंदगी नजर आती है।

कोसमी पंचायत वाले कर रहे कचरा- कमलेश पाँचे

वही मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 31 पार्षद एवं पीडब्ल्यूडी शाखा सभापति कमलेश पाँचे ने बताया कि वहां कोई डंपिंग यार्ड नहीं है। रोजाना कचरा एकत्र किया जाता है और रोज कचरा उठा लिया जाता है निकटतम कोसमी पंचायत लगी हुई है पंचायत वाले यहां लाकर कचरा डालते हैं। हमने कई बार मना किया पर वे नही मानते। हमने नगर पालिका स्वच्छता प्रभारी दीपक विसेन से कहा है कि वह कोसमी सचिव को नोटिस भेजे वही जिस व्यक्ति का प्लांट है उसको भी नोटिस जारी कर खाली प्लाट में निर्माण कार्य करने कहा जाएगा। यदि वह नहीं मानते तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आज भी वार्ड के कुछ लोग कचरा फेंकने के लिए आए थे जिन्हें मना किया गया है उनका वीडियो भी बनाया गया है। नगरपालिका द्वारा रोजाना कचरा उठाया जा रहा है पर पंचायत वाले रोजाना कचरा फेंक कर गंदगी कर रहे हैं बाकी वार्ड में ऐसी कहीं कोई समस्या नहीं है।

पति की दीर्घायु के लिए सौभाग्यवती महिलाओ ने रखा निर्जल व्रत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। अखंड सौभाग्य का महापर्व करवाचौथ 20 अक्टूबर रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धार्मिक विधि-विधान के साथ मनाया गया। जहां सुहागिन महिलाओ ने अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर भगवान शिव ,माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा-अर्चना की। इसके अलावा सुहागिन व्रतधारी महिलाओ ने सोलह श्रृंगार कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानो में भाग लिया। वही जगह जगह सामुहिक रूप से माता करवा की कथा का वाचन कर माँ करवा की विशेष आराधना की गई। जहां रात को चंद्रोदय के बाद चलनी में चांद और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाओ व्रत खोला।

करवा चौथ को लेकर महिलाओ में दिखा उत्साह

अखंड सौभाग्य के इस व्रत को लेकर नगर की महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया जहां महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर पूरे दिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए वही शाम के वक्त सोलह श्रृंगार कर नगर के राम मंदिर, सहित नगर के विभिन्न वार्डों में आयोजित सामुहिक धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया जहां उन्होंने माता करवा की कथा सामुहिक रूप से सुनकर, मां करवा की सामुहिक आरती उतारी, वही सामुहिक रूप से पूजा पाठ में भाग लिया। जिसके बाद देर रात चलनी में चांद और पति का एक साथ दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर करवा चौथ का व्रत पूरा किया।

पति की दीर्घायु और परिवार में सुख समृद्धि के लिए रखा जाता है व्रत - सुहागिन महिलाएं

करवा चौथ व्रत और सामुहिक पूजा अर्चना के संदर्भ में की गई चर्चा के दौरान सुहागिन महिलाओं ने बताया की करवा चौथ का व्रत पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए रखा जाता है ताकि परिवार में हमेशा सुख समृद्धि बनी रहे और पति की दीर्घायु हो। इसके अलावा उनके परिवार को हर मोड़ पर सफलता मिलती रहे। इसी उद्देश्य को लेकर सौभाग्यवती महिलाएं पूरे दिन निर्जल रहकर करवा चौथ का व्रत धारण करती हैं। जहां सुबह उठकर जल ग्रहण करते हैं फिर पूरा दिन निर्जल रहते हैं पूरे दिन व्रत धारी महिलाएं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर मां करवा सहित अन्य देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना करती है उन्होंने आगे बताया कि इस व्रत को रखने से पति पत्नी के बीच प्रेम में वृद्धि होती है। पति पत्नी दोनों ही इस व्रत का सम्मान करते हैं। रात को जब पति देव घर आते हैं तब चंद्रमा का दीदार कर उनके हाथों से जल ग्रहण करते हैं।

बस स्टैण्ड से मजार के बीच हाईवे मार्ग में बने गड्ढे... मौत को दे रहे दावत

रोजाना हो रहे हादसे, जिम्मेदार मौन, राहगीरों एवं नगरवासियों में आक्रोश व्याप्त, राहगीरों ने सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से गुजरी बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार तक करीब ३०० मीटर की दूरी तक की सड़क में तीन से चार स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये है। जो छोटा तालाब का रूप ले लिया है और इन स्थानों से आने-जाने के दौरान रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही ये गड्ढे मौत को भी दावत दे रहे है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीरों एवं नगरवासियों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह नगर मुख्यालय का सबसे व्यस्तम मार्ग एवं क्षेत्र कहलाता है उसके बावजूद भी लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार के बीच स्थित सैंट्रल बैंक के समीप, माँ सतबहनी मंदिर प्रवेश द्वार के सामने सहित अन्य स्थान में सड़क के बीच में तालाब जैसे गड्ढे बन गये है। साथ ही इन स्थानों में सड़क गड्ढों में तब्दील भी हो चुकी है और आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही जल्द मार्ग में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। वहीं लंबे समय से राहगीर एवं स्थानीयजनों के द्वारा प्रशासन से हाईवे मार्ग में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की जा रही है परन्तु प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा लगता कि है प्रशासन भी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

सड़क में बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो हो सकता है बड़ा हादसा

आपको बता दे कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके है। जिसके कारण आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं विगत दिवस क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं सड़क विभाग के अधिकारी के द्वारा खराब सड़क का निरीक्षण भी किया गया था और सड़क विभाग से मार्ग में बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिये गये थे परन्तु विधायक के निरीक्षण किये एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार के बीच में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण मार्ग में बने जानलेवा गड्ढे मौत को दावत देते नजर आ रहे है क्योंकि गड्ढे मार्ग के बीच में तालाब जैसे बन गये है। साथ ही छोटे से बड़े वाहन भी गड्ढों के किनारे से गुजरते है। इस दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पलट भी सकते है। वहीं गड्ढों में पानी जमा होने के कारण दुर से गड्ढों की गहराई समझ में नही आने से वाहन गड्ढे में जाने से लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे है और इन स्थानों पर सबसे अधिक परेशानी निवासरत लोग, स्कूली बच्चों एवं आने-जाने वालों को हो रही है। जबकि रोजाना इस मार्ग से जिम्मेदार जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी भीआना-जाना करते है परन्तु उनके द्वारा भी लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार तक ३०० मीटर सड़क की दुरी के बीच में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीर एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को नही दिखाई दे रही है सड़क की दुर्दशा - फिरोज

फिरोज खान ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग बदहाल हो चुकी है और लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार के बीच में दो से तीन स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये है जो एक छोटे तालाब का रूप ले लिया है। जिसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

जबकि इस हाईवे मार्ग से रोजाना बड़े जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी आवागमन करते है परन्तु उन्हे सड़क की यहां दुर्दशा दिखाई नही दे रही है जो समझ से परे लग रहा है और मार्ग में बने गड्ढों के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। श्री खान ने बताया कि एमपीआरडीसी विभाग के द्वारा वाहनों से टोल टैक्स लिया जाता है परन्तु सड़क का मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा है जिसके कारण जगह-जगह गड्ढे बन गये और सबसे खराब स्थिति लालबर्रा सैंट्रल बैंक व मजार के समीप है जहां दो से तीन स्थानों पर सड़क के बीच में बहुत बड़ा गड्ढा बन गया है। साथ ही गड्ढों में पानी जमा होने के कारण सभी को परेशानी हो रही है, क्षेत्र के विधायक एवं सांसद महोदय से अपील है कि वे इस सड़क की दुर्दशा पर ध्यान देकर सड़क का मरम्मत कार्य करवाये और प्रशासन ध्यान नही दे रहा है तो सड़क पर उतरकर आंदोलन करें जानता आपके साथ मिलकर आंदोलन करने के लिए तैयार है।

प्रशासन की लापरवाही से हो रहे हादसे - हरिशंकर

जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार के बीच ३०० मीटर की दुरी तक दो से तीन स्थानों पर बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये है जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है और उक्त स्थान से अगर चौपहिया, दुपहिया, साइकिल से एवं पैदल आने-जाने वालों की नजर हटती है तो हादसे घटित हो सकते है क्योंकि मार्ग के बीच में ही तालाब जैसे जानलेवा गड्ढा बन चुका है। जहां से सावधानीपूर्वक लोग आना-जाना कर रहे है और ये गड्ढे मौत को दावत दे रहे है। श्री बनवारी ने बताया कि यह हाईवे मार्ग है और २४ घंटे वाहनों का आवागमन चालू रहता है। साथ ही बड़े जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी आना-जाना करते है उसके बावजूद भी सड़क का मरम्मत कार्य नही होना दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि यह शहर का व्यस्तम मार्ग एवं क्षेत्र कहलाता है और ट्राफिक भी अधिक रहता है उसके बाद भी सड़क का मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि लंबे समय से मार्ग का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की जा रही है परन्तु किसी को कोई ध्यान नही है और प्रशासन की लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द हाईवे मार्ग में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाये।

कंजई में वार्षिक शरद महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ११ किमी. दूर ग्राम पंचायत कंजई स्थित दिव्या शांति निकेतन उमावि. में राजाभोज क्षत्रिय पंवार ग्राम समिति के द्वारा शनिवार को वार्षिक शरद महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ समाजसेवी ढालसिंह बिसेन के मुख्य आतिथ्य एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती, माँ गढ़ कालिका, कुलश्रेष्ठ भगवान श्री राजाभोज, प्रभु श्री रामचंद्र के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। आयोजित शरद महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार रखते हुए बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने, सामाजिक कुरीतियों को दुर करने एवं संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने की बात कही गई। इस अवसर पर राजाभोज क्षत्रिय पंवार ग्राम समिति कंजई के पदाधिकारी सहित स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

फटाखा एसोसिएशन की हुई बैठक

दीपावली पर्व पर फटाखा दुकान लगाने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान स्थित सभामंच में २० अक्टूबर को फटाखा एसोसिएशन की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक फटाखा एसोसिएशन संघ के पदाधिकारी, तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, थाना प्रभारी हेमंत नायक की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नगर मुख्यालय में दीपावली पर्व के दौरान अस्थाई फटाखा दुकान खोले जाने, शासन के नियमों का कैसे पालन करना है, बाजार क्षेत्र के दुकानों में अवैध रूप से दीपावली पर्व पर बिकने वाले फटाखों पर प्रतिबंध लगाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। वहीं तहसीलदार श्री टेकाम के द्वारा सभी अस्थाई दुकानदारों को शासन के नये नियमों की जानकारी दी गई और कहा गया कि जब तक जितने लोगों ने फटाखा दुकान लगाने के लिए अस्थाई लायसेंस बनाने दिये है । सभी के अस्थाई लायसेंस बन जायेंगे उसके बाद दुकान लगाने के लिए ड्रा किया जायेगा और दुकाने लगाने के लिए जगह आबंटित की जायेगी। साथ ही सभी को शासन के नियमों का पालन कर दुकान लगाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। चर्चा में फटाखा एसोसिएशन संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि दीपावली पर्व में सीएम राइज शास. उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में प्रतिवर्ष अस्थाई फटाखा दुकानें खोली जाती है, बैठक में फटाखे दुकानें कब खोलना है सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है जिसमें निर्णय लिया गया है कि फटाखा के प्रत्येक दुकान में टीन शेड, रेत व गैस सिलेण्डर रहेगा एवं शासन के नियमों के अनुसार ही दुकानें खोली जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि हम लोग ४-५ दिन के लिए लायसेंस लेकर दुकानें लगाते है परन्तु बाजार क्षेत्र में कुछ दुकानदार अवैध रूप से फटाखों का विक्रय करते है जिससे हमारे व्यापार प्रभावित होता है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि अवैध फटाखा विक्रय पर प्रतिबंध लगाये। इस अवसर पर फटाखा एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष अरूण गौतम, सुनिल अवधवाल, मयुर महोबे, संकेत गुप्ता, मुकेश पिपलोद, मुकेश पटले, अर्चित साहू, राजू साहू, राहुल गोयल एवं पटवारी शिवलाल अड़मे सहित अन्य उपस्थित रहे।

शासन के नियमानुसार लगायेगें फटाखा दुकान - अरूण

फटाखा एसोसिएशन अध्यक्ष अरूण गौतम ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में अस्थाई फटाखा दुकान लगाना है इसलिए रविवार को फटाखा एसोसिएशन एवं प्रशासन से साथ बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें दुकान संचालित करने, शासन के नियमों का पालन करने सहित अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही राजस्व एवं पुलिस विभाग के द्वारा किस तरह से दुकान लगाना है, कौन-कौन से सुरक्षा की सामग्री रखना है उसके बारे में जानकारी दी गई है। श्री गौतम ने बताया कि आगामी २९ अक्टूबर से दीपावली पर्व शुरू होने वाला है और इस बार लगभग ३५ अस्थाई फटाखा दुकानें लगने वाली है जिसके लिए ड्रा किया जायेगा और प्रशासन के द्वारा दुकान लगाने के लिए जगह आबंटित की जायेगी जिसके बाद सभी अस्थाई फटाखा दुकानदार शासन के नियमों का पालन करते हुए फटाखा दुकान लगाकर विक्रय करें। साथ ही यह भी बताया कि कुछ लोग बाजार क्षेत्र में अवैध रूप से फटाखों का विक्रय करते है इसलिए प्रशासन से मांग है कि बाजार क्षेत्र में फटाखा विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करें।

वरिष्ठ कांग्रेसी लोकमन पगरवार का निधन, अंत्येष्टि आज

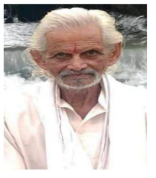

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. निवासी ९० वर्षीय वरिष्ठ कांग्रेसी, समाजसेवी लोकमन पगरवार का २० अक्टूबर को प्रात: १० बजे हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार २१ अक्टूबर को प्रात: ११ बजे मोहगांव ध. स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहगांव ध. निवासी वरिष्ठ कांग्रेसी लोकमन पगरवार कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, रविवार की प्रात: १० बजे अचानक तबियत अधिक खराब होने एवं हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. लोकमन पगरवार सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। साथ ही कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं समाजसेवी भी थे। जिनके निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. लोकमन पगरवार का २१ अक्टूबर को प्रात: ११ बजे मोहगांव ध. स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया जायेगा। वहीं वरिष्ठ कांग्रेसी मोहगांव ध. निवासी लोकमन पगरवार के निधन पर बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे सहित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

बदलीनुमा मौसम और बूंदाबांदी बारिश ने किसानों की बढ़ाई परेशानी

हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार, फसल को लेकर किसान चिंतित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। खरीफ सीजन में लगाई गई हल्की प्रजाति की धान पक कर तैयार हो चुकी है एवं कुछ किसानों ने कटाई भी प्रारंभ कर दिये है परन्तु अचानक मौसम परिवर्तन एवं क्षेत्र में हुई बूंदाबांदी बारिश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है और किसान फसल को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। रविवार को सुबह के समय अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही क्षेत्र में बूंदाबांदी बारिश हुई। साथ ही दिनभर बदलीनुमा मौसम बना रहा और तेज बारिश होने के पूरे असर नजर आ रहे है एवं तेज बारिश होती है तो पकी फसल खराब हो सकती है जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की संभावना है। वहीं बे-मौसम बूंदाबांदी एवं कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने के कारण आमजनों को परेशानी होने के साथ ही धान की फसल भी प्रभावित हुई है और जिन किसानों ने हल्की प्रजाति की धान की कटाई कर चुके है उनके कड़ुवे गीले हो सकते है। साथ ही तेज बारिश होती है तो जिन किसानों ने धान की कटाई कर लिये है उसमें अंकुर आ सकते है जिससे किसानों का काफी नुकसान हो सकता है। किसानों ने बताया कि हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार हो चुकी है एवं कुछ किसानों ने कटाई भी प्रारंभ कर दिये है परन्तु अचानक मौसम परिवर्तन एवं क्षेत्र में कुछ स्थानों में तेज एवं बुंदाबांदी बारिश से हल्की प्रजाति की धान को काफी नुकसान पहुंच रहा है एवं बारिश होने के साथ ही आसमान पर बादल छाये रहने के कारण माहू, करपा सहित अन्य बीमारी होने का प्रकोप बढ़ सकता है और खेतों में पानी जमा होने के कारण धान की बाली खराब हो सकती है जिसे समर्थन मूल्य में भी नही खरीदा जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि जिन किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है ऐसे किसान मौसम साफ होने का इंतेजार कर रहे है परन्तु मौसम बार-बार बदलने के साथ ही बारिश होने से धान की बाली भी झड़ने लगेगी। जिससे किसानों को काफी नुकसान हो सकता है एवं किसान फसल को लेकर चिंतित नजर आ रहे है।

कंजई में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

करवा चौथ का सुहागिन महिलाओं ने रखा व्रत

अखण्ड सौभाग्यवती की कामना से महिलाओं ने धारण किया निर्जला व्रत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में २० अक्टूबर को अखंड सौभाग्यवती होने का महापर्व करवा चौथ सुहागिन माता बहनों के द्वारा हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। इस दौरान महिलाओं के द्वारा घरों और मंदिरों में सामूहिक रूप से करवा माता ,भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर हर्षोल्लास के साथ करवा चौथ पर्व मनाया गया। जिसमें करवा चौथ की कथा का वाचन करने के उपरांत चांद के दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण का व्रत का समापन किया गया। इस दौरान महिलाओं के द्वारा पूरे दिन निर्जला व्रत अपने अखंड सौभाग्यवती होने की कामना से किया गया।

रामदेव बाबा मंदिर में हुआ सामूहिक पूजन

नगर के वार्ड नं.६ लालबर्रा रोड़ स्थित रामदेव बाबा मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस २४ वे वर्ष में भी सामूहिक करवा चौथ कार्यक्रम का आयोजन धार्मिक मान्यता अनुरूप किया गया। जिसमें सुहागिन महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करवाकर अपने अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुये करवा देवी की पूजा अर्चना की गई। जिसमें सर्वप्रथम पूजा की सामग्री सँजाकर करवा देवी एवं भगवान गणेश की कथा का पाठ कर करवा चौथ गीत गाकर पूजा की थाली को एक दूसरे के हाथ में देते हुये परिक्रमा करवाई गई। सभी ने अपने अपने पति की उम्र को लेकर दीर्घायुं होने की कामना की गई। विदित हो की करवा चौथ के दिन अलसुबह बहुओं को सगरी सॉस के दौरान प्रदान कि गई साथ ही कुछ सुहाग सामग्री भी दी गई। सभी सुहागिन महिलाऐं ने निर्जला व्रत धारण किया फिर देर शाम पति के हाथ से पानी पीकर व्रत को समाप्त किया। इस दौरान व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। जिन्होने सोलह श्रृंगार कर पूरी पूजा विधि विधान से की।

हनुमान मंदिर में महिलाओं की पूजा

नगर के हनुमान लला मनोकामना पूर्ति मंदिर में सुहागिन महिलाओं के द्वारा सामूहिक रूप से करवा माता ,भगवान गणेश की पूजा अर्चना की गई। जहां पर महिलाओं के द्वारा सोलह श्रृंगार कर पूजा सामग्री के साथ पहुंच कर पंडित के द्वारा करवा चौथ की वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करवाई गई। जहां पर विधि विधान से करवा चौथ की पूजा संपन्न होने के बाद महिलायें अपनी पूजा थाली लेकर वापस घर के लिए रवाना हुई। मंदिर में यह पीते करीब ५ वर्षों से आयोजित किया जा रहा है या ६वां वर्ष था। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

चांद के दीदार के बाद महिलाओं ने तोड़ा व्रत

करवा चौथ के अवसर पर पूजा और चांद के दीदार का अपना पौराणिक है यह करवा चौथ अपने पति की दीर्घायुं के लिये रखे जाने वाला कठिन व्रत है। जो कार्तिक महिने के कृष्ण पक्ष में चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी तिथी को सुहागिन महिलाऐं करवा चौथ का व्रत करती है। इस दिन निर्जला व्रत धारण कर पति की लंबी उम्र और सदा सौभाग्य की कामना कर आस्था और विश्वास के साथ सुहागिन महिलाओं ने व्रत धारण कर रात्री में छलनी से चांद देखकर पति का दीदार किया। जिसके बाद पति ने अपनी व्रतधारी पत्नी को पानी पिलाकर व मीठा खिलाकर व्रत स्थगित करवाया।

करवा देवी ने बचाई थी अपने पति की जान

करवा चौथ का व्रत आदि काल से चला आ रहा है जिसमें पौराणिक कथा के अनुसार करवा देवी अपने पति के साथ तुंगभद्रा नदी के पास रहती थी। एक दिन देवी करवा के पति स्नान करने इसी नदी के तट पर गये तो एक मगरमच्छ ने उनका पैर पकड़ लिया और नदी के पानी में खींचने लगा। उन्होने करवा देवी को आवाज दी जिसके बाद करवा देवी नदी के तट पर पहुँची और अपने पति की जान बचाई। तब से करवा चौथ का व्रत महिलाओं के द्वारा अपने सुहाग को अमर करने पति की दीर्घायु व सौभाग्यवती होने की कामना से किया जाता है।

सभी का व्रत सफल हो सुहाग अमर हो - स्मिता जायसवाल

पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने बताया कि करवा चौथ का व्रत सुहागन महिलाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण व्रत होता है। इस दौरान सुहागिन महिलायें सोलह श्रृंगार कर यह निर्जला व्रत धारण करती है ।वह सौभाग्यवती होने और अपने पति की दीर्घायु के लिए काम करती है। सभी को करवा चौथ पर्व की बधाई माता रानी से कामना है कि सभी का सुहाग अमर रहे सभी का व्रत सफ ल हो। बाबा रामदेव मंदिर में पिछले २४ वर्षों से लगातार सामूहिक करवा चौथ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें आसपास की सुहागिन महिलायें उपस्थित होकर धार्मिक मान्यता अनुसार पूजा अर्चना करने आती है। हमारे द्वारा भी बीते कई वर्षों से इस मंदिर में आकर पूजा अर्चना की जा रही है।

पति की दीर्घायु की कामना के लिये व्रत किया जाता है- श्रीमती मंजू खोसला

श्रीमती मंजू खोसला ने बताया कि करवा चौथ का व्रत पति की दीर्घायु की कामना के लिये किया जाता है। यह व्रत सभी सुहागिन महिलाएं रखती है जो सुबह उठकर स्नान ध्यान करने के बाद पूजा अर्चना करती है। फिर सास के द्वारा सरगी दी जाती है जिसे करने के बाद व्रत प्रारंभ होता है ,यह निर्जला व्रत होता है जिसमें पानी नहीं पिया जाता है। महिलाएं १६ श्रृंगार करने के बाद शाम को पूजा अर्चना करती है। इसी कड़ी में हम सभी महिलायें रामदेव बाबा मंदिर में एकत्रित हुए हैं जहां पर हमारे द्वारा थाली सजाकर कथा वाचन और श्रवण करने के बाद पूजा अर्चना संपन्न की गई। जिसमें सभी महिलाओं के द्वारा अपने घरों में चंद्र देवता को अर्क देखकर अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत छोड़ा गया।

नगर के जय स्तंभ चौक पर पुलिस स्मृति दिवस का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के जयस्तंभ चौक पर २० अक्टूबर को पुलिस थाना वारासिवनी के तत्वाधान में पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक चौधरी ,थाना प्रभारी विभेन्दु व्यंकट टोडिया एवं पुलिस अधिकारी गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सभी लोग नगर के जयस्तंभ चौक पर एकत्रित हुए जहां पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिस अधिकारी कर्मचारी को याद किया गया। जहाँ जय स्तंभ चौक पर मोमबत्तियां प्रज्वलित कर लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने पधेश से चर्चा में बताया कि २१ अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। विशेषकर २१ अक्टूबर १९५९ को चीनी सेना के द्वारा घात लगाकर पुलिस के १० जवानों को शहीद कर दिया गया था। ऐसे में देशभक्ति जनसेवा को ध्यान में रखते हुए यह स्मृति दिवस मनाया जाता है। किसी कड़ी में गणमान्य नागरिक और पुलिस परिवार की उपस्थिति में शहीद पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

सर्पदंत से सुरेन्द्र बीमार उपचार जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकेंद्रा निवासी ३१ वर्षीय युवक २० अक्टूबर को सर्पदंत से बीमार हो गया। जिसमें बताया जा रहा है कि सुरेंद्र पंचेश्वर के साथ यह घटना घर में साफ सफाई करने के दौरान हुई है जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में घरों में साफ सफाई का दौरा प्रारंभ हो गया है कुछ दिनों में दीपावली पर्व आने वाला है। जिसको लेकर यह साफसफाई का कार्य लोगों के द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुरेन्द्र पिता पतिराम पंचेश्वर उम्र ३१ वर्षीय सिकेंद्रा निवासी के द्वारा भी अपने घर में साफ सफाई का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान अचानक सर्प के द्वारा उसे काट लिया गया जिसके बाद सुरेंद्र के द्वारा परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी गई। जिन्होंने तत्काल उसे शासकीय सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया जहां उसका उपचार जारी है। इस संबंध में घायल सुरेंद्र पंचेश्वर ने बताया कि दीपावली पर्व को लेकर घर में साफ सफाई की जा रही थी और पाटन के ऊपर से सामान मेरे द्वारा निकाला जा रहा था। इसके बाद लकड़ी की पेटी के नीचे देखा गया तभी एक सांप के द्वारा काट दिया मेरे द्वारा सर्प को देखा गया और उसके बाद परिवार को जानकारी दी गई।

नवदुर्गा उत्सव समिति ने किया लक्की ड्रा कूपन उपहार का वितरण

आरिफ शेख को हीरो एक्सट्रीम, राकेश कुमार को मिली हीरो डेस्टनी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सिविल क्लब मैदान में रविवार को नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में आयोजित लक्की ड्रा कूपन उपहार योजना के ईनाम वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें ड्रा में निकाले सौभाग्यशाली कूपन धारक भक्तों को ईनामो के साथ नृत्य दर्पण अकेडमी के सदस्यों एवं अतिथियों को पुरूस्कार वितरण किया गया। यह कार्यक्रम पत्रकार आनंद ताम्रकार , आनंद वर्मा,गणेश ठाकुर ,अशफा खान,अनिल लिल्हारे ,सुधीर शर्मा थाना प्रभारी विभेन्दु व्यंकट टोडिया के आतिथ्य, नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह की अध्यक्षता सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। बीते लम्बे समय से नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में सौभाग्यशाली लक्की ड्रा कूपन उपहार योजना चलाई जा रही है। जिसमें लक्की ड्रा कूपन के माध्यम से लाखों के उपहार समिति के द्वारा भाग्यशाली भक्त को प्रदान किया जाता है। इसी कडी इस वर्ष मातारानी स्थापना के सफलतम २१ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा लाखों के ईनाम लक्की कूपन के माध्यम से रखा गया। जिसका शरद पूर्णिमा के दिवस आयोजित इंडियन आइडियल के कलाकार साहिल सोलंकी ,सारेगामापा के फाईनलिस्ट फिल्मी गायिका ऐश्वर्या पंडित ,सुरभि कश्यप, अभिजीत के कार्यक्रम के बीच में कूपन ड्रा को पूर्णरूप से निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए बच्चों के कार्यक्रम के अतिथियों एवं आर्केष्ट्रा के कलाकारों के हस्ते ड्रा के स्तायगर थैलियों से निकलाये गये। जिसका २० अक्टुबर को पुरूस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ये रही ईनामी योजना

पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रथम ईनाम ५८१४४ के भाग्यशाली विजेता मोहम्मद आरिफ शेख कटंगी ,द्वितीय इनाम ४०३७७ के

भाग्यशाली विजेता राकेश कुमार खण्डवा, चतुर्थी इनाम ५०९०१ के भाग्यशाली विजेता विजय डहरवाल खड़गपुर, पांचवा इनाम ५२०१८ के भाग्यशाली विजेता दीनदयाल राउत चंदोरी को कार्यक्रम के अतिथियों के हस्ते प्रदान किया गया। पुरूस्कार वितरण में कूपन के अंतिम तीन अंक ९१८ नं.के कूपन धारकों को दर्जनों सांत्वना पुरूस्कार भी वितरण किया गया। इसमें समिति की ओर से अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह ने बताया कि जिन कूपन धारकों ने किसी कारण वश अपना पुरूस्कार प्राप्त नही किया है । वह अपने कूपन के साथ समिति के सदस्यों से सम्पर्क कर प्राप्त करें।

हमारा उद्देश्य भारतीय संस्कृति को बनाए रखना है-संजयसिंह कछवाहा

नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने कहा कि माता रानी के दरबार को भव्य बनाने का कार्य कोलकाता के कलाकारों ने शानदार स्वर्ग मंदिर बनाया जो चर्चा का विषय रहा। गरबा में कलाकारों के द्वारा बेहतर परफॉर्मेंस दी जाती रही और शरद पूर्णिमा को एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें ऐश्वर्या पंडित जो विषम परिस्थित में वारासिवनी पहुंची उसके बाद भी कार्यक्रम को शानदार रूप से आयोजित किया गया। आयोजको की यह महेनत का पता नही चलता है किंतु २ मिनट में लोग अपना ओपिनियन दे देते हैं हमारी समिति सद्भावना का प्रतीक है। हमने इस बार गरबा में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने का कार्य किया। पास के माध्यम से गरबा में लोगों को प्रवेश दिया गया भारतीय परिधान में प्रवेश कराया गया लड़कों को तिलक लगाया गया। हमारा उद्देश्य किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाना नहीं है प्रयास है संस्कृति बनाए रखना। क्योंकि गरबा मौज मस्ती का साधन नहीं होना चाहिए। बालाघाट में गरबा बंद करवा दिया गया बालाघाट से लोग वारासिवनी गरबा देखने आए तो उन्होंने कहा कि यहां शानदार गरबा होता है। कार्यक्रम सबके पसंद का रखना होता है पहले हम जागरण करते थे पर अब ९ दिन गरबा करवाते हैं एक दिन का समय मिलता है जिसमें भव्य कार्यक्रम देने का प्रयास होता है।

स्थानीय कलाकारों को भी आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे है

श्री कछवाहा ने कहा कि आसपास के १० जिलों में यदि वारासिवनी का डंका बजता है तो वह कार्यक्रम कौन करता है पूछते नहीं है वारासिवनी का नवरात्र की चर्चा होती है। पुराने समय में कस्तूरचंद वर्मा के समय नवरात्र देखने के लिए लोग वारासिवनी आते थे। आज हमारी ही समिति नहीं नगर के समस्त पंडाल चाहे सम्राट नगर हो ,गांधी चौक ,अनाज मंडी, भाजी मंडी सभी ने मेहनत की है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ही हमारे यहां काम कर रहा है मैगा बॉलीवुड नाइट के मंच पर हमारी बच्चियों ने बहुत अच्छी प्रस्तुति दी। बड़े बड़े कलाकारों के सामने दी वह भी तारीफ करते रहे। हमारे बाहर के कलाकार आ रहे हैं तो उसके साथ हम स्थानीय कलाकारों को भी आगे बढ़ने का कार्य करवा रहे हैं। हमने देखा अनुभव किया कि पूरे नवरात्र माता रानी का सदैव आशीर्वाद बना रहा । क्योंकि कई बार कार्यक्रम को लेकर व्यवस्था बिगड़ी हुई नजर आई परंतु समय रहते सभी व्यवस्था सुधरती चले गयी।

संत जयराम दास राइस मिल के सामने हुआ हादसा

सड़क हादसे में लाइनमेन घायल, हुआ रेफर

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। कटंगी से पाथरवाड़ा सड़क मार्ग पर संत जयराम दास राइस मिले के सामने रविवार की शाम करीब 06 बजे सड़क हादसा हुआ है. सड़क हादसे में बिजली विभाग का कर्मचारी लाइन मेन घायल हुआ है जिसे वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है. प्राप्त जानकारी अनुसार बिजली कर्मचारी कमलेश पटले निवासी ग्राम कटेरा हाल मुकाम वार्ड क्रमांक 05 कटंगी पाथरवाड़ा रोड की तरफ जा रहे थे. वहीं संत जयराम दास राइस मिल के धर्मकांटा से एक ट्रक अचानक से सड़क पर आ गया जिससे कमलेश पटले का दोपहिया वाहन टकरा गया. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया. वहीं राहगीरों ने सड़क हादसे की सूचना डॉयल 100 और संजीवनी 108 को दी लेकिन इन दोनों ही सेवाओं के घटना स्थल पर पहुंचने से पहले ही कटंगी विकास मंच के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर ने मानवता और जागरूकता का परिचय देते हुए घायल को अपने वाहन से सरकारी अस्पताल लाकर भर्ती करवाया. वहीं सड़क हादसे की सूचना मिलते ही कमलेश पटले के पड़ोस में रहने वाले तमाम लोग भी अस्पताल पहुंच गए। प्राप्त जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक एमपी 50 एच 0883 संत जयराम दास राइस मिल के धर्मकांटा में वजन कराने के बाद सड़क पर आ रहा था. जिसके चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार से ट्रक को पीछे

लिया. इस दौरान कमलेश पटले जो अपने दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी 28 एम 4778 से पाथरवाड़ा रोड की तरफ जा रहे. उनके दोपहिया वाहन से टकरा गया. हादसे में कमलेश पटले के सिर और आंख के ऊपरी हिस्से सहित नाक के पास चोट आई है. चिकित्सक ने सड़क हादसे में घायल की स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया है. सड़क हादसे की सूचना मिलने पर कटंगी से उपनिरीक्षक और आरक्षक अस्पताल पहुंचे थे लेकिन घायल कमलेश से उनकी कोई बातचीत नहीं हो पाई यानी वह घायल का बयान दर्ज नहीं कर पाए है।

महिला की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम सावरगांव में एक महिला के साथ उसी के रिश्तेदारों ने पारिवारिक विवाद के दौरान एक राय होकर गाली-गलौज देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है ऐसी शिकायत महिला ने थाने में दर्ज करवाई है. महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. घटना शनिवार की शाम करीब साढ़े 07 बजे की है. महिला ने घटना के बाद रात्रि करीब साढ़े 09 बजे थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई. हाल मुकाम रामजी टोला पीड़ित महिला के पति ने जानकारी देते हुए बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते उनके पत्नी के साथ धूरन नगपुरे और विनय नगपुरे दोनों निवासी सावरगांव ने गंदी-गंदी गाली गलौज देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है. पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 115 (2), 351 (2), 3 (5) की कार्रवाई की है।

खैरलांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावों के महज कुछ हफ्तों बाद, नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस एवं संबंधित क्षेत्रीय पार्टियों के दम-खम की आजमाइश होगी। विभिन्न राज्यों में तीन लोकसभा सीटों और 48 विधानसभा क्षेत्रों में उप-चुनावों का भी एलान किया गया है। सन् 2019 के चुनाव के बाद से महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) विभाजित हो चुकी हैं, जिनका एक धड़ा भाजपा के साथ और दूसरा कांग्रेस के साथ गठबंधन में है। भाजपा की भागीदारी वाले सत्तारूढ़ 'महायुति' को 2024 के आम चुनाव में 48 में से 17 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस, शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट और राकांपा के शरद पवार गुट की भागीदारी वाले महा विकास अघाड़ी ने 29 सीटें हासिल की थीं। उसके बाद से, सत्तारूढ़ गठबंधन ने अपनी राजनीतिक जमीन के विस्तार के लिए कई कदम उठाये हैं। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ घंटों पहले निवर्तमान एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा लिये गये ताजा निर्णय के बाद, हल्के मोटर वाहनों को टोल से पूरी छूट का एलान किया गया। हरियाणा चुनाव के नतीजों से संयमित हुई कांग्रेस ने महाराष्ट्र में अपना स्वर थोड़ा मद्धिम किया है। उसने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार अभियान की निगरानी के लिए वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया है। महाराष्ट्र और झारखंड में, भाजपा अपनी रणनीति काफी पहले ही बना चुकी है, जिसकी निगरानी अपनी बात मनवाने की क्षमता रखने वाले वरिष्ठ लोग कर रहे हैं।

झारखंड में झामुमो-नीत गठबंधन (कांग्रेस जिसका हिस्सा है), और महायुति अगला कार्यकाल पाने के लिए महिला मतदाताओं पर दांव लगा रहे हैं। दोनों सरकारें महिलाओं के लिए नकद लाभ योजनाएं लेकर आयी हैं। झारखंड में, भाजपा का अभियान राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और जनसांख्यिकीय बदलावों (जिसके लिए पार्टी बांग्लादेश से लोगों के कथित प्रवेश को जिम्मेदार बताती है) पर केंद्रित है। सोरेन का आरोप है कि भाजपा उन्हें फंसाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। वह आदिवासियों को एकजुट करने पर भरोसा कर रहे हैं, लेकिन सिर्फ यही काफी नहीं है। राज्य की लगभग तीन-चौथाई आबादी गैर-आदिवासी है, और भाजपा का फोकस हिंदुओं को आपस में एकजुट करने पर है। आदिवासी आबादी सिमट रही है, लेकिन इसे बांग्लादेश से जोड़ना, जबकि अंतर-राज्य प्रवासन के मुद्दे की अनदेखी करना, भाजपा की जानी-पहचानी चाल है। अन्य पिछड़ा वर्गों को एकजुट करने की रणनीति ने हरियाणा में भाजपा के पक्ष में काम किया, और वह इसे झारखंड और महाराष्ट्र में भी अपनाना चाह रही है। कांग्रेस और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए जोखिम यह है कि वे महाराष्ट्र में मराठों और झारखंड में आदिवासियों पर अति-निर्भर हैं।

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली-मोहल्ले में, शहर-शहर में, गांव-गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बर्बादी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं।

बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन मौसम प्रबंधन तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी।

नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये।

-ललित गर्ग

धार्मिक असहिष्णुता : एकता के ताने-बाने में दरार

धार्मिक असहिष्णुता समाज की एक पुरानी और जटिल समस्या है, जिसने विभिन्न रूपों में मानवता के सामने चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन समाजों में अधिक उभरकर आती है, जहाँ विविध संस्कृतियों, धर्मों और आस्थाओं के लोग एक साथ रहते हैं। भारत जैसे देश, जहाँ विविधता को गर्व और पहचान के रूप में देखा जाता है, वहाँ धार्मिक असहिष्णुता एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यह समस्या न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर भी गहरा आघात करती है।

धार्मिक असहिष्णुता का तात्पर्य है किसी व्यक्ति या समूह के धार्मिक विश्वासों, आस्थाओं और रीति-रिवाजों के प्रति अस्वीकार्यता या विरोध। यह विरोध विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जैसे कि भेदभाव, हिंसा, नफ़रत फैलाने वाली भाषा, और अन्य प्रकार के सांस्कृतिक आघात। जब कोई समाज धार्मिक असहिष्णुता का शिकार होता है, तो उसमें सह-अस्तित्व और समन्वय की भावना कमज़ोर हो जाती है। परिणामस्वरूप, समाज में ध्रुवीकरण की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसमें लोग अपने धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर विभाजित हो जाते हैं।धार्मिक असहिष्णुता का इतिहास बहुत पुराना है। चाहे वह मध्यकालीन युग के धार्मिक संघर्ष हों या फिर आधुनिक युग में होने वाली धार्मिक हिंसा, असहिष्णुता ने हमेशा ही समाजों में विभाजन पैदा किया है। प्राचीन काल में विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के बीच संघर्ष की घटनाएँ इतिहास के पन्नों में भरी पड़ी हैं। भारत में भी धार्मिक असहिष्णुता का प्रभाव कई बार देखा गया है, विशेषकर मुगल काल और ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान। ब्रिटिश काल के दौरान %फूट डालो और राज करो% की नीति ने भारतीय समाज में धार्मिक आधार पर विभाजन को और भी गहरा कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी, कुछ राजनीतिक और सांस्कृतिक ताकतों ने इस विभाजन को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया, जिससे धार्मिक असहिष्णुता एक बार फिर से उभरकर सामने आई। वर्तमान समय में, जब समाज और तकनीकी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, धार्मिक असहिष्णुता का उभरना बेहद चिंताजनक है।धार्मिक असहिष्णुता के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मुख्यतः सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कारण शामिल हैं। धार्मिक असहिष्णुता का एक प्रमुख कारण अज्ञानता और पूर्वाग्रह होता है। जब लोग किसी अन्य धर्म या आस्था के बारे में पूरी जानकारी नहीं रखते, तो वे उसे गलत दृष्टिकोण से देखते हैं। यह गलतफहमी और नकारात्मक धारणाएँ असहिष्णुता को जन्म देती हैं। कई बार राजनीतिक दल या नेता अपने स्वार्थों के लिए धार्मिक विभाजन को बढ़ावा देते हैं। धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग करना असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। यह समाज को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत करता है, जिससे शांति और सद्भाव की स्थिति नष्ट होती है।धार्मिक कट्टरता या उग्रवाद भी असहिष्णुता का एक महत्वपूर्ण कारण है। जब लोग अपने धर्म को सर्वोच्च मानते हुए दूसरों के धर्म या आस्थाओं को नीचा समझते हैं, तो यह असहिष्णुता का रूप धारण कर लेता है। कट्टरता के कारण समाज में संघर्ष और विभाजन बढ़ता है। समाज में आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक असमानता भी धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा देती है। जब किसी विशेष समुदाय को अन्य समुदायों की तुलना में अधिक सुविधाएँ या सम्मान मिलता है, तो अन्य समुदायों में असंतोष पैदा होता है। यह असंतोष धार्मिक असहिष्णुता के रूप में सामने आ सकता है।धार्मिक असहिष्णुता के परिणाम बेहद विनाशकारी हो सकते हैं। यह समस्या केवल समाज के धार्मिक या सांस्कृतिक ढांचे को ही नुकसान नहीं पहुँचाती, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम पूरे राष्ट्र के विकास और प्रगति पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। धार्मिक असहिष्णुता समाज में विभाजन पैदा करती है। लोग अपनी धार्मिक पहचान के आधार पर एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं, जिससे सामुदायिक संबंध कमजोर पड़ते हैं। सह-अस्तित्व और सामंजस्य की भावना समाप्त हो जाती है, और समाज में अलगाववाद की स्थिति बन जाती है।धार्मिक असहिष्णुता का एक और गंभीर परिणाम हिंसा और संघर्ष के रूप में सामने आता है। जब धार्मिक समुदाय एक-दूसरे के प्रति असहिष्णु हो जाते हैं, तो हिंसा की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। यह हिंसा न केवल समाज में अस्थिरता लाती है, बल्कि मानवता के मूल्यों को भी ठेस पहुँचाती है। धार्मिक असहिष्णुता राष्ट्रीय एकता के लिए भी एक गंभीर खतरा है। जब समाज धार्मिक आधार पर विभाजित होता है, तो यह राष्ट्र की अखंडता और विकास में बाधा बनता है। एकता और समानता की भावना कमजोर पड़ जाती है, जिससे देश की प्रगति में अवरोध उत्पन्न होता है। धार्मिक असहिष्णुता के कारण होने वाली हिंसा और अस्थिरता से देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। व्यापार, उद्योग और पर्यटन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे आर्थिक विकास की गति धीमी हो जाती है।धार्मिक असहिष्णुता जैसी समस्या से निपटने के लिए समाज के हर स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है। इसमें शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, कानून और राजनीतिक इच्छाशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धार्मिक असहिष्णुता को कम करने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन है। स्कूलों और कॉलेजों में धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता के मूल्यों को सिखाना चाहिए। लोगों को विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के बारे में जानकारी देकर उनके बीच संवाद और समझ विकसित की जा सकती है।धार्मिक असहिष्णुता और हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानूनों की आवश्यकता है। जिन लोगों या समूहों द्वारा धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा दिया जाता है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि ऐसे तत्वों को हतोत्साहित किया जा सके। धार्मिक असहिष्णुता को नियंत्रित करने के लिए राजनीतिक नेताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे धार्मिक मुद्दों का राजनीतिकरण न करें। इसके बजाय, उन्हें समाज में शांति और सद्भाव स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहिए।विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इस तरह के संवाद से आपसी गलतफहमियाँ दूर होंगी और सह-अस्तित्व की भावना को बल मिलेगा। धार्मिक असहिष्णुता एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो हमारे समाज के ताने-बाने में दरार डाल रही है। इसे समाप्त करने के लिए हमें शिक्षा, जागरूकता, कानून और राजनीतिक इच्छाशक्ति को एक साथ लाना होगा। विविधता में एकता की हमारी विरासत को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि हम सभी धर्मों और आस्थाओं का सम्मान करें और सहिष्णुता के मूल्यों को अपनाएँ।

-हरीश नाग चांगोटोला

देश को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकते कुंठाग्रस्त लोगों के विमर्श

भारतीय मीडिया विशेषकर इलेक्ट्रानिक मीडिया इन दिनों जितने निम्नस्तर पर जाकर अपने दर्शकों को उकसा और वरग्ला कर उनमें धार्मिक उन्माद व नफ़रत पैदा कर रहा है वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। ऐसा लगता है कि पिछले दस वर्षों से मीडिया को देश में नफ़रत फैलाने और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की खुली छूट मिली हुई है। झूठी खबरें प्रसारित करना,टी वी एंकर्स द्वारा झूठे ट्वीट करना फिर अपने उसी ट्वीट को डिलीट कर देना,अपनी विचारधारा से मेल न खाने वाले टी वी वार्ता के पैनल्स के सदस्यों को अपमानित करना,उनके साथ गली गलोच करना और यदि वह मुसलमान है तो उसे सीधे तौर पर मुल्ले ,कटुवे या आतंकवादी,पाकिस्तानी,जिहादी आदि कुछ भी कहकर संबोधित करना बिल्कुल आम बात होती जा रही है। नफ़रती संस्कारों में परवरिश पाने वाले यह लोग अपने अपनी उम्र व अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि देखे बिना कभी किसी उच्चाधिकारी को अपमानित कर बैठते हैं तो कभी भारत के मुख्य न्यायाधीश तक के प्रति ऐसे अपशब्द अपने मुंह से निकालते हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच में महराजगंज क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान साम्प्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल सैकड़ों लोग मुस्लिम बाहुल्य इलाक़े से डी जे पर तेज़ आवाज़ में कुछ आपत्तिजनक गाने बजाते हुये गुज़र रहे थे। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने जुलूसों में डी जे के प्रयोग पर पाबन्दी लगा रखी है। उसके बावजूद डी जे पर तेज़ आवाज़ में धर्म विशेष को अपमानित करने वाले गाने बजाये जा रहे थे। खबर है कि मुसलमानों की तरफ़ से कुछ लोगों ने डी जे बंद करवाने के लिये कहा परन्तु भीड़ ने डी जे तो बंद नहीं किया परन्तु उग्र ज़रूर हो गयी। इसके बाद मुसलमानों के घरों को निशाना बनाते हुये तोड़फोड़ व आगज़नी शुरू होगयी। इसी बीच राम गोपाल मिश्रा नामक एक ग़रीब नव विवाहित युवक जो भंडारों में लंगर बनाने का काम करता है वह आवेश में एक मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ गया। उसने छत पर इस्लामी प्रतीक के रूप में लगे झंडे को गिराने की कोशिश की जिससे झंडे के साथ ही छत की रेलिंग भी टूट गई। इसके बाद आक्रोशित मुसलमानों की तरफ़ से गोलीबारी हुई जिसमें राम गोपाल मिश्रा की गोलियां लगने से मौत हो गयी।

डी जे पर तेज़ आवाज़ में आपत्तिजनक गाने बजना, राम गोपाल मिश्रा का आवेश में आकर किसी मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ना, इस्लामी प्रतीक झंडे को गिराना,हिंसा के लिये भीड़ को उकसाना आदि सब कुछ ग़ैर क़ानूनी तो ज़रूर है,परन्तु इनका जवाब गोलीबारी करना या किसी की हत्या कर देना हरगिज़ नहीं। यह हत्या भी उतनी ही निंदनीय है जितना कि भीड़ द्वारा धर्म विशेष के लोगों को हिंसा के लिये उकसाया जाना। परन्तु बहराइच की इस हिंसा के बाद जो नफ़रत पूर्ण भूमिका टी वी चैनल्स व इन के नफ़रती ऐंकर्स यहाँ तक कि इस विषय पर आयोजित परिचर्चा में भाग लेने वाले पक्षपाती पैनल्स द्वारा अदा की गयी उसे देखकर साफ़ अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि स्वयं को मुख्य धारा का मीडिया बताने वाला यह नेटवर्क दरअसल देश में अमन शांति व सद्भाव का पैरोकार नहीं बल्कि देश को नफ़रत व हिंसा की आग में झोंकने के लिये दिन रात एक किये हुए है। सबसे बड़ा नफ़रती खेल इस ग़ैर ज़िम्मेदार मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा राम गोपाल मिश्रा की मौत के बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर खेला गया जिससे कि जलती आग में और घी डाला जा सके और दंगों को पूरे प्रदेश व देश में फैलाया जा सके। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि राम गोपाल के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। परन्तु मीडिया चीखता चिल्लाता रहा कि मृतक राम गोपाल पर तलवारों से हमला किया गया,उसके नाखून खींचे गये,उसे करंट लगाया गया उसकी लाश के साथ बर्बरता की गयी, आदि।

ज़ाहिर है उत्तेजना पूर्ण माहौल में इसतरह की अफ़वाह भरी ख़बरें जलती आग में घी डालने का ही काम करेंगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नफ़रती व्यवसाय में लगे कई पत्रकार सी एम ओ व पोस्टमार्टम करने वाले अन्य डॉक्टर्स से भी मिले तथा उनके मुंह से यह कहलवाने की कोशिश की कि क्या पैरों के नाखून खींचे गये ? क्या मृतक शरीर के साथ बर्बरता की गई ? परन्तु कोई भी डॉक्टर इन नफ़रती रिपोर्टर्स के झांसे में नहीं आया। और सब ने एक ही बात कही कि मृतक के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। आखिरकार इन अफ़वाहों के बाद बहराइच पुलिस को स्वयं सामने आना पड़ा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की सच्चाई को अपने एक्स हैंडल से जारी करते हुये अफ़वाहों से दूर रहने व भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करने की अपील करनी पड़ी।

एक टी वी चैनल पर इसी विषय पर आधारित एक परिचर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व ए डी जी पी विभूति नारायण राय जब अपने जीवन के लगभग चार दशक के आई पी एस के रूप में अपनी सेवा के अनुभव के अनुसार अपनी बात कह रहे थे उसी समय भाजपा का एक प्रवक्ता साफ़ तौर पर यह कहता सुनाई दिया कि मैं धर्मनिरपेक्ष नहीं हूँ बल्कि मैं केवल हिन्दू हूँ। उसके बाद उसने विभूति नारायण राय के प्रति भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया जबकि वह प्रवक्ता शायद उम्र के मामले में राय साहब की उम्र से आधा भी नहीं होगा। स्वयं को सुप्रीम कोर्ट का वकील बताने वाला परिचर्चा का वही प्रतिभागी एक मुस्लिम राजनैतिक विश्लेषक को सरेआम मुल्ले,आतंकवादी कहकर व गंदी गालियां देकर बुला रहा था। अफ़वाह,साम्प्रदायिक तनाव व सनसनी फैलाने की गोया इन एंकर्स व प्रवक्ताओं को पूरी ट्रेनिंग हासिल है।वैसे भी कई राजनैतिक विश्लेषकों का मत है कि चूंकि उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं इसीलिये साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के लिये ही कुंठाग्रस्त लोग अपने कटु विमर्श के द्वारा देश की फ़िज़ा ख़राब करने में जुटे हुये हैं।

- तनवीर जाफ़री

अब अपनी बंद नहीं, खुली आंखों से देखेगी इंसाफ की देवी

देश के मुख्य न्याय मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने न्याय के क्षेत्र में एक अनोखी पहल की जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा की आंखों से पट्टी हटा कर उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब थमा दी गई है जबकि पहले इस प्रतिमा के एक हाथ में तराजू तो दूसरे हाथ में तलवार थी और आंखों में पट्टी बंधी हुई थी ये यह अनोखा परिवर्तन बहुत लंबे वक्त के बाद किया गया है जो अपने आप में कानून की देवी की एक अलग व्याख्या करता है।

कानून अंधा होता है इसका तात्पर्य यह था कि उसकी निगाह में अमीर, गरीब, बलवान, कमजोर, पीड़ित और अत्याचारी सब एक जैसे हैं क्योंकि जब वह अपनी आंखों में पट्टी बांधे हुए थी तो उसके सामने यह सच नहीं आता था कि उसके सामने न्याय की मांग करने वाला कौन है इसलिए वो इनमें भेदभाव ना करते हुए न्याय प्रदान करती थी। कानून अंधा होता है ये ना केवल एक कहावत बन गई थी बल्कि इस पर फिल्में भी बनी है इसके साथ-साथ इस न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू थी जो इस बात को प्रतिबिंबित करती थी कि उसके तराजू में कोई पासंग नहीं है वह वह दोनों पक्षों को बराबरी से सुनती है और फिर अपनी तराजू पर उसको तौल कर पर न्याय का प्रदर्शन करती है दूसरे हाथ में तलवार शक्ति का भी प्रदर्शन करती थी। तलवार वीरों का हथियार आदिकाल से हिंदू संस्कृति का एक अंग रहा है इस तलवार का अर्थ यह भी था कि न्यायालय जो भी निर्णय देता है उसका सम्मान संबंधित लोगों को करना चाहिए और ऐसा नहीं होता है तो वह तलवार की धार जैसा नुकीला निर्णय भी दे सकता है। अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही इस परिपाटी को बदलने का ना तो किसी ने सोचा था और ना ही इस पर किसी ने कोई पहल की थी लेकिन अपने कठोर निर्णयों के लिए मशहूर देश के मुख्य न्यायाधीश मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने जो पहल की है उसने न्याय, और न्याय करने वालों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। इस नई पहल के तहत इंसाफ की देवी की आंखों से पट्टी इसलिए हटा दी गई है कि वह अपनी खुली आंखों से सब कुछ देख सके, किसी अंधे की तरह टटोलकर किसी चीज का निर्णय न कर सके, अपनी जीवंत आंखों के माध्यम से हर मुकदमे को देखे समझे और फिर उस पर अपना निर्णय दें। आंखों पर से पट्टी हटाने के पीछे शायद यह कारण भी उनके दिलों दिमाग में रहा होगा कि कानून अगर अंधा माना जाएगा तो उसके निर्णय पर भी उंगली उठाई जा सकती है। इंसाफ की देवी के हाथ से तलवार हटाकर उनके हाथ में संविधान देना इस बात को भी रेखांकित करेगा कि कानून संविधान से बंधा हुआ है जो संविधान भारत के लिए लिखा गया है उसी के तहत कानून अपना काम करेगा। किसी भी देश का संविधान उस देश की आत्मा होता है भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संविधान हर नागरिक, को हर संस्था को अलग-अलग अधिकार देता है जो एक सफल लोकतांत्रिक देश के लिए आवश्यक होता है। तलवार की बजाय न्याय की देवी के हाथ में संविधान देना इसी लोकतांत्रिक परिपाटी का एक सबसे सफल और सुखद अध्याय माना जाएगा । पिछले दिनों बहुत से ऐसे कानूनों में परिवर्तन किया गया जो अंग्रेजों के जमाने के थे उन्हें एक नई परिभाषा दी गई, धाराओं में बदलाव किया गया जो कहीं ना कहीं कानून को सरल और आम आदमी के लिए बेहतर न्याय के लिए उठाया गया कदम था अब देश के मुख्य न्यायमूर्ति ने न्याय की देवी को

एक अलग प्रतिमूर्ति के रूप में दर्शाने की कोशिश की है वह निसंदेह भारत की कानून व्यवस्था, उसके प्रति सोच लोगों को मिलने वाले न्याय के प्रति एक सुखद दृष्टिकोण साबित होगा ।

-निखिल भट्ट

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा -

इन्दौर। माँग की मजबूती से आलौच्य सप्ताह के दौरान दलहनों में मसूर बाजार तेजी के रहे। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोयाबीन सूखे मालों में 4500-4600 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। किराना जिंसों में नारियल जोरदार तेजी पर रहे।

किराना - शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। यद्यपि चुनिंदा जिंसों में दीपावली पूर्व की माँग देखी गयी। शक्कर में माँग है। त्यौहारी लेवाली से शक्कर बाजार 3925-3940 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये। खोपरा गोला पूछपरख से सुधार पर रहा। खोपरे बुरे में लेवाली से ऊँचाइयाँ रही। सौंफ व जीरे में दिसावर तरफ की लेवाली से भावों में सुधार बना हुआ है। सूखे मेवों में लेवाली से बादाम, काजू व तरबूज मगज में अच्छा सुधार देखा गया। बादाम मगज में बाजार 680-700 रू. प्रति किलो पर मजबूत देखे गये। केसर 190-225 रू. प्रति ग्राम पर बनी रही। नारियलों में आवकें सुस्त रहने का असर है। माँग खड़ी है, जिसके चलते भावों में तेजी बनी हुई है। आलौच्य सप्ताह के दौरान नारियल 120 भरती मालों मं बाजार 2650-2700 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन - समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार अच्छा रहा। सींगदाना तेल इन्दौर लाइन पर 1480-1500 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत नज़र आये। वहीं, सोया व कपास्या तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो की तेजी देखी गयी। सोया तेलों में रिफाइंड माल 1230-1235 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत रहे। कपास्या तेलों में बाजार 1210 रू. प्रति 10 किलो पर देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन की आवक मिश्रित है। कुछ माल नरमी लिए हुए आ रहा है, वहीं सूखे मालों में प्लांटों की खरीद अच्छी है। सोया व रायडे में बाजार बने रहे।

दाल दलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में बाजार 7425-7450 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। वहीं मसूर में 150 रू. प्रति क्विंटल तक की तेजी रही। मसूर बढ़िया मालों में 6300 रू. प्रति क्विंटल बोली गयी। उड़द व मूंग में भाव सामान्य ही रहे। तुअर दाल में नये मालों की आवकों में समय है। साबूत मालों में छुटपुट माँग है। तुअर साबूत मालों में 8500-9200 रू. प्रति क्विंटल पर रही।

यूको बैंक का मुनाफा 50 फीसदी बढ़कर 603 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में 50 प्रतिशत बढ़कर 603 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 402 करोड़ रुपये था। ब्याज आय में बढ़ोतरी के कारण यह मुनाफा देखने को मिला है। यूको बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि उसकी कुल आमदनी 7,071 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,866 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 6,078 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5,219 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में भी 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जो बढ़कर 2,301 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 1,917 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन भी सुधारकर 3.10 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो बीते वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.84 प्रतिशत था।

वेदांता राजस्थान में करेगी 1 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। वेदांता ने कहा कि वह राजस्थान में अलग-अलग कारोबारों में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश करेगी। इनमें जिंक, तेल और गैस जैसे क्षेत्रों में निवेश शामिल है। वेदांत ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करके अपनी जिंक उत्पादन क्षमता को 1.2 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर एमटीपीए करेगी। इसके साथ ही सिल्वर उत्पादन को 800 टन से बढ़ाकर 2,000 टन किया जाएगा और एक 1 एमटीपीए क्षमता वाला फर्टिलाइज़र प्लांट भी लगाया जाएगा। वेदांत लिमिटेड की सहायक कंपनी केयर्न ऑयल एंड गैस 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी ताकि उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 3 लाख बैरल प्रतिदिन किया जा सके। इसके अलावा वेदांत समूह की एक और इकाई सेरेंटिका रिन्यूएबल्स 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 10,000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता का विकास किया जाएगा। यह निवेश ऊर्जा ट्रांजिशन में मदद करेगा और पर्यावरण के नियमों का पालन करते हुए हरित निर्माण को बढ़ावा देगा। वेदांत ने उदयपुर क्षेत्र में एक औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है, जहां छोटे और मझोले उद्योगों को 5 करोड़ रुपये से निवेश शुरू किया जा सकेगा। यह पार्क नॉन-प्रॉफिट के आधार पर चलाया जाएगा। इस निवेश से 2 लाख से अधिक नौकरियां पैदा होंगी, 500 से ज्यादा डाउनस्ट्रीम उद्योगों का विकास होगा और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। राजस्थान कुछ ऐसे चुनिंदा राज्यों में से है, जहां हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ जिंक, सीसा, चांदी, सोना, तांबा, पोटाश, रॉक फॉस्फेट, संगमरमर और अन्य बेहतरीन क्वालिटी के खनिज बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं।

एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। आईपीओ बाजार के लिए साल 2024 खासा शानदार साबित हुआ है और एक के बाद एक कई बड़ी कंपनियों ने अपने इश्यू पेश किए हैं। हाल ही में ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ने एलआईसी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च किया था, जो 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा आकार का था। अब देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एचडीएफसी की सब्सिडियरी कंपनी एचडीबी फायनेंशियल सर्विसेज अपना इश्यू पेश करने के लिए तैयार है और इसकी जानकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। आईपीओ निवेशकों को जल्द ही निवेश के लिए एक और बड़ा मौका मिलने वाला है। दरअसल एचडीएफसी बैंक की सब्सिडियरी फर्म के आईपीओ का रास्ता साफ हो गया है। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में शेयर की गई जानकारी के मुताबिक एचडीबी आईपीओ का फुल साइज 12,500 करोड़ रुपये हो सकता है। इसमें 10000 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जाएगी, जबकि कंपनी 2500 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी।

आज का राशिफल

मेष - राशि के जातकों के लिए कल का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. व्यवसाय में आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठाना होगा. आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी. आपको अपने भाई बहनों से कोई मन की बात शेयर कर सकते हैं. आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते है।

वृषभ - राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिलाजुला रहने वाला है. आप अपने सहयोगियों से कोई बात कर सकते हैं. आपको चुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा. आपके मन में कुछ उलझने रहने के कारण आप परेशान रहेंगे. जीवन साथी व बच्चों के साथ आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं. आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

मिथुन - राशि के जातकों के लिए कल का दिन तरक्की के नए-नए रास्ते खोलेंगा. आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा. कुछ समय आप छोटे बच्चों के साथ मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है. यदि बिजनेस में आप कोई बड़ा परिवर्तन करना चाहते हैं, तो उसके लिए भी दिन अच्छा रहेगाहै।

कर्क - राशि के जातकों के लिए कल का दिन मान सम्मान में व्यक्ति लेकर आने वाला है. जीवनसाथी से कुछ मतभेद होने की संभावना है. कल का परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर कोई भी लड़ाई झगड़ा हो, तो उसमे पिताजी की सलाह से आपको फायदा हो सकता है. आपको किसी विशेष काम को लेकर यात्रा पर जाना पड़ सकता है. संतान की तरक्की में आ रही बढ़ाएं दूर होगी।

सिंह - राशि के जातकों को कल के दिन थोड़ा सावधान व सतर्क रहने की आवश्यकता है. आपकी कोई सेहत संबंधित समस्या भी उभर सकती है और आपको किसी काम को लेकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है. वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा. परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है. आपकी माताजी से कुछ खटपट होने की संभावना है।

कन्या - राशि के जातकों को शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें. आप कोई डिसीजन जल्दबाजी में ना लें. आपको किसी काम को लेकर पार्टनरशिप करने से आपको नुकसान हो सकता है. विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बौझ से छुटकारा मिलेगा. संतान की फरमाइश पर आप किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं. आपके कोई अटका हुआ काम पूरा होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

तुला - राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको किसी वाद विवाद से दूर रहने की आवश्यकता है. आप अपने मन में अच्छे विचारों को रखें. वाणी व व्यवहार पर संयम रखना होगा. कोई बड़ा लेनदेन यदि लंबे समय से अटका हुआ था, वह पूरा हो सकता है. आपको किसी काम के चलते अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है. जो आपके लिए लाभदायक रहेगी. आपको किसी प्रोपर्टी पंप खंभ खहसंबंधित मामले में जीत मिलेगी।

वृश्चिक - राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको किसी अपरिचित का भरोसा करने से बचना होगा. आपको अपने जरूरी कामो पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है. जीवन साथी से आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है. आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, तो लोग इसे आपका स्वागत समझ सकते हैं. घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी. यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो आपको उसे वापस करना पड़ सकता है।

धनु - राशि के जातकों के लिए कल का दिन ऊर्जावान रहने वाला है. आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाये, तो आपके लिए बेहतर रहेगा. आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा. यदि आपसे कोई गलती हुई थी, तो आपको उसके लिए अपने बॉस से माफी मांगनी पड़ सकती है. आप किसी की कही सुनी बातों में ना आए, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं।

मकर - राशि के जातकों के लिए कल का दिन अच्छा रहने वाला है. आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं. आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. परिवार में किसी सदस्य से कोई लड़ाई झगड़ा होने की संभावना है, जिसमें आपको वाणी की सौम्यता बनाए रखना होगा. आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है. माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

कुंभ - राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिला जुला रहने वाला है. आपको किसी काम को लेकर समस्या हो सकती है, इसलिए आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए अच्छा रहेगा. किसी सरकारी योजना का आपको पूरा लाभ मिलेगा. परिवार के लोगों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा. आपके कार्य क्षेत्र में कोई गलती करने से बचाना होगा।

मीन - राशि के जातकों के लिए कल का दिन अच्छा रहने वाला है. आप अपने किसी काम में कामयाब रहेंगे. पिताजी का आपको बुरा सपोर्ट रहेगा. जो विद्यार्थी पढ़ाई में कमजोर है, उन्हें मेहनत की अधिकता आवश्यकता है, तभी उन्हें सफलता मिलती दिख रही है. आपको अपने किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा. तरक्की की राह में आ रही बढ़ाएं दूर होंगी।

शब्दजाल - 7696

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	में	ल	र	छ	पु	रा	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तु	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार.

शब्दजाल - 7695 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.42 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	08.01 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.17 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.22 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.08 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	15.41 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.12 बजे से
राहु	मीन में	वृष	18.52 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	20.50 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कर्क	23.03 बजे से
		सिंह	01.20 बजे से
		कन्या	03.31 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 295 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 06.51 बजे तदनन्तर मृगशीर्ष 05.51 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वरीयान 11.11 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.18 बजे तदनन्तर तैतिल 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 10° 48’ **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872139 **जूलियन दिन** 2460604.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: एक ही लक्ष्य

एक व्यक्ति ने एक साधु से पूछा, ‘क्या मोक्ष-प्राप्ति के लिए घर छोड़ना आवश्यक है?’ साधु ने कहा, ‘बिल्कुल आवश्यक नहीं है। घर छोड़ना यदि आवश्यक होता तो जनक गृहस्थ रहते हुए भी विदेह कैसे हो जाते?’ कुछ दिनों के बाद दूसरे व्यक्ति ने उस साधु से यही प्रश्न किया। साधु ने उत्तर दिया, ‘मोक्ष के लिए घर-द्वार छोड़ना अत्यंत आवश्यक है। यदि घर का परित्याग किए बिना ही मोक्ष मिल जाता तो सुखदेव जैसे संन्यासी यहां कैसे पैदा होते? जैनों में, बौद्धों में, वैदिकों में जो हजारों-हजार संन्यासी बने हैं, मुनि बने हैं, भिक्षु बने हैं, वे क्यों भटकते जंगलों में? क्यों अनगिनत कष्ट सहते?’ एक बार संयोगवश दोनों व्यक्ति कहीं मिल गए। पहले ने कहा, ‘महाराज ने कहा है कि मोक्ष पाने के लिए घर छोड़ना जरूरी नहीं है।’ दूसरे ने कहा, ‘तुम झूठ बोल रहे हो। मैंने भी पूछा था उनसे। उन्होंने कहा था कि मोक्ष पाने के लिए घर छोड़ना बहुत जरूरी है।’ दोनों में विवाद हो गया। दोनों अपनी-अपनी बातों पर अड़े थे। उन्हें कोई समाधान नहीं मिल रहा था। दोनों उसी साधु के पास आए। बोले, ‘महाराज! आपने हमें लड़ा दिया। प्रश्न एक था पर आपने उसके दो उत्तर दिए, वे भी एक-दूसरे से उलटे।’ साधु मुस्कराया फिर उसने पहले व्यक्ति से कहा, ‘देखो, तुम्हारी मनोवृत्ति घर छोड़ने की नहीं थी। तुम घर छोड़कर साधना नहीं करना चाहते थे। इसलिए मैंने कहा कि मोक्ष प्राप्ति के लिए घर छोड़ना जरूरी नहीं है। तुम घर में रहकर भी साधना कर सकते हो।’ फिर साधु ने दूसरे व्यक्ति से कहा, ‘तुम मानसिक तौर पर घर छोड़ने के लिए तैयार हो गए थे, इसलिए मैंने कहा था कि मोक्ष प्राप्ति के लिए घर छोड़ना आवश्यक है। जिसकी जैसी मनोदशा थी, उससे मैंने वही कहा। इसमें कठिनाई ही क्या है। लक्ष्य दोनों का एक ही है- मोक्ष प्राप्ति। दोनों अपने-अपने मार्ग से इसे पा सकते हो।’

फिल्म वर्ग पहेली- 6640

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की ‘मखमली ये बदन’ गीतवाली फिल्म-२
२. ‘मैं शायर तो नहीं’ गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. ‘बंदा ये बिंदास हैं’ गीतवाली फिल्म-२
७. ‘मेहंदी’ में रानी का नायक?-३
८. ‘तुझे देने को मेरे पास’ गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. ‘विल यू मैरी मी’ गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. ‘याइला रे लड़की’ गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. ‘हरे रामा हरे कृष्णा’ से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. ‘हुई आँख नम’ गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म ‘हमराज’ की नायिका-२
२१. ‘ये रात ये बरसात’ गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. ‘मैं तुझसे मिलने’ गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. ‘दिल हूम हूम करे’ गीत वाली फिल्म-३
२६. ‘समंदर’ में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. ‘चल प्रेमनगर जायेगा’ गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. ‘ये जो हल्का हल्का सुरूर है’ गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ‘नाच मेरी बुलबुल’ गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की ‘ऐ देखो इधर’ गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई’ गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की ‘मुझे तेरे जैसी’ गीत वाली फिल्म-२
५. ‘यार बदल ना जाना’ गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम ‘तेरा चेहरा’ का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. ‘जोगी मत जा’ गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की ‘आज पुरानी राहों से’ गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की ‘दीवाने हैं दीवानों को’ गीत वाली फिल्म-३
१६. ‘दिल दीवाने का’ गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की ‘झोंपड़ी में चारपाई’ गीत वाली फिल्म-३
१९. ‘सुनता जा’ गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की ‘पायलें झूमें’ गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की ‘यूँ हसरतों के दाग’ गीत वाली फिल्म-४
२५. ‘फूल माँगूँ ना बहार’ गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6639

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6949

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6948 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 8164

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्‌चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8163 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप 81,151 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 81,151.31 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 76,622.05 करोड़ रुपये घट गई। सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 28,495.14 करोड़ रुपये बढ़कर 8,90,191.38 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 23,579.11 करोड़ रुपये बढ़कर 12,82,848.30 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 17,804.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,31,773.56 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 11,272.45 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,71,707.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के ?विपरीत इन्फोसिस की बाजार हैसियत 23,314.31 करोड़ रुपये घटकर 7,80,126.10 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 16,645.39 करोड़ रुपये घटकर 18,38,721.14 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 15,248.85 करोड़ रुपये घटकर 6,38,066.75 करोड़ रुपये पर और टीसीएस का 10,402.01 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 14,91,321.40 करोड़ रुपये पर आ गया। एलआईसी के मूल्यांकन में 8,760.12 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,91,418.91 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 2,251.37 करोड़ रुपये घटकर 6,08,682.29 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की गई

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के भाव चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं। भारत में अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है। सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है तथा बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय बाजार के प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। उनका रुख वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। एचडीएफसी बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,825.91 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक का लाभ सितंबर तिमाही में बढ़कर 16,820.97 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 15,976.11 करोड़ रुपये था। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि किसी भी प्रमुख संकेतक के अभाव में बाजार भागीदारों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी।

सबसे पहले वे एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक जैसे बड़े बैंकों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियां भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी।

मार्गो के दोनों ओर उग आई जंगल झाड़ियां दे रही दुर्घटनाओं को आमंत्रण

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। लांजी बालाघाट मार्ग, लांजी भिलाई मार्ग, लांजी आमगांव मार्ग, लांजी सालेटेकरी मार्ग सहित क्षेत्रों के अनेको छोटे बड़े मार्गो के दोनो ओर इन दिनों बड़ी बड़ी जंगल झाड़ियों व बड़ा बड़ा कचरा उग आया है जिसके चलते मार्गों पर दुर्घटनाऐं हो रही है और इन दुर्घटनाओं से जन हानि तक हो रही है। जिसका यदि कोई जवाबदार है तो वह लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार हैं जो कि इंतजार करते है मार्गो पर इन जंगल झाड़ियों कचरे के बढ़ने का ताकि क्षेत्र में दुर्घटनाएं बढ़ती रही। क्योंकि यदि ये समय पर इन समस्याओं की सुध ले लेते है तो निश्चित रूप से इन जंगल झाड़ियों के चलते होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

मार्गो की मोड़ाई पर हो रही दुर्घटना

उक्त मार्गों में ऐसे अनेको मोड़ है जहां पर बड़ी मात्रा में जंगल झाड़ियों कचरा उग आया है जिनके चलते दोनों ओर से आ रहे वाहन दिखाई नही देते, एवं अचानक सामने आने से दुर्घटनाएं घटित हो जाती है। वाहनों के अलावा पैदल या सायकल से भी चल रहे लोग है तो वे बिल्कुल भी नही दिखाई देते है जिनके साथ भी बड़ी दुर्घटना घटित हो जाती है। जबकि समय समय पर इन

विषयों पर विभाग को ध्यान देना चाहिये और ठेकेदारो से उक्त जंगल झाड़ियों की सफाई करानी चाहिये ताकि यह दुर्घटनाएं रोकी जा सके। उक्त मार्गो के अधिकतर मोड़ाई पर विभाग के द्वारा ठेकेदारो से रैलिंग लगवाई गई है ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटनाएं घटित ना हो, रैलिंग पर रेडियम आदि लगा रहता है तो मोडाई भी नजर आती है लेकिन मार्गो के दोनों ओर इस कदर यह झाड़ियां उग चुकी है तथा इतनी अधिक मात्रा मे है कि एक प्रकार से जंगल तैयार हो गया है और इन जंगल झाड़ियों में रैलिंग पूरी तरह दब चुकी है जिसके चलते मार्गों पर चलने वालों को रैलिंग दिखाई नही देती मोडाई भी रात्रि के समय समझ नही आती और दुर्घटनाएं घटित हो जाती है। इस ओर भी विभाग ध्यान देवे और जहां जहां मोड़ाई पर रैलिंग लगाई गई है उन स्थानों पर पहले यह जंगल झाड़ियों की सफाई करवाई जाये।

नजर नहीं आ रही रैलिंग व सूचना बोर्ड

उक्त मार्गो में विभाग द्वारा लगाये गये सूचना बोर्ड, दिशा सूचक, किमी पत्थर एवं किमी सूचक बोर्ड भी दिखाई नही दे रहे है। मुख्य रूप से आगे अंधा मोड़, मोड़ाई का सूचक बोर्ड, किलोमीटर दर्शाता बोर्ड, आगे पुलिया है, आगे स्कूल है, आगे ग्राम है सहित अनेकों दिशा सूचक बोर्ड उक्त सभी मार्गो पर लगाये गये है लेकिन इन जंगल झाड़ियों में यह बोर्ड गायब हो चुके है, छुप चुके है जिसके चलते भी वाहन चालको को समय पर दिशा निर्देश नही मिल पाते और कही बार इन कारणों से भी दुर्घटनाएं घटित हो जाती है यह भी एक प्रमुख कारण है दुर्घटनाओं का जबकि ठेकेदारों को चाहिये कि इन विषय को समय समय पर चिन्हांकित कर इस समस्या को दुर किया जाये।

आंखे मूंदकर चल रहे अधिकारी ठेकेदार !

लांजी से भिलाई, लांजी बालाघाट मार्ग, लांजी आमगांव मार्ग, लांजी सालेटेकरी मार्ग सहित लांजी के समस्त छोटे बड़े मार्गो पर उक्त समस्याएं देखी जा सकती है। जबकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी रोजाना इन रास्तो से गुजरते है। साथ ही ठेकेदारों को भी निर्देशित किया गया है कि समय समय मार्गो पर रखरखाव किया जाये। लेकिन ना तो अधिकारी ध्यान देते है और ना ही ठेकेदार मार्गो का रखरखाव करते है जिसके कारण मार्गो के दोनो ओर इतनी बड़ी बड़ी मात्रा में जंगल झाड़ियां उग चुकी है जिसके चलते दुर्घटना बढ़ रही है समय रहते इन मार्गो की सफाई की जानी चाहिये।

ठेकेदारों को किया गया है निर्देशित

उक्ताशय को लेकर लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुखराम नेवारे से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि मार्गों के दोनों ओर जंगल झाड़ियों की सफाई के लिये निर्देशित किया जा चुका है और ठेकेदार के द्वारा कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है।

स्मृति दिवस की पूर्व संध्या पर मोमबत्ती जलाकर दी श्रृद्धांजलि

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। आज 21 अक्टूबर को संपूर्ण भारत देश में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जायेगा जिसके तहत पूर्व संध्या पर समस्त पुलिस प्रशासन के द्वारा जनता के साथ मिलकर श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन कर भाव पूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की जा रही है। इसी क्रम में 20 अक्टूबर को रात्रि 8 बजे लांजी पुलिस अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र घनघोरिया, थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी, एसआई संजय किरार सहित समस्त एएसआई, प्रआरक्षक, आरक्षक, महिला आरक्षकों के द्वारा नगर के हृदय स्थल नेताजी सुभाष चद्र बोस चौक में एकत्रित होकर तथा चौक में उपस्थित नगर वासियो के साथ मिलकर पुलिस विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी जो कि पुलिस ड्यूटी के दौरान शहीद हो गये है इन सभी मोमबत्ती जलाकर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की है। एसडीओपी सत्येन्द्र घनघोरिया ने जानकारी में बताया कि आज 21 अक्टूबर को संपूर्ण भारत देश में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है जहां उन सभी शहीदो को श्रृद्धांजलि दी जाती है जब पुलिस कार्य के दौरान हमारे पुलिस भाई शहीद हो चुके है उन्ही की याद में स्मृति दिवस की पूर्व संध्या पर उक्त श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है साथ ही आज पुलिस स्मृति दिवस मनाया जायेगा।

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक को सौंपा ज्ञापन

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी ने 20 अक्टूबर दिन रविवार को नगर के गायत्री मंदिर सभाकक्ष में एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे की अध्यक्षता में एवं संगठन के सचिव आई एस चौहान के आतिथ्य में बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक में म.प्र.पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा के विस्तार एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सदस्यता अभियान चलाकर वार्षिक एवं आजीवन सदस्य बनाए जाने की बात कही। संगठन को गति प्रदान करने के लिए पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा का विस्तार करते हुए नये पेंशनर्स सदस्य राधेलाल ढोंगे ग्राम भानेगांव निवासी कृषि विभाग लांजी से सेवा निवृत्त का तिलक लगाकर एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक के अंत में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा के सदस्य श्रीमती पुष्पा उतकंडे बहेला निवासी के निधन पर द्वारा दो मिनट का मौन रख कर शोक श्रृद्धांजलि अर्पित की।

विधायक राजकुमार करहि को सौंपा ज्ञापन

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी ने 20 अक्टूबर को बैठक के उपरांत क्षेत्रीय विधायक

राजकुमार करहि के निवास पहुंचकर डॉ मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि प्रदेश के 5 लाख पेंशनर्स की ज्वलंत लंबित मांगो का निराकरण नहीं होने से पेंशनर्स एवं उनके परिवार में घोर असंतोष व्याप्त है। पेंशनर्स द्वारा आशा की जा रही थी कि विधानसभा एवं लोकसभा के निर्वाचन के पश्चात् राज्य पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान कर शासन राहत प्रदान करेगा। परन्तु ऐसा नही होने पर सरकार के प्रति घोर नाराजगी व्याप्त है। पेंशनर्स एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से सविनय अनुरोध किया हैं कि प्रदेश के 5 लाख उपेक्षित पेंशनर्स की प्रमुख मांगो का शीघ्र निराकरण किया जाए।

ये हैं प्रमुख मांगे

केन्द्र सरकार एवं अन्य बहुत से राज्यों के पेंशनर्स को 50 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दी जा रही है, परन्तु मध्यप्रदेश के पेंशनर्स को 46 प्रतिशत की दर से महंगाई दी जा रही है अतएवं 4 प्रतिशत महंगाई राहत शीघ्र स्वीकृत की जाये। मध्यप्रदेश / छत्तीसगढ़ की धारा 49 अविलंब समाप्त की जाये एवं केन्द्रीय तिथि से ही महंगाई राहत दी जाये। मध्यप्रदेश के पेंशनर्स के लिये आयुष्मान स्वास्थ्य योजना एवं स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की जाये। वर्तमान में शासन द्वारा 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात् 20 प्रतिशत की दर से पेशन में वृद्धि की जाती है परन्तु माननीय उच्च न्यायालयीन निर्णयों के अनुसार पेशनर्स को 79 आयु पूर्ण होने पर 20 प्रतिशत का लाभ दिया जाये। 30 जून एवं 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले पेशनर्स को एक वेतनवृद्धि का लाभ प्रदान किया जाये। इसके लिये न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करना न्यायोचित नहीं है। बिना न्यायालय के निर्णय के एक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाये। केन्द्र के समान राज्य पेशनर्स के नियमों में अविवाहित बेटी, विधवाए परित्यक्ता बेटी को आजीवन थर्ड पार्टी परिवार पेशन प्रदान की जाये। छत्वे एवं सातवें वेतनमान के एरियर्स का भुगतान किया जाये। आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षको को स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षको के समान नियुक्ति दिनांक से नियमित वेतनमान दिया जावे। समस्त शिक्षको के अर्जित अवकाश के नगदीकरण कर भुगतान किया जाये। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे, सचिव आई एस चौहान, एन आर दहीकर, जी डी बेदरे, एस एन बसेना, एस आर सोनवाने, बी आर सोनवाने, येशुराम घोरमारे, इंठोबा ब्रम्हपुरे, डी आर सोनवाने, के आर चौधरी, टी डी पटले, हृदयराम राहंगडाले, धनीराम सोनवाने, सितूलाल टेंभरे, राधेलाल ढोंगे, बलवंत बछे, शांतिलाल शिवणकर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा राजमिस्त्री एसोसिएशन ने मनाया चौथा स्थापना दिवस एवं दीपावली मिलन समारोह

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। श्री विश्वकर्मा राज मिस्त्री एसोसिएशन लांजी ने 20 अक्टूबर को काली मंदिर परिसर में समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में श्री विश्वकर्मा राजमिस्त्री एसोसिएशन का चौथा स्थापना दिवस एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन कर हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम कृथे के मुख्यातिथ्य में एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष बबलू शिवालिया व पदाधिकारियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा के छायाचित्र के समक्ष पूजन अर्चन कर किया गया। क्षेत्र के सभी राजमिस्त्रियों से विश्वकर्मा राज

मिस्त्री एसोसिएशन से जुड़कर संगठन को मजबूत करने व नियमों का पालन करने अपील की। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं ठेकेदारों द्वारा अपने अनुभव साझा किया तथा विश्वकर्मा राज मिस्त्री एसोसिएशन द्वारा संगठन को मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों को स्वरूचि भोज भी कराया गया। इस दौरान विश्वकर्मा राज मिस्त्री एसोसिएशन के अध्यक्ष बबलू सूरज शिवालिया, उपाध्यक्ष पवन उमरे, सचिव टिकेंद्र तिवारी, सहसचिव चंद्रशेखर सातपुते, कोषाध्यक्ष लखन पाड़े, प्रवक्ता शाबीर खान, सदस्य राजकुमार उमरे , डोमस्वर नागपुरे, अक्षय मछगाहे, महेश नगपूरे, महेश राउत, सुभाष मेंढे, रामेश्वर आगाशे, किशोर टेंभरे, सूर्या सहारे, राजेश पिपरे , राजेश सातपुते, अनिल सिवालिया, संजय कुशले, महेंद्र उके, दिनेश पांचे, सुभाष सातपुते, रमेश भागड़कर, डिलेश्वर बरगैया, तुकाराम पिपरे, चंदू वराडे, दिलीप पारधी, नंदलाल बिसेन, गणपत सातपुते, धर्मेंद्र राउत, प्रभुदयाल घोगड़े सहित क्षेत्र के राज मिस्त्री उपस्थित रहे।

मिरगपुर की 21 वर्षीय युवती हुई लापता

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मिरगपुर की 21 वर्षीय युवती लापता हो गई है. युवती अपने घर पर बिना कुछ बताए कहीं चली गई है. युवती के पिता ने एक दिन पहले यानी शनिवार की करीब ढाई बजे तिरोड़ी थाने में अपने पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है. पुलिस ने गुम ईसान दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है. 20 अक्टूबर को पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मिरगपुर निवासी मीताराम गोकुलपुरे की 21 वर्षीय युवती पायल गोकुलपुरे अपने घर से रात्रि करीब साढ़े 12 बजे बिना घर पर कुछ बताये कहीं चली गई है. युवती के परिजनों ने हर जगह उसकी काफी तलाश की और नाते-रिश्तेदारी में भी काफी पता किया लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला. जिसके बाद युवती के पिता ने तिरोड़ी थाने पहुंचकर युवती के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है. पुलिस ने गुम ईसान क्रमांक 47 दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

हीरापुर में एक शख्स के साथ हुई मारपीट

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। क्षेत्र के ग्राम हीरापुर में 38 वर्षीय शख्स के साथ गांव के ही एक अन्य शख्स ने शराब के नशे में बिना किसी कारण के ही पीड़ित को गाली-गलौज देते हुए ईट से सिर पर हमला कर दिया है. पीड़ित शख्स ने तिरोड़ी थाने में मारपीट की रपट दर्ज करवाई है. पीड़ित की रपट पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 115 (2) की कार्रवाई की है. घटना शनिवार की देर शाम करीब साढ़े 08 बजे के आसपास की है. रविवार की तीन बजे पीड़ित कैलाश राहंगडाले उम्र 38 वर्ष ने दूरभाष पर चर्चा कर जानकारी देते हुए बताया कि गांव के ही ऋषि पटले ने उसके साथ शराब के नशे में बेवजह गाली-गलौज की और जब उसे ऐसा करने से रोका तो ईट से सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर चोट आई है।

पति की लम्बी उम्र के लिए महिलाओं ने निर्जला व्रत रख मनाया करवा चौथ

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। सुहाग का पर्व करवा चौथ 20 अक्टूबर को नगर एवं क्षेत्र में महिलाओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ श्रद्धाभाव से मनाया गया ।नगर व क्षेत्र में करवाचौथ कार्यक्रम धार्मिक रिति रिवाज के अनुसार मनाया गया जिसमें सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुये करवा देवी की पूजा अर्चना कर करवा चौथ पर्व मनाया। सर्वप्रथम पूजा की सामग्री सँजाकर करवा देवी एवं भगवान गणेश की कथा का पाठ कर अपने पति की दीर्घायु होने की कामना की गई। सभी सुहागिन महिलाऐं ने निर्जला व्रत धारण किया। फिर देर शाम पति के हाथ से पानी पीकर व्रत को खुलवाया। इस दौरान व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। जिन्होने सोलह श्रृंगार कर पूरी पूजा विधि विधान से की। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दिर्घायु के लिए कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा भरकर निर्जला व्रत रखते हुये शाम को भगवान शिव , माता पार्वती , कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चन्द्रमा की विशेष पूजा अर्चना कर चन्द्रोदय के उपरान्त चांद व अपने पति के दर्शन करने के पश्चात पति के हाथों से पानी पीकर व मिष्ठान खाकर व्रत खोला गया । कुछ जगहों पर सार्वजनिक रूप से इकठ्ठा होकर नवग्रहों में एक चन्द्रदेव की पूजा अर्चना कर चन्द्रोदय उपरान्त अर्घ्य देकर चलनी से चन्द्रदेव व अपने पति के दर्शन कर अपने पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत परम्परानुसार खोला गया । करवा चौथ के दिन सुबह सुहागिनें मांग में सिंदूर , माथे पर बिंदियां व हाथों में रंग - बिरंगी चुड़ियां व आभूषणों के साथ - साथ विशिष्ट परिधानों को धारण कर व्रत रखा गया । व्रत का नियम है कि महिलाओं द्वारा पति परमेश्वर के प्रति पूरी निष्ठा , त्याग , मन , वचन , से उसको अपना सर्वस्व अर्पण करती है । करवा चौथ व्रत से पति - पत्नि के मध्य जहां विश्वास व श्रद्धा की डोर मजबूत होती है, वहीं समर्पण की भावना को भी बल मिलता है ।

माईनिंग कॉन्क्लेव में शामिल हुए त्रिवेदी बंधु

मुख्यमंत्री ने मिट्टी से बने उत्पादों को सराहा

मध्यप्रदेश खनिज साधन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश माईनिंग कॉन्क्लेव 2024 का दो दिवसीय कार्यक्रम 17 एवं 18 अक्टूबर 2024 को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र भोपाल में आयोजित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश बालाघाट जिले की एक मात्र फेरो एलॉयज एवं सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करने वाली कंपनी रमणीक पॉवर एण्ड एलॉयस प्राईवेट लिमिटेड ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में कंपनी के डायरेक्टर श्री निश्चल के. त्रिवेदी एवं श्री हर्ष व्ही. त्रिवेदी के द्वारा अपने विचार और माईनिंग से संबंधित अपने सुझाव शासन को दिए। जिस पर माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा त्रिवेदी बंधुओ की उनके कार्यक्षेत्र में प्रशंसा कर उद्योग को बढ़ावा देने हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया गया।

यह बालाघाट जिले के लिए गर्व का विषय है कि त्रिवेदी बंधुओं राज्य स्तरीय ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उद्योग नीति के कारण चर्चा पर हैं। इस कारण माननीय मुख्यमंत्री जी ने कंपनी द्वारा उत्पादित मैंगनीज, सिलिको मैंगनीज एवं मिट्टी से बनने वाले उत्पादो की जमकर तारीफ कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कंपनी के जनरल मैनेजर टैक्निशियन श्री रमेश मिश्रा, एच.ओ.डी. मैनेजर श्री देवेश चौरसिया एवं मैनेजर टाईल्स यूनिट श्री खेमेन्द्र अमूले उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों का बढ़ सकता है महंगाई भत्ता

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए जल्द ही खुशखबरी आ सकती है। केंद्र सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत कर दिया गया है, वहीं प्रदेश के कर्मचारियों को फिलहाल 46 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है। अब प्रदेश के कर्मचारियों की ओर से इसे बढ़ाने की मांग की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के स्थापना दिवस (1 नवंबर) पर महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा कर सकते हैं। इस दिशा में वित्त विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

प्रदेश के सात लाख से अधिक नियमित कर्मचारी, साथ ही निगम और मंडलों के कर्मचारी, जुलाई 2023 से 46 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता प्राप्त कर रहे हैं। पांचवें और छठे वेतनमान वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी इसी दर

से वृद्धि की गई थी। जुलाई 2023 से फरवरी 2024 के बीच का एरियर तीन किस्तों में दिया गया, जबकि पेंशनरों की महंगाई राहत मार्च 2024 से बढ़ाई गई, लेकिन उन्हें एरियर नहीं मिला।

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में जनवरी 2024 में ही 4 प्रतिशत की वृद्धि कर दी थी, जिससे अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को भी इसका लाभ जनवरी से मिल रहा है। अब केंद्र ने महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ाकर 53 प्रतिशत कर दिया है। इस प्रकार प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों की तुलना में 7 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिल रहा है, जिसे बढ़ाने की मांग कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से की है।

एक नवंबर को हो सकती है घोषणा

प्रदेश के स्थापना दिवस (1 नवंबर) के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, इसका लाभ जनवरी 2024 से दिया जाएगा या अक्टूबर से, यह फैसला होना बाकी है। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी एरियर तीन किस्तों में दिया जा सकता है। पेंशनरों को लेकर स्थिति अभी भी अस्पष्ट है। पिछली बार का एरियर देने पर अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि पेंशनरों का महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ाकर 50 प्रतिशत की दर से दिया जाएगा, लेकिन यह अक्टूबर से लागू होगा या जनवरी 2024 से, इसका फैसला बाद में किया जाएगा।

58 प्रतिशत की दर से बजट में प्रविधान

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में महंगाई भत्ते और राहत के लिए 58 प्रतिशत की दर से प्रविधान किया है। वर्तमान में 46 प्रतिशत की दर से भुगतान हो रहा है, जिससे यदि 12 प्रतिशत की वृद्धि भी होती है तो इसके लिए अलग से बजट प्रविधान की आवश्यकता नहीं होगी। अगले बजट वर्ष 2025-26 के लिए यह प्रविधान 64 प्रतिशत के हिसाब से किया जाएगा, जिसके लिए सभी विभागों को अपने स्थापना व्यय में राशि प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस ने बुधनी से राजकुमार पटेल और विजयपुर से मुकेश मल्होत्रा को बनाया प्रत्याशी

भोपाल। कांग्रेस ने रविवार रात बुधनी और विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिए। बुधनी में पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल पर दांव लगाया गया है तो विजयपुर में आदिवासी दांव खेलते हुए मुकेश मल्होत्रा पर भरोसा जताया है। पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आसाम के साथ मध्य प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की सूची भी जारी की। प्रदेश कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन के लिए इस बार समिति बनाकर रायशुमारी कराई थी। इसमें बुधनी से राजकुमार पटेल और महेश राजपूत का नाम प्रमुखता से सामने आया था। भाजपा द्वारा पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पटेल को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना अधिक थी क्योंकि वे यहां से 1993 में विधायक रह चुके हैं। उनके भाई देवकुमार पटेल भी 1998 का चुनाव जीते थे। इसके बाद से यह सीट भाजपा का गढ़ बन गई। कांग्रेस ने जातिगत समीकरण को देखते हुए पटेल पर दांव लगाया है। वे किरार समाज से आते हैं और अभी तक इसी समाज के शिवराज सिंह चौहान ने लंबे समय तक यहां का प्रतिनिधित्व किया। पटेल दिग्विजय खेमे से आते हैं पर उनके सभी वरिष्ठ नेताओं से अच्छे संबंध रहे हैं। उनकी भाभी भाष्य प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष विभा पटेल भोपाल की महापौर रह चुकी हैं। पटेल उस समय विवादों में घिरे थे जब उन्हें पार्टी ने सुषमा स्वराज के विरुद्ध विदिशा संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया था पर समय पर बी फार्म जमा न करने के कारण उनका नामांकन पत्र निरस्त हो गया था। पार्टी ने श्योपुर जिले में आने वाले विधानसभा क्षेत्र विजयपुर में आदिवासी कार्ड खेला है। यहां मुकेश मल्होत्रा को प्रत्याशी बनाया है, जिन्होंने 2023 का चुनाव निर्दलीय लड़कर 22 हजार 128 मत प्राप्त किए थे।

मेडिकल छात्रों की कॉपियां जाँचने का नया इंतजाम

परीक्षा कॉपियों का 27 सेंटर पर स्कैनिंग और मूल्यांकन का काम

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार और मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी ने मेडिकल के एकेडमिक कैलेंडर को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी की है। अभी तक परीक्षा की सभी कॉपियां जबलपुर जाती थी। उसके बाद वहां से विभिन्न विषय विशेषज्ञों को मूल्यांकन के लिए भेजी जाती थी।इस व्यवस्था को इस साल से बदल दिया गया है।

यूनिवर्सिटी अब कॉलेज में परीक्षा कॉपियों का डिजिटल वैल्यूएशन सिस्टम विकसित कर रही है। परीक्षा के बाद 3 महीने के अंदर मूल्यांकन होकर उसका परिणाम जारी किया जा सके। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मेडिकल यूनिवर्सिटी प्रदेश भर में नोडल केंद्र तैयार कर रही है। विश्वविद्यालय ने 27 कॉलेज को इसके लिए चिन्हित किया है।इन सेंटर पर परीक्षा कॉपियों की स्कैनिंग की जाएगी।प्रत्येक नोडल सेंटर में 20-20 कंप्यूटर और स्कैनर उपलब्ध कराए जाएंगे। जो इंटरनेट से जुड़े होंगे। मूल्यांकनकर्ता इन्ही सेंटर के माध्यम से मूल्यांकन कर सकेंगे।

मेडिकल यूनिवर्सिटी जल्द ही इसके लिए टेंडर निकालने जा रही है। यह सुविधा विकसित हो जाने के बाद इसका लाभ मेडिकल कॉलेज,डेंटल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आयुष आदि सभी कोर्स के परीक्षा मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।इससे छात्रों और कॉलेजों को जल्द परीक्षा परिणाम प्राप्त होंगे।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉक्टर पुष्पराज सिंह बघेल ने कहा इस नई व्यवस्था से विश्वविद्यालय के एकेडमी कैलेंडर को समय पर लाने में मदद मिलेगी। मूल्यांकनकर्ता भी जल्द मूल्यांकन कर सकेंगे। अभी कॉपियां मूल्यांकन के लिए भेजने में काफी समय लगता था। स्कैन की व्यवस्था हो जाने के बाद ट्रांसपोर्टेशन के खर्च और समय दोनों में ही बचत होगी। व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। परीक्षा परिणाम को लेकर सुधार भी होगा। रिजल्ट भी निर्धारित समय पर घोषित किये जा सकेंगे।

नकली आलू पर सरकार अलर्ट

जहर से भी बदतर हैं नकली आलू : प्रदेश की मंडियों आवक की आशंका

भोपाल। आलू, जिसे सब्जियों का राजा कहा जाता है, अब नकली रूप में भी बाजारों में बेचा जाने लगा है। यह खबर सुनकर चौंक सकते हैं, लेकिन फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की जांच में यह खुलासा हुआ है कि मंडियों में नकली आलू की एंट्री हो चुकी है। इसे बनाने में केमिकल्स का उपयोग हो रहा है, जो सेहत के लिए बेहद खतरनाक हैं।

मध्यप्रदेश सरकार अलर्ट पर यूपी के बलिया में नकली आलू पकड़े जाने के बाद मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने भी इस मामले में सक्रियता दिखाई है। मध्यप्रदेश फूड सेफ्टी विभाग जल्द ही सब्जी मंडियों में नकली आलुओं की जांच और निगरानी शुरू करेगा। खाद्य विभाग की ओर से त्योहारों के मद्देनजर प्रदेशभर में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं और जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, वहां कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से भी आग्रह किया कि वे आलू खरीदते समय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध उत्पाद की शिकायत विभाग में दर्ज कराएं।

-कैसे बनता है नकली आलू?

हाल ही में यूपी के बलिया जिले में एसएसडीए ने 21 क्विंटल नकली आलू जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, इन आलुओं को केमिकल्स से पकाया और रंगा जाता है। नकली आलुओं में कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल होता है, जो आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे घातक रसायन पैदा करता है। इससे पेट में जलन, उल्टी, घबराहट और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक इस तरह के आलुओं का सेवन कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन सकता है।

-नकली आलू की कैसे करे पहचान?

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) के अनुसार, नकली आलू की पहचान करने के लिए आलू को हल्का मसलें। अगर आलू रंग छोड़ने लगता है, तो यह नकली हो सकता है। इसके अलावा, गरम पानी में आलू को डालकर देखें, अगर पानी में रंग उतरने लगे, तो यह आलू नकली हो सकता है। सफेद आलुओं में अक्सर कैसरजनिक डाई का उपयोग कर उन्हें अधिक कीमतों पर बेचा जाता है।

सैनिकों और शहीदों के परिवारों के साथ मोहन सरकार

शादी के लिए 51 हजार की सहायता, मां को 10 हजार की मासिक पेंशन

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के परिवारों के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। भोपाल के बैरागढ़ स्थित थ्री ईएमई सेंटर में आयोजित पूर्व सैनिकों की रैली में मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि अब शहीदों की बहन-बेटियों की शादी के लिए 15 हजार रुपए की बजाय 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही, शहीद की मां को हर महीने मिलने वाली पेंशन को 5 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दिया गया है। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं का पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों ने ताली बजाकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कि मध्य प्रदेश सरकार हमेशा से सैनिकों और शहीदों के परिवारों के साथ खड़ी रही है। इनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हमने ये कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पहले शहीद के परिवार को मिलने वाली आर्थिक सहायता केवल पत्नी को दी जाती थी, लेकिन अब यह राशि शहीद की पत्नी और माता-पिता के बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कई बार परिवारों में

अन्य सदस्यों की भी जिम्मेदारियां होती हैं, जिन्हें मदद की आवश्यकता होती है। विशेष रूप से जवान बेटियों की शादी या अन्य महत्वपूर्ण जरूरतों के लिए इस राशि का उपयोग किया जा सकता है।

सैनिकों ने किया जौहर का प्रदर्शन

रैली के दौरान 102 इंजीनियर रेजिमेंट के सैनिकों ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर मुख्यमंत्री ने उनकी तारीफ की। सैन्य प्रदर्शन देख सीएम यादव ने कहा, कि मध्य प्रदेश से निकलकर कई सैनिकों ने देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और उनका योगदान अमूल्य है।

प्रधानमंत्री मोदी की सेना को समर्थन

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की और कहा, कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय है, जब हमारी सेना दुश्मन को उसके घर में घुसकर जवाब देने की क्षमता रखती है। हमारी सेना ने हर मौके पर अपनी वीरता और शौर्य का प्रदर्शन किया है। चाहे कोई भी युद्ध हो, भारतीय सैनिकों ने हमेशा देश और लोकतंत्र की रक्षा की है।

देश की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर जोर

मुख्यमंत्री यादव ने देश की सुरक्षा और सैनिकों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे सम्मानित देशों में से एक है, और इसका मुख्य कारण हमारी सेना का अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा है। उन्होंने कहा, कि आजादी के बाद भारत और कई अन्य देश स्वतंत्र हुए थे, लेकिन भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली इसलिए मजबूत रही क्योंकि हमारी सेना ने हमेशा अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ काम किया।

चेक बाउंस वाले फरियादी नए कानून से परेशान

भोपाल। जब से भारतीय न्याय संहिता लागू हुई है। उसके बाद से चेक बाउंस के मामलों में जो फरियादी हैं। वह अपने आप को ठगा हुआ मान रहे हैं। भारतीय न्याय संहिता में चेक बाउंस वाले प्रकरण में न्यायालय फीस को बढ़ा दिया गया है।मामला दर्ज करने के पहले भारी भरकम फीस भरनी पड़ती है।उसके बाद जो परिवाद न्यायालय में दिया जाता है। उसमें समन की तामिली जब तक परिवादी को नहीं हो जाती है। तब तक न्यायालय में मामला पेंजीकृत नहीं होता है। जिसके कारण बार-बार वादी को न्यायालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। न्यायालय का समन कई महीनो बाद भी तामील नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण कोर्ट में सुनवाई शूरू नही हो पा रही है। पहले इस तरह के मामले में न्यायालय से 6 महीने के अंदर न्याय मिलने की प्रक्रिया तय हो जाती थी। लेकिन जब से नया कानून लागू हुआ है। चेक बाउंस वाले मामले में सुनवाई ही शूरू नहीं हो पा रही है।पहले चेक बाँउन्स के मामले में ठगे गए, इसके बाद कोर्ट फीस के रूप में होने भारी रकम खर्च करनी पड़ी। अब न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। हासिल कुछ भी नहीं हो पा रहा है।हंदौर भोपाल जबलपुर सहित ऐसे कई मामले न्यायालयों में लंबित पड़े हुए हैं।

सीएम का काफिला निकलने के दौरान रोकने पर युवक ने किया हंगामा

भोपाल। श्यामला हिल्स थाना इलाके में पॉलिटेक्निक चौराहा पर सीएम का काफिला निकलने से पहले ट्रैफिक जवान द्वारा एक वाहन चालक युवक को रोकने पर उसने जमकर हंगामा करते हुए सिपाही से दुर्व्यवहार करने लगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरक्षक सुमित प्रताप ट्रैफिक में पदस्थ हैं। उनकी ड्यूटी पॉलिटेक्निक चौराहा पर थी। यहाँ से सीएम का काफिला गुजरने के पहले सुमित स्टाफ के साथ चौराहे पर पहुंचे और ट्रैफिक अमले के साथ टैफिक को रोककर सीएम के काफिले को निकालने की व्यवस्थाँए बनाने लगे। उसी दौरान एक दो पहिया वाहन सवार रामांश देव पटेल ने रोकने का इशारा करने के बाद भी अपना वाहन ले जाने का प्रयास करने लगा। जब सुमित ने उसे समझाईश देते हुए अपना वाहन साइड में खड़ी करने और काफिला निकलने के बाद जाने की बात कही तब वह भड़क गया। इसके बाद उसने आरक्षक सुमित से गालीगलौज करने लगा। सुमित ने जब उसे गाली देने से मना किया तब वह झूमाझटकी पर उतर आया। वहां मौजूद स्टाफ ने आरोपी को पकड़कर थाने ले गये। उसके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डाने का मामला कायम किया गया है।

मुझे टिकट मिले, इस मंशा से कभी काम नहीं किया- कार्तिकेय

भोपाल। मध्य प्रदेश के बुधनी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी ने विदिशा के पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव को उम्मीदवार बनाया है। यह सीट मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की परंपरागत सीट है और उम्मीद की जा रही थी कि इस बार शिवराज के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान को टिकट मिल सकता है। लेकिन अब पार्टी द्वारा भार्गव को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कार्तिकेय सिंह चौहान की प्रतिक्रिया सामने आई है।

कार्तिकेय ने भोपाल में मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने कभी इस मंशा से काम नहीं किया कि मुझे टिकट मिले। बुधनी के लोगों के पास जाने के लिए मुझे टिकट की आवश्यकता नहीं है। मैंने हमेशा एक आम कार्यकर्ता की तरह उनके लिए काम किया है।

कार्तिकेय ने आगे कहा, हम एक विचारधारा से जुड़े हुए लोग हैं। यहां व्यक्तिगत इच्छाओं का कोई महत्व नहीं है। हमारे लिए केवल विचारधारा मायने रखती है, जो पार्टी के हर कार्यकर्ता को एक सूत्र में बांधकर रखती है। इसी विचारधारा के लिए हम काम करते हैं और करते रहेंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए इससे बड़ा कोई सौभाग्य नहीं हो सकता कि पार्टी के मेरे सभी साथियों ने मेरा नाम पैनल तक पहुंचाया। मेरे लिए यही सबसे बड़ी खुशी की बात है। मैं बचन देता हूं कि जिस तरह से शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पार्टी ने बुधनी का चुनाव लड़ा है, उसी ताकत के साथ रमाकांत भार्गव के नेतृत्व में भी चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। कार्तिकेय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा एक शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण कर रही है। डबल इंजन की सरकार के साथ अब रमाकांत भार्गव के टिकट के रूप में तीसरा इंजन भी जुड़ गया है, जिससे हम और भी ताकत से चुनाव लड़ेंगे।

रमाकांत भार्गव को टिकट मिलने पर कार्तिकेय ने कहा, दादा मेरे लिए पिता तुल्य हैं। उनके नेतृत्व में हमने कई चुनाव लड़े हैं। मेरे जन्म से पहले भी पार्टी उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ती आई है। वे अनुभवी नेता हैं और बुधनी के लिए उनका चयन बिल्कुल सही है।

कूनो में फिर गूंजेगी किलकारी : मादा चीता प्रेग्नेंट

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में जल्द ही शावकों की किलकारी गूंज सकती है, क्योंकि एक मादा चीता के प्रेग्नेंट होने की खबर सामने आई है। यह खबर खुद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फोटो के साथ साझा की है।

कूनो में आने वाली हैं खुशियां, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता जल्द ही शावकों को जन्म देगी। यह चीता प्रोजेक्ट की एक बड़ी सफलता है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया था। इस प्रोजेक्ट से पारिस्थितिक संतुलन को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है।

वन विभाग में उत्साह मादा चीता के प्रेग्नेंट होने की खबर से कूनो नेशनल पार्क के प्रबंधन और वन विभाग में खुशी की लहर दौड़ गई है। चीतों की अचानक मौत के बाद यह खबर पार्क के लिए राहत भरी है। पार्क प्रबंधन अब मादा चीते के शावकों के जन्म को लेकर उत्साहित है और बेहतर माहौल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कूनो का टोटल एरिया बढ़ा कूनो नेशनल पार्क का क्षेत्रफल भी हाल ही में बढ़कर 1 लाख 77 हजार हेक्टेयर हो गया है। श्योपुर और शिवपुरी का 54 हजार 249 हेक्टेयर वन क्षेत्र पार्क से जुड़ने के बाद इसका कुल क्षेत्रफल बढ़ा है। इससे नए चीतों और अन्य वन्यजीवों के लिए अधिक जगह और संसाधन उपलब्ध होंगे। अब कूनो के चीतों को सरहद पार कर भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उनके संरक्षण और प्रजनन में सहायता मिलेगी।

उद्योगों के विकास की सभी बाधाओं को किया जाएगा दूर- मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विन्ध्य में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इन्हें गति देने के लिए 23 अक्टूबर को रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। उद्योगों के विकास की सभी बाधाएं दूर की जाएंगी। सभी उद्योगपति अपनी कठिनाइयों को उद्योग विभाग अवगत कराएं। हर जिले में निवेश संवर्धन केन्द्र खोल दिये गये है। इसके माध्यम से भी सरकार तक अपनी बात पहुंचाएं। उद्योगपतियों की स्थानीय कठिनाइयों को दूर करने की जिम्मेदारी कमिश्नर और कलेक्टर की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य के उद्योगपतियों को उत्पादों के निर्यात के लिए कंटेनर की सुविधा मिलेगी। अब रेल के साथ मालवाहक हवाई जहाजों से भी परिवहन होगा। उद्योगपति केवल अपने लिए उद्योग नहीं चलाते हैं। उनके द्वारा संचालित उद्योग से प्रदेश और देश का विकास भी होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीवा में 23 अक्टूबर को होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के संदर्भ में स्थानीय उद्योगपतियों के साथ चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हर माह

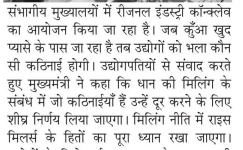

संभागीय मुख्यालयों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। जब कुँआ खुद प्यासे के पास जा रहा है तब उद्योगों को भला कौन सी कठिनाई होगी। उद्योगपतियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धान की मिलिंग के संबंध में जो कठिनाईयाँ हैं उन्हें दूर करने के लिए शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। मिलिंग नीति में राइस मिलर्स के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उद्योगों के लिये वर्ष 2022-23 के अनुदान की राशि जारी कर दी गई है। अब अनुदान की राशि सीधे उद्योगपति के खाते में जारी की जाएगी। विन्ध्य क्षेत्र के विकास की हर बाधा दूर की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं रीवा का दामाद हूँ, रीवा के विकास में कोई कोर कसर नहीं रखूंगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में उपस्थित रीवा तथा मऊगंज के उद्योगपतियों से चर्चा की और सिंगरौली, सीधी, मैहर तथा सतना के उद्योगपतियों से वर्चुअल संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों पर दोहरा कराधान नहीं होगा। आगामी 23 अक्टूबर को रीवा में पूरे विन्ध्य के औद्योगिक विकास के लिए विचार-मंथन के लिए कॉन्क्लेव होगा। इसमें शामिल होने के लिए 50 बड़े उद्योगपतियों के साथ 3 हजार से अधिक उद्योगपतियों ने पंजीयन किया है। इसी दिन औद्योगिक केन्द्र चोरहटा में विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण तथा रीवा में आईटी पार्क के निर्माण का भूमि-पूजन भी किया जायेगा। विन्ध्य में कई बड़े उद्योगों की स्थापना के प्रस्ताव रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मिलेंगे। बैठक में उद्योगपतियों ने औद्योगिक विकास के अनुसार जिलों के श्रेणीकरण, रीवा को विशेष औद्योगिक जोन का दर्जा देने, धान मिलिंग तथा बारदाने की राशि के भुगतान, छोटे शहरों के औद्योगीकरण को प्राथमिकता देने, सिंगरौली में उद्योगों के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता, पॉवर, एल्युमिनियम और सीमेंट प्लांट सहित विभिन्न सुझाव दिए।

मध्य प्रदेश में डेंगू का कहर, हजारों मरीज अस्पतालों में भर्ती

- डेंगू से निपटने के लिए बनाया कंट्रोल रूम

भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में डेंगू का कहर बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है।ग्वालियर में सबसे ज्यादा 988 डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।उसके बाद इंदौर में 437 विदिशा मे 372 भोपाल मे 452 रीवा मे 332 जबलपुर मे 325 रतलाम मे 271धार मे 239 होशंगाबाद मे 237 और सिवनी जिले में233 डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। रोजाना अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है।

जिस तरह से मध्य प्रदेश में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उसके बाद सरकार ने सरकारी अस्पतालों में विशेष इंतजाम किए हैं। हर जिले में 12 घंटे के अंदर जांच करने और उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉक्टर और मरीजों के लिए कंट्रोल रूम

डेंगू प्रोटोकॉल के तहत इलाज की बेहतर व्यवस्था के लिए सरकार ने एक कंट्रोल रूम बनाया है इसके माध्यम से सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारी को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। मरीज को भी कंट्रोल रूम के माध्यम से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर का फोन न। 0755-2660636 है। इस पर फोन करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

रुपयों का लालच देकर मतांतरण का प्रयास, 10 लोगों पर प्रकरण दर्ज

इंदौर। मानपुर थाना क्षेत्र के शेरकुंड में रुपयों का लालच देकर मतांतरण का प्रयास किया गया। विरोध करने पर ग्रामीणों के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी भी दी गई है। इस पर रविवार को ग्रामीणों ने मानपुर थाने का घेराव किया। पुलिस ने मतांतरण, मारपीट व अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। रविवार को कुछ लोग ग्रामीणों को रुपये देकर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बना रहे थे। इसकी जानकारी अन्य ग्रामीणों को मिली तो सभी पहुंचे और विरोध किया। इस दौरान आरोपितों ने मारपीट करना शुरू कर दी। सभी ग्रामीण मानपुर थाने पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपित भीमसिंह ओसारी, अर्जुन, हैवान सिंह, लालू गिरवाल, छोटेलाल भाभर, महेश और चार अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी रविशंकर पारिक ने बताया कि आरोपित कई महीने से मतांतरण के लिए लोगों पर दबाव बना रहे थे। जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी की जाएगी। एफआइआर दर्ज करने के बाद ग्रामीण वन विभाग मानपुर वन परिक्षेत्र रेंजर पीएस चौहान के पास पहुंचे और आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों ने वन विभाग की भूमि पर गोकल्याकुंड में चर्च को तोड़ने की मांग ज्ञापन देकर की। आक्रोशित होकर कहा कि चर्च को तोड़ा जाए अन्यथा ग्रामीणों द्वारा इसे तोड़ दिया जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की शर्मनाक हार, सीरीज में 1-0 से पिछड़े

बेंगलुरु। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। पांचवें दिन, न्यूजीलैंड ने 107 रन के लक्ष्य को दो विकेट गवांते हुए आसानी से हासिल कर लिया और भारत को 1-0 से पीछे कर दिया। इस जीत ने न्यूजीलैंड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त दिलाई है।

मैच के पहले दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो सका। दूसरे दिन, भारतीय टीम ने बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और पूरी टीम केवल 46 रन पर ऑल आउट हो गई। इस पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए, जबकि पांच बल्लेबाज बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। यह भारत के लिए एक निराशाजनक प्रदर्शन था, जिससे उनकी

स्थिति कमजोर हो गई।

न्यूजीलैंड का मजबूत प्रदर्शन

भारत के कमजोर प्रदर्शन के बाद, न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। डेवोन कॉनवे ने 91 रनों की शानदार पारी खेली। तीसरे दिन, रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल ने पारी की शुरुआत की। रवींद्र ने 157 गेंदों पर 134 रन बनाकर मैच को पूरी तरह से न्यूजीलैंड की ओर मोड़ दिया। इसके अलावा, टिम साउदी ने भी 65 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। इस प्रकार, न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में कुल 402 रन बनाए।

भारत की संघर्षशील दूसरी पारी

भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास किया। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने अच्छी शुरुआत दी, जहां रोहित ने 52 और यशस्वी ने 35 रन बनाएं। विराट कोहली ने भी अर्धशतक बनाया और टीम का स्कोर 231 तक पहुंचाया। चौथे दिन, सरफराज खान ने 150 रन की पारी खेली, जबकि ऋषभ पंत 99 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने अपनी दूसरी पारी में कुल 462 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड के सामने 107 रनों का लक्ष्य रखा। 107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे कुछ खास नहीं कर सके। टॉम लैथम बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। वे बुमराह के शिकार बने, उसके बाद डेवोन कॉन्वे भी सस्ते में बुमराह के शिकार बने। उन्होंने 17 रन बनाए। उसके बाद विल यंग और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड के लिए मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। विल यंग ने 48 और रचिन रवींद्र ने 39 रन बनाए और वे नाबाद रहे। इस तरह, न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। भारतीय टीम को अब अगले मैच में वापसी करने की चुनौती होगी।

जोकोविच और सिनेर जीते

रियाद। रियाद में आयोजित सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप में इटली के यानिक सिनेर ने कार्लोस अल्काराज को 6-7, 6-3, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच ने तीसरे स्थान के मैच में राफेल नडाल को 6-2, 7-6 से मात दी। राफेल नडाल, जो 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता हैं, इस चैम्पियनशिप में अपने करियर का अंतिम मैच खेल रहे थे। नडाल अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिए अपना आखिरी मैच खेलकर टेनिस से संन्यास लेंगे। अल्काराज ने इस टूर्नामेंट के पिछले दौर में नडाल, सिनेर और जोकोविच को हराकर शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन फाइनल में सिनेर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह नुमाइशी टूर्नामेंट होने के कारण इसमें पुरस्कार राशि तो दी जाती है, लेकिन एटीपी अंक नहीं मिलते।

रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के लिए फैन के सवाल का मजेदार जवाब दिया

नई दिल्ली । इस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका नाम आईपीएल 2025 से जुड़ी खबरों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं। जब से यह खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के बजाय किसी और टीम के लिए आईपीएल खेल सकते हैं। इस बीच, ड्रेसिंग रूम में एक फैन ने रोहित से सवाल किया कि वह अगले आईपीएल में किस टीम के लिए खेलेंगे।

हम वापसी करना जानते हैं - रोहित शर्मा

बेंगलुरु। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को विश्वास है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट से हारने के बावजूद उनकी टीम वापसी करेगी, जैसे इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर की थी। भारतीय टीम पहली पारी में घरेलू टेस्ट में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर आउट हो गई थी, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कुछ हद तक वापसी की। हालांकि, न्यूजीलैंड ने अंततः उन्हें 8 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में रोहित ने कहा, ऐसे मैच होते रहते हैं। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा। हमने इंग्लैंड के खिलाफ भी एक मैच हारने के बाद लगातार चार मैच जीते थे, इसलिए हमें पता है कि हर खिलाड़ी को क्या करना है। उन्होंने स्वीकार किया कि हालात

को समझने में उनसे गलती हुई, लेकिन यह भी कहा कि उन्होंने यह कल्पना नहीं की थी कि भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर आउट हो जाएगी।

रोहित ने कहा, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें शुरुआत में मुश्किलें हो सकती हैं, लेकिन हमने यह नहीं सोचा था कि टीम 46 रन पर सिमट जाएगी। न्यूजीलैंड ने बेहतरीन गेंदबाजी की और हम विफल रहे। उन्होंने दूसरी पारी में भारतीय टीम की वापसी की सराहना की और कहा, जब आप 350 रन से पीछे हों तो ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन कुछ अच्छी साझेदारियां बनीं। हम सस्ते में आउट हो सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरफराज और ऋषभ ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज ने बहुत ही परिपक्व पारी खेली।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी रचिन रविंद्र ने पहली पारी में शतक जमाया। उन्होंने कहा कि चेन्नई में लाल और काली मिट्टी पर खेलने का अनुभव उन्हें रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा का डटकर सामना करने में मददगार साबित हुआ। रविंद्र ने कहा, चेन्नई में अलग-अलग पिचों पर, लाल और काली मिट्टी पर हमने अभ्यास किया, जिससे काफी फायदा हुआ।

जर्मनी के खिलाफ वरूण कुमार की भारतीय हॉकी टीम में वापसी

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर वरुण कुमार की वापसी जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में होने वाले दो टेस्ट मैचों के लिए हुई है। वरुण को पेरिस ओलंपिक और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिल पाई थी, क्योंकि उनके खिलाफ एक जूनियर वॉलीबॉल खिलाड़ी द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। फरवरी में बेंगलुरु पुलिस ने उनके खिलाफ पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। 22 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया था कि पिछले पांच सालों से वरुण ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया, जो तब शुरू हुआ जब वह नाबालिग थी।

हालांकि, हॉकी इंडिया के

सूत्रों के अनुसार, वरुण को सभी आरोपों से क्लीन चिट मिलने के बाद टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह होंगे, लेकिन मिडफील्डर हार्दिक सिंह चोट के कारण टीम से बाहर रहेंगे। इस श्रृंखला के जरिए राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा पर होगी, जबकि डिफेंस की कमान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत, अमित रोहिदास, वरुण कुमार और संजय संभालेंगे। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, मोहम्मद राहीन मौसीन और राजिंदर सिंह शामिल होंगे।

फॉरवर्ड लाइन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद मनदीप सिंह की वापसी हुई है। उनके साथ सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और शीलानंद लाकड़ा भी टीम का हिस्सा होंगे। टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि जर्मनी के खिलाफ खेलने के लिए टीम काफी उत्साहित है। उन्होंने कहा कि यह एक अनुभवी टीम है, जिसमें कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

भारतीय टीम

गोलकीपर - कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर - हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, सुमित, नीलम संजीप सेस और संजय

मिडफील्डर - मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, मोहम्मद राहीन मौसीन और राजिंदर सिंह

फॉरवर्ड - मनप्रीत सिंह , सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और शीलानंद लाकड़ा

मैं बचपन से ही सपना देख रहा था इस शतक का - सरफराज खान

बेंगलुरु। खेले जा रहे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़कर न केवल भारतीय टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकालने की कोशिश किया हैं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह महज स्थानापन्न खिलाड़ी नहीं हैं। शुभमन गिल की चोट के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुए सरफराज ने शानदार 150 रन बनाए और ऋषभ पंत (99) के साथ मिलकर 177 रनों की अहम साझेदारी की। उनकी इस पारी ने भारत को पहली पारी में 356 रन से पिछड़ने के बावजूद मैच में बनाए रखा और न्यूजीलैंड के सामने 107 रन का लक्ष्य रखा। सरफराज खान के लिए यह शतक खास था क्योंकि यह उनके बचपन का सपना था। उनके पिता नौशाद का भी सपना था कि उनका बेटा टेस्ट क्रिकेट में बड़ा स्कोर बनाए। मैच के बाद सरफराज ने संवाददाता सम्मेलन में अपने पिता का जिक्र करते हुए कहा, मैं अपने पिता से अक्सर बात करता हूं क्योंकि वह मुझे हर समय प्रेरित करते रहते हैं। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा पहला शतक था, और यह मेरे लिए बहुत खास है। सरफराज जानते हैं कि भारतीय टीम के मध्यक्रम में जगह बनाना आसान नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। मैं अब केवल वर्तमान में जीना चाहता हूं, उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि भविष्य की चिंता करने से उनका वर्तमान प्रभावित हो सकता है। सरफराज ने अपनी पारी के दौरान न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों की शॉर्ट पिच गेंदों पर बेहतरीन ऑफ साइड खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने 150 रन में से 83 रन ऑफ साइड में बनाए। उन्होंने कहा, मैं ऊंची उठती गेंदों को खेलना पसंद करता हूं। मुंबई में उछाल भरी पिचों पर मैं नियमित रूप से अभ्यास करता हूं, जिससे मुझे ऐसी गेंदों को खेलने में आसानी होती है। सरफराज ने ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 177 रन जोड़े। पंत, जो अपनी चोट से उबर रहे थे, शुरुआत में लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

पीसीबी चाहता है भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में ही खेले, प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत को पाकिस्तान बुलाने के लिए हर कोशिश कर रहा है। पीसीबी ने इसके संबंध में बीसीसीआई के सामने एक प्रस्ताव रखा है। पीसीबी ने कहा है कि भारतीय टीम चाहे तो अपना मैच खेलकर उसी दिन वापस इंडिया लौट सकती है। इससे चलता है कि पीसीबी हर हाल में भारत को पाकिस्तान में खेलने के लिए बुलाना चाहता है, क्योंकि उसे भी पता है कि अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो इससे उसे फायदा ही होगा।

पीसीबी ने बीसीसीआई को एक ऐसी व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत अगर भारत सुरक्षा कारणों चलते अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं रुकना चाहता है तो वह अपने मैचों के बीच में नई दिल्ली या चंडीगढ़ में से कहीं भी मैच खेल कर वापस लौट सकता है। पीसीबी ने बीसीसीआई को मौखिक सुझाव दिया है कि भारतीय टीम नई दिल्ली, चंडीगढ़ या मोहाली में शिविर लगा सकती है और अपने मैचों के लिए विशेष उड़ान का इस्तेमाल करके

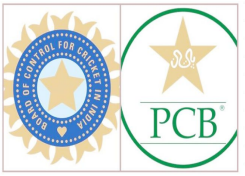

लाहौर जा सकती है।

सूत्र ने कहा कि इन विकल्पों पर अधिकारियों के बीच मौखिक रूप से चर्चा हुई है। भारत का अपने मैच पाकिस्तान में खेलना तय हो सके। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और कराची में खेली जाएगी। पीसीबी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आने से इनकार कर सकता है लेकिन वह 9 मार्च को होने वाला फाइनल लाहौर से बाहर ले जाने के लिए तैयार नहीं है। भले ही भारत इसके लिए क्वालीफाई कर ले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड के सदस्यों की दुबई में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का मुद्दा भी उठ सकता है। पीसीबी चाहता है कि फाइनल लाहौर में ही हो। भारत फाइनल में पहुंचता भी है तो पीसीबी चाहेगा कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच हो। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट 2008 के मुंबई हमले के बाद से बंद है।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाई दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

नई दिल्ली । टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है। श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। चोटों के कारण वह अधिक खेल नहीं पाए, और इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की केंद्रीय अनुबंध सूची से भी बाहर हो गए थे।

99 रन बनने के बाद पंत ने नहीं की विकेटकीपिंग, कहीं चिन्ता का विषय तो नहीं

बेंगलुरु। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु में खेली जा रही टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने शानदार वापसी की थी पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। पहली पारी में महज 46 रन पर ऑलआउट होने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए थे और न्यूजीलैंड को 107 रन का लक्ष्य दिया था। जिसे न्यूजीलैंड की टीम ने दो विकेट गवांकर आसानी से पीछा जीत लिया। टीम इंडिया की जबरदस्त वापसी में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की अहम भूमिका रही, जिन्होंने शानदार 99 रन बनाए और टीम इंडिया को मुश्किल से उबारने की कोशिश की थी। ऋषभ पंत ने सरफराज का बखूबी साथ दिया और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की थी। ऋषभ पंत ने अपनी पारी में कई मुश्किल शॉट खेले, लेकिन शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए और 99 रन पर आउट हो गए।

भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हराया

नई दिल्ली। एसीसी मेन्स टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के तहत अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में भारत-ए ने पाकिस्तान-ए को एक रोमांचक मुकाबले में सात शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरण और तिलक वर्मा के प्रदर्शन की बदौलत 183 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम ने एक समय 78 रन पर ही चार विकेट खो दिए थे। लेकिन इसके बाद अराफात मिन्हास ने धुंआधार बल्लेबाजी की। ऐसे समय में रासिख सलाम ने 2 विकेट लेकर मैच भारत के पक्ष में कर दिया। अब्बास अफरीदी ने भी आखिर तक जोर लगाया लेकिन आखिर भारत की हुई।

अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरण सिंह ने भारत-ए को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 6 ओवर में ही 68 रन जोड़े। अभिषेक ने 22 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 35 रन तो प्रभसिमरण ने 19 गेंदों

पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 35 गेंदों पर 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 44 रन अपनी टीम के लिए जोड़े। बाद में नेहल वडेहरा ने 22 गेंदों पर 25 तो रमनदीप सिंह ने 11 गेंदों पर 17 रन बनाकर स्कोर 8 विकेट पर 183 तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 28 रन देकर 2 विकेट झटके।

पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद हारिस ने पहले ही गेंद पर छक्का लगाकर पारी की शुरुआत की लेकिन वह अंशुल कंबोज की अगली ही गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। उमेर युसुफ भी 2 ही रन बना पाए। वासिम खान ने 22 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 33 तो कासिम अकरम ने 21 गेंदों पर 27 रन बनाए। मध्यक्रम में अराफात मिन्हास ने 29 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन का योगदान दिया। अब्दुल समद ने 15 गेंदों पर 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाए। अब्बास अफरीदी ने 9 गेंदों पर 4 चौके लगाकर 18 रन जरूर बनाए लेकिन उनकी टीम 176 रन ही बना पाई और 7 रन से हार गई।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास

नई दिल्ली । टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाड़ी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खड़े रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंडड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है।

फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जेवियर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पूरी तरह से फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान बार्टलेट को साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी, जब वह इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे। उन्होंने मात्र के 3.4 ओवर ही गेंदबाजी किया था।

चोट के कारण वह टी20 सीरीज के बाकी मैच और उसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए। बार्टलेट के लिए यह निराशाजनक क्षण था, जिन्होंने फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में लगातार 4 विकेट चटकाए थे। चोट और उसके ठीक होने के बारे में बताते हुए बार्टलेट ने कहा, मुझे उस साइड स्ट्रेन से उबरने में लगभग 5 सप्ताह हो गए हैं। मैं अब पूरी तरह से तैयार हूं, इसलिए यह वास्तव में आकार लेने लगा है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है... यह वास्तव में निराशाजनक था। पाकिस्तान के

खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में जगह बनाने से चूकने के बावजूद बार्टलेट को इसके बाद होने वाली टी20 श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है। सिडनी, होबार्ट और ब्रिस्बेन में होने वाले मैचों के साथ बार्टलेट की नजरें 14 नवंबर को गाबा में होने वाले पहले टी20 पर टिकी हैं। एक ऐसा स्थान जहां उन्होंने ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलते हुए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है।

बार्टलेट ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसका आप बचपन में सपना देखते हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू मैदान पर खेलने की कोशिश करना। इसलिए अगर ऐसा अवसर आता है, तो यह एक बहुत अच्छा पल होगा। बार्टलेट ने गाबा में शानदार प्रदर्शन किया है, हीट के लिए सिर्फ 13 मैचों में 20 विकेट लिए हैं, औसतन हर 13 गेंदों पर एक विकेट। ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा जिससे उन्हें अपनी रिकवरी के लिए प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय टीम में वापसी करने से पहले बार्टलेट को क्रॉसलैंड के लिए आगामी शेफील्ड शील्ड और एक दिवसीय मैचों में खेलने की उम्मीद है ताकि वह मैच फिटनेस हासिल कर सकें।

चुनौतियों के बावजूद बार्टलेट भविष्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी बहुत जारी रखने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, मेरी एक नजर पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज़ पर है। बता दें कि उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर साइड स्ट्रेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

एक तीर से दो शिकार करना चाहता था भारत-कनाडाई उच्चायुक्त

नई दिल्ली। कनाडाई उच्चायुक्त ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरॉन मैके ने कहा कि भारत एक तीर से दो शिकार करना चाहता था लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। भारत एक साथ कनाडा, उत्तर अमेरिका और यूएसए में निशाना साध रहा था। वहीं निज्जर की हत्या और खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश एक ही प्लॉट का हिस्सा हैं। बता दें कि कैमरॉन अब भी भारत में उच्चायुक्त के पद पर हैं।

मैके ने कनाडा के सरकारी एजेंसी को शनिवार को बताया, जिस तरह के अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाए हैं उससे पता चलता है कि नई दिल्ली से

ही एक ही प्लॉट के तहत निज्जर और पन्नू की हत्या की साजिश की गई थी। ऐसे में कनाडा और अमेरिका के सबूतों को एक साथ रखा जा सकता है। इससे पता चल जाएगा कि बीते एक साल से क्या चल रहा है। मैके ने कहा कि भारत ने बड़ी रणनीतिक भूल कर दी है। वह सोचता है कि कुछ एजेंट उत्तर अमेरिका में हिंसा करेंगे और फिर बच जाएंगे। मैं कनाडा और अमेरिका दोनों की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि रेड लाइन भारत ने क्रॉस कर दी है।बता दें कि अमेरिका ने आरोप लगाया था कि रॉ के लिए काम करने वाले विकास यादव ने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। एफबीआई ने उन्हें मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में रखा है। वहीं इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि विकास यादव पहले ही रॉ से अलग हो चुके हैं। वहीं किडनैपिंग और उगाही के आरोप में उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था।

पहली बार ऐसा हुआ है कि कनाडा के किसी राजनयिक ने इस तरह के आरोप भारत पर लगाए हैं। बता दें कि बीते साल जून में कनाडा में ही खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। वहीं अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप अमेरिका ने भारत पर लगाया है। भारत ने इन सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिए हैं।बता दें कि मैके के उप उच्चायुक्त स्टेवार्ट व्हीलर का भी नाम उन राजनयिकों में शामिल है जिन्हें भारत से निष्कासित किया गया है। वहीं नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया है। कनाडा की सरकार ने उन्हें निष्कासित करने की बात कही थी। भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा भी कनाडा छोड़ चुके हैं।

अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव देगी आंध्र प्रदेश सरकार

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के निवासियों को अधिक बच्चे पैदा करने की सलाह दी है। नायडू ने प्रदेश में उम्रदराज लोगों की बढ़ती आबादी को देखते हुए यह सलाह दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना बना रही है। इसके तहत विधेयक लाने के बारे में भी सोचा जा रहा है, जिसमें अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव दिया जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं, एक ऐसा कानून बनाने पर भी विचार चल रहा है, जिसके तहत सिर्फ वही लोग स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे, जिनके दो से अधिक बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्यों में गिरती प्रजनन दर पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यहां फर्टिलिटी रेट 1.6 परसेंट है जो राष्ट्रीय दर 2.1 से काफी कम है। अगर यही हाल रहा तो हमारे यहां 2047 तक बुजुर्गों की आबादी काफी ज्यादा हो जाएगी। उन्होंने कहाकि आंध्र प्रदेश ही नहीं, देश के कई गांवों में अब सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। नायडू ने जनसंख्या नियंत्रण पर अपने पहले के प्रयासों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहाकि तब हालात कुछ और थे। तेजी से बढ़ती आबादी के चलते प्राकृतिक संसाधन खतरे में थे। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने कहाकि पहले हमने ऐसा कानून बनाया था जिसमें अधिक बच्चे वाले लोग चुनाव नहीं लड़ सकते थे। लेकिन अब हमने उस कानून को खत्म कर दिया है और इसे रिवर्स करने की सोच रहे हैं। अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार अधिक सुविधाएं देने के बारे में विचार कर रही है। नायडू ने कहाकि वैसे तो हमारे पास 2047 तक डेमोग्राफिक एडवांटेज है। लेकिन दक्षिणी राज्यों खासकर आंध्र प्रदेश में बढ़ती उम्र वालों की आबादी चिंता में डालने वाली बात है। उन्होंने कहाकि जापान, चीन समेत कुछ यूरोपीय देश भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। दक्षिण भारत में यह समस्या इसलिए हो रही है क्योंकि युवा लोग देश के दूसरे हिस्सों में या फिर विदेश चले जा रहे हैं।

झारखंड चुनाव : बीजेपी ने अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा को बनाया अपना उम्मीदवार

जमशेदपुर। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी पार्टियां उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर रही हैं। वहीं बीजेपी ने पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम के पोटका से टिकट देकर मैदान में उतार दियास है। मीरा मुंडा की उम्मीदवारी के ऐलान के बाद उनके आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का तांता लग गया है। इस दौरान लोग उन्हें बधाई और जीत की अग्रिम शुभकामना दे रहे हैं।

मीरा मुंडा ने कहा कि सबसे पहले, मैं पूरे चुनाव समिति के सभी सदस्यों, पीएम नरेंद्र मोदी, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष सहित पूरी टीम का धन्यवाद करती हूं, क्योंकि उन लोगों ने एक साधारण कार्यकर्ता को इस पद के लिए मौका दिया है। मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। एक साधारण

कार्यकर्ता के तौर पर मुझे अब एक दायित्व के साथ काम करने का अवसर मिला है। मैं पूरी तरह से इस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं एक हाउसवाइफ से अब राजनीतिक मैदान में आ रही हूं। मैं शुरू से ही एक सामाजिक कार्यकर्ता और पार्टी कार्यकर्ता के रूप में थोड़ी बहुत सक्रिय रही हूं, लेकिन अब मुझे एक जिम्मेदारी के साथ बाहर निकलना पड़ेगा। इसके लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। मैं जनता के साथ हमेशा खड़ी रहूंगी।

पिछले पांच सालों में जो भ्रष्ट सरकार रही है, उससे जनता त्रस्त है। खासकर महिलाओं के साथ जो हुआ है, वह सभी जानते हैं। अब जनता जागरूक हो चुकी है और मुझे विश्वास है कि इस बार बीजेपी की सरकार आएगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर मैं पोटका से चुनाव जीतती हूं, तो क्षेत्र की जनता की सभी समस्याओं का समाधान करने का काम करूंगी। जनता की हर समस्या मेरी समस्या होगी।

बता दें बीजेपी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 66 सीटों पर उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में बाबूलाल मरांडी, चंपई सोरेन, अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा, अमर कुमार बाउरी, चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन, रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास साहू के नाम का ऐलान किया है। बीजेपी राज्य की 81 में से 68 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर चुकी है। राज्य में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में भगवंत सिंह गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 10वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। नवी मुंबई इलाके से आरोपी भगवंत सिंह को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि भगवंत सिंह एक आरोपी के साथ हथियार लेकर उदयपुर से मुंबई गया था। वह शुरू से ही शूटर्स और साजिशकर्ताओं के संपर्क में था। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की 15 टीमें अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही हैं। एक दिन पहले 19 अक्टूबर को पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। पुलिस ने डोंबिवली से नितिन सप्रे,पनवेल से रामफुल चंद कनौजिया, संभाजी किशोर पारधी, प्रदीप दत्तू थोम्बे और चेतन पारधी को अंबरनाथ से गिरफ्तार किया था। ये सभी लोग मुख्य साजिशकर्ता शुभम लोनकर और मास्टरमाइंड मोहम्मद जीशान अख्तर के संपर्क में थे। ये दोनों अभी फरार हैं। कोर्ट ने सभी को 25 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड में भेज दिया है।

मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना को लेकर महाराष्ट्र में बैंक कर्मचारी करेंगे हड़ताल

मुंबई,। महाराष्ट्र में बैंक कर्मचारियों ने 16 नवंबर को हड़ताल का ऐलान किया है। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना के क्रियान्वयन के दौरान उन्हें सुरक्षित माहौल नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी सुरक्षा पर संकट पैदा हो गया है। यह हड़ताल यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) द्वारा बुलाई गई है, जो नौ बैंक यूनियनों का एक संयुक्त संगठन है।

यूनियन के राज्य संयोजक ने बताया कि मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना के तहत बैंकों में अव्यवस्था फैल गई है। योजना की जानकारी की कमी और बैंक कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार के चलते ये हड़ताल करने को मजबूर हैं। राज्य के कई जिलों, जैसे बीड, जालना, लातूर, धुले और पुणे में लाभार्थियों और स्थानीय नेताओं द्वारा बैंक कर्मचारियों पर हमले और बदसलूकी की घटनाएं आए दिन हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार को योजना के सही और सुरक्षित क्रियान्वयन के लिए बैंकों को

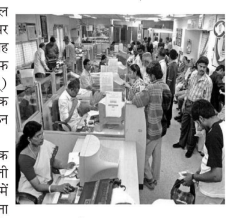

सुरक्षा और अतिरिक्त स्टाफ की व्यवस्था करनी चाहिए। कुछ लाभार्थियों के बैंक खातों से सेवा शुल्क काटे जाने के बाद बैंक कर्मचारियों और खाताधारकों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। यह सेवा शुल्क नियमों के तहत लिया जा रहा है, लेकिन जब से योजना की मासिक सहायता राशि खातों में जमा होने लगी है, खाते में शेष राशि होने पर शुल्क स्वत: कट रहा है, जिससे समस्या पैदा हो गई है।

यूनियन ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय नेता इन मुद्दों को उकसाने का काम कर रहे हैं, जिससे बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुरक्षा इंतजाम और बेहतर संचार व्यवस्था की जाए। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री अतुल सावे ने कहा कि सरकार बैंक कर्मचारियों की चिंताओं को गंभीरता से ले रही है और बातचीत के लिए तैयार है। बैंक यूनियनों को हड़ताल से पहले सरकार से संवाद करना चाहिए ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

चमोली जिले के खानसर कस्बे में 15 मुस्लिम परिवारों को 31 दिसंबर तक शहर छोड़ने का अल्टीमेटम

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले के खानसर कस्बे में व्यापारियों के एक संगठन ने लगभग 15 मुस्लिम परिवारों को 31 दिसंबर तक शहर छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। बुधवार को खानसर के मैथन बाजार में 'चेतना' (जागरूकता) रैली के बाद व्यापार मंडल की बैठक के दौरान यह प्रस्ताव पारित किया गया। मैथन सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने एक इंग्लिश समाचारपत्र को बताया, बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि ऐसे सभी परिवारों को 31 दिसंबर से पहले शहर छोड़ देना चाहिए। ऐसा न करने पर न केवल इन परिवारों के खिलाफ बल्कि उन्हें अपना घर या दुकान किराए पर देने वालों के खिलाफ भी कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

श्रीलंका ने गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली। श्रीलंका ने मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट में कहा कि 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया गया है और वे तमिलनाडु, भारत के लिए रवाना हो गए हैं।

मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंका नौसेना की आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल देश की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जबकि 55 नौकाएं जब्त की गई हैं।

बिहार के सीएम अब महात्मा बनने का कर रहे हैं ढोंग

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने शराब को लेकर नीतीश पर लगाए गंभीर ओराप

पटना,। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने सीएम नीतीश कुमार शराबबंदी मुद्दे को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। तेजस्वी ने ट्वीट कर नीतीश कुमार को जहरीली शराब से हजारों जान लेने वाला सीएम बताया है। उनका कहना था कि सीएम नीतीश ने शराबबंदी के नाम पर बिहार में शराब के अवैध कारोबार को बढ़ावा दिया और हजारों लोगों की जान ली।

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि सीएम नीतीश ने अपने शुरुआती 10 सालों में बिहार में शराब की खपत को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किया और अब अवैध शराब के व्यापार को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम नीतीश अब महात्मा बनने का ढोंग कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता में उन्होंने शराब के कारोबार को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

तेजस्वी ने 2004-2005 और 2014-2015 के बीच तुलना करते हुए कहा कि 2004-2005 में बिहार में शराब की दुकानें 500 से भी कम थीं, जो 2014-2015 में बढ़कर 2360 हो गईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम नीतीश के शासनकाल में शराब की दुकानों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई, जो पहले 58 सालों में औसतन 51 दुकानों के हिसाब से खुलती थीं, वहीं 2005 से 2015 के बीच हर साल औसतन 300 दुकानों का खुलना एक बड़ा बदलाव था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शराबबंदी के बावजूद बिहार में शराब पीने वालों की संख्या महाराष्ट्र से भी ज्यादा है। उन्होंने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि बिहार में 15.5 फीसदी पुरुष शराब पीते हैं, जबकि महाराष्ट्र में यह आंकड़ा केवल 13.9 फीसदी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब का कारोबार बदस्तूर जारी है। हर दिन औसतन 400 से ज्यादा लोग शराब से जुड़े मामलों में गिरफ्तार होते हैं और मद्य निषेध विभाग हर दिन करीब 6600 छापेमारी करता है, लेकिन इसके बावजूद अवैध शराब की तस्करी और बिक्री नहीं रुकी है। इस तरह, तेजस्वी ने नीतीश कुमार की शराबबंदी की नीति पर सवाल खड़े कर दिए और इसे केवल एक दिखावा करार दिया। उनका कहना था कि इस स्थिति से यह साफ होता है कि बिहार में शराब की समस्या नियंत्रण से बाहर हो चुकी है।

श्रीकांत शिंदे के गर्भगृह जाने के विवाद मामले में मंदिर प्रशासन ने अधिकारी को हटाया

उज्जैन। मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन ने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के पुत्र श्रीकांत शिंदे के मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश को लेकर उठे विवाद के बाद एक अधिकारी को हटा दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के कल्याण के लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे को विगत दिवस बाबा महाकाल के गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी गई थी, जबकि ऐसा करना प्रतिबंधित है। विपक्षी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की आलोचना की थी। मंदिर प्रशासक ने बताया कि दर्शन व्यवस्था के प्रभारी विनोद चौकसे को कथित लापरवाही के कारण उनके पद से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि तीन सुरक्षाकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और कड़े निर्देश जारी किये हैं ताकि फिर ऐसा न हो।

पांच आरोपियों ने 50 लाख नहीं मिलने पर कर दिया था बाबा की हत्या से इनकार

मुंबई पुलिस ने किया खुलासा, अब तक नौ आरोपी गिरफ्त में, 3 अभी भी फरार

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में मुंबई पुलिस ने खुलासा किया है कि इस हत्याकांड मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों ने हत्या के लिए 50 लाख रुपए मांगे थे लेकिन पैसे को लेकर आपसी मतभेद और एनसीपी नेता के रसूख को देखते हुए उन्होंने हत्या को अंजाम देने से मना कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में शूटरों को हथियार और रसद मुहैया कराने के आरोप में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या अब नौ हो गई है, जबकि तीन लोग अभी भी फरार हैं।

अधिकारी ने बताया कि इन पांचों आरोपियों ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल लोगों को जरूरी सामग्री और अन्य प्रकार की मदद दी थी। पुलिस ने बताया कि हाल में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन गौतम सप्रे (32), संभाजी किसान पारधी (44), प्रदीप दत्तू थोम्बे (37), चेतन दिलीप पारधी और राम फूलचंद कनौजिया (43) के रूप में हुई है। नितिन सप्रे डोंबिवली से हैं जबकि संभाजी किसान पारधी, थोम्बे और चेतन दिलीप पारधी ठाणे जिले के अंबरनाथ से है और कनौजिया रायगढ़ के पनवेल का रहने वाला है। थोम्बे को छोड़कर अन्य चार शातिर आपराधिक हैं। एक अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि नितिन सप्रे के नेतृत्व वाले गिरोह ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मध्यस्थ से 50 लाख रुपए की मांग की थी लेकिन सौदे पर असहमति के कारण यह बात नहीं बन पाई। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही नितिन सप्रे को पता था कि बाबा सिद्दीकी एक प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए उन्हें मारना उसके गिरोह के लिए बड़ी समस्या पैदा कर देगा। इसलिए इन आरोपियों ने आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने नए शूटरों को आवश्यक सामग्री देने और अन्य सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। बता दें बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर की रात को उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आप बोली- भाजपा यूपी से यमुना में गंदा पानी छोड़ रही है

भाजपा ने किया सवाल- 1 हजार करोड़ का प्रदूषण टैक्स कहां गया?

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी में जहरीला झाग लगातार तीसरे दिन दिखाई दिया, जिससे दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश से गंदा पानी यमुना में प्रवाहित किया जा रहा है। आप ने कहा कि इस कारण दिल्ली में पानी में झाग बन रहा है।

आप ने बयान जारी करते हुए कहा, कि एक ओर, हम प्रदूषण से निपटने के लिए प्रयासरत हैं, जबकि दूसरी ओर भाजपा गंदी राजनीति कर रही है। भाजपा ने भी इसका जवाब देते हुए कुछ सवाल कर दिए हैं। ईस्ट दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि आप सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये प्रदूषण टैक्स के रूप में एकत्र किए थे और यह जानने की जरूरत है कि उस फंड का क्या हुआ? उन्होंने आगे कहा कि जब यमुना का पानी दिल्ली में आता है, तब इसका ऑक्सीजन लेवल 9 रहता है, लेकिन जब यह दिल्ली से निकलता है, तब ऑक्सीजन लेवल 0 क्यों हो जाता है?

इसके साथ ही भाजपा ने आप पर आरोप लगाते हुए कहा कि आप ने यमुना की सफाई को लेकर महज झूठ फैलाने का काम किया है। उपराज्यपाल ने यमुना की सफाई के लिए कदम उठाए, लेकिन केजरीवाल सरकार ने इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला दर्ज किया। आरोप है कि केजरीवाल ने 2025 तक यमुना को साफ करने का वादा किया था। अब ऐसे में जब लोग यमुना में छठ पूजा के दौरान डुबकी लगाएंगे, तो उन्हें किन बीमारियों का सामना करना पड़ेगा? भाजपा ने आरोप लगाया कि आप ने यमुना की सफाई के बजाय धन का इस्तेमाल विज्ञापनों में कर दिया।

आप यूपी और हरियाणा को ठहरा रही जिम्मेदार

आप ने अपने जवाब में कहा, प्रदूषण के लिए यूपी और हरियाणा जिम्मेदार है। आप नेता रीना गुप्ता ने भाजपा के आरोपों पर कहा, कि जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण के मुद्दे प्रशासनिक सीमाओं को पार करते हैं। हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 30 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार सभी राज्यों को मिलकर काम करने की आवश्यकता बताई है, लेकिन केवल दिल्ली और पंजाब में आप सरकारें इस मुद्दे का समाधान खोजने में सक्रिय हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली जल बोर्ड ने यमुना नदी में झाग मामले पर 18 अक्टूबर को बैठक की थी, जिसमें छठ पूजा के दौरान झाग की समस्या को हल करने के लिए चर्चा की गई। समस्या का समाधान निकलेगा या राजनीति होगी यह देखने वाली बात है।

खंडित मूर्तियां देख लोगों ने किया हंगामा, पुलिस की सक्रियता से आरोपी पकड़ाया

भागलपुर। झारखंड सीमा से लगे बिहार के भागलपुर जिले के सन्हौला बाजार स्थित राम जानकी मंदिर में मूर्तियों को खंडित करने का मामला सामने आया है। इस घटना के विरोध में लोग सड़क पर उतर आए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सन्हौला बाजार के राम जानकी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को क्षतिग्रहस्त कर दिया, जिसके बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। लोग बड़ी संख्या में एकत्रित होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोगों ने इलाके की सड़कें जाम कर दी, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। लोगों ने घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

भागलपुर एसपी कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि सन्हौला थाना अंतर्गत तालाब के पास स्थित मंदिर में दुर्गाजी, रामजी, लक्ष्मणजी, सीताजी और राधा-कृष्ण की मूर्ति का एक-एक हाथ अज्ञात व्यक्ति ने खंडित कर दिया। इस मामले में सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। शांति समिति एवं गणमान्य व्यक्तियों के सदस्यों के साथ बैठक की गई है और इलाके में फ्लैग मार्च निकाला गया। स्थिति नियंत्रण में है और वर्तमान में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। इसके साथ ही भागलपुर पुलिस ने लोगों से भ्रामक खबर और अफवाह न फैलाने की अपील करते हुए कहा है कि ऐसा करने पर आपके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिस विकास तिवारी को ढूंढ रही एफबीआई, एक साल से वह परिवार से नहीं मिला

रेवाड़ी। भारत और कनाडा विवाद के बीच रेवाड़ी के निवासी विकास यादव का नाम इस समय चर्चा में है। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसी एफबीआई उसे ढूंढ रही है। एफबीआई ने कहा है कि विकास यादव भारत में सरकारी कर्मचारी था और उसे आतंकी और अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में मोस्ट वांटेड सूची में रखा गया है और उसकी तलाश की जा रही है। वहीं भारत सरकार ने कह कि उसे वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया था और तिहाड़ जेल में बंद था, लेकिन रिहाई के बाद से वह गायब है।

वहीं इन खबरों के बीच विकास यादव की मां ने मीडिया के सामने अपना दुखड़ा सुनाया और कहा कि वह पिछले एक साल से अपने बेटे से नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि उन्हें विकास पर लगे आरोपों की जानकारी नहीं है। उनका कहना था कि विकास आखिरी बार पिछले साल हरियाणा के रेवाड़ी स्थित अपने घर आया था जब उसकी बेटी का जन्म हुआ था, उसके बाद से वह कभी संपर्क में नहीं आया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी न्याय विभाग के दस्तावेजों में विकास यादव को गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में सीसी-1 यानी सह-साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे 18 दिसंबर 2023 को जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किया था। कुछ सप्ताह बाद जमानत मिलने पर उसे 22 अप्रैल 2024 को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया था। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में उसका जन्म स्थान प्राणपुरा बताया गया है, जो अमेरिकी दस्तावेजों में भी उल्लेखित है।

वहीं विकास यादव की मां और भाई का कहना है कि वे महीनों से विकास से संपर्क में नहीं हैं। आखिरी बार वह घर आया था, लेकिन इसके बाद उनका कोई संपर्क नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है और वे इस पर ज्यादा बात नहीं कर सकते। दक्षिण दिल्ली में जहां विकास रहता था, उनके पड़ोसियों ने बताया कि उन्हें दिसंबर 2023 के बाद से विकास को नहीं देखा। विकास यादव की गुमशुदगी और अमेरिका द्वारा उसे वांछित करने की खबरें कई सवाल खड़े कर रही हैं। जबकि भारत में उसे वसूली के मामले में गिरफ्तार किया था। वहीं अमेरिका की एफबीआई द्वारा उसे गुरपतवंत सिंह पन्नू के हत्या की साजिश में शामिल बताया जा रहा है। ऐसे में यह मामला अब गहरे विवाद और रहस्यों से जुड़ा गया है।

शहीदों को नमन, पुलिस स्मृति दिवस आज

पूर्व संध्या पर नगर के विभिन्न चौक चौराहों पर दीप, मोमबत्ती प्रज्वलित कर दी गई श्रद्धांजलि

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए परमवीरों की शौर्यगाथा को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी 21 अक्टूबर को नगर के पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया है। जहां सोमवार सुबहा पुलिस स्मृति दिवस के इस अवसर पर देशभर के अमर शहीद जवानों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। स्थानीय पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहीद स्मारक स्थल पर अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीदों के परिजनों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा।

शोक परेड का आयोजन कर, अनोखे अंदाज में दी जाएगी श्रद्धांजलि

आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों के आगमन से होंगी जहां देश भर में शहीद हुए पुलिस जवानों के नाम का पाठन कर उन्होंने श्रद्धांजलि दी जाएगी।वही आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीद नामावली सूची पाठन के उपरांत ,अमर शहीद जवानों को ,शोक परेड में शामिल परेड जवानों द्वारा शोक बैंड की धुन पर अपने अनोखे अंदाज में सलामी देकर श्रद्धांजलि देंगे,जिसके उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, शहीदों के परिजनों और उपस्थितजनों द्वारा बारी बारी से शहीद स्मारक स्थल पहुंचकर अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र और फूल अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी, तो वहीं कार्यक्रम के अंत में शहीदों के परिजनों का शाल श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व संध्या पर जगह-जगह जलाए गए कैंडल, अमर शहीदों को किया गया याद

सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम के पूर्व सोमवार की शाम पुलिस प्रशासन द्वारा नगर के विभिन्न चौक चौराहों में मोमबत्ती और दीप प्रज्वलित कर शहीद पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। जहां पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों शहीदों के परिजनों और आम नागरिकों ने जगह-जगह दीप प्रज्वलित कर अमर शहीद जवानों की शहादत को याद करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने दीप प्रज्वलित किए गए - नागेंद्र सिंह

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह ने बताया कि 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। उसी परंपरा को निभाते हुए पूर्व संध्या पर उन शहीद हुए जवानों को याद किया जा रहा है जो अपने फर्ज पर कुर्बान हो गए उन्हीं को श्रद्धांजलि देने के लिए नगर के विभिन्न चौक चौराहों में दीप प्रज्वलित कर रहे हैं । वही सोमवार को पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया जाएगा।

बालाघाट में पहली बार आज होगी लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा

47 महिला पुरुष परीक्षार्थी आयोग की परीक्षा का लिखेंगे पर्चा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मप्र लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा पहली बार बालाघाट के केंद्र पर होने जा रही है। परीक्षा की तैयारियों के मद्देनजर रविवार सुबह मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर व एनवीडीए के अध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार भार्गव ने मुख्य परीक्षा आयोजन के लिए निर्धारित नियमों निर्देशों ऑर मापदंडों का निरीक्षण किया। ऑब्जर्वर डॉ. भार्गव ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए पार्किंग के अलावा महिला व पुरुष प्रसाधन की व्यवस्थाओं के साथ ही प्रवेश द्वार पर होने वाली जांच आदि का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों में दिव्यांगों की जानकारी लेते हुए व्हील चेयर तथा प्रवेश के लिए रैंप व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने परीक्षा स्थल पर डॉक्टर्स की टीम के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने में भी निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्ष में समुचित प्रकाश व्यवस्था, कंट्रोल रूम, जनरेटर, स्वच्छ जल की पूरी व्यवस्था रखने के लिए प्रभारी प्राचार्य गोविंद सिरसाट को निर्देश दिए है। इस दौरान परीक्षा प्रभारी केसी ठाकुर, एसडीएम गोपाल सोनी और शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय उपस्थित रहें।

4 दिव्यांग, 15 महिलाएं देगी परीक्षा

परीक्षा प्रभारी श्री ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि मप्र लोक सेवा आयोग की यह मुख्य परीक्षा बालाघाट में पहली बार आयोजित की जा रही है। प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं की गई है। इस मुख्य परीक्षा में कुल 47 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें 15 महिलाएं और 4 दिव्यांजन भी शामिल होंगे। परीक्षा 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक आयोजित होगी। 21 से 24 अक्टूबर तक सामान्य अध्ययन के 4 पेपर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और 25 को सामान्य हिंदी व 26 को हिंदी निबंध का पेपर सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगा।

परीक्षार्थियों को आयोग के निर्देशों का रखना होगा ध्यान

मप्र आयोग ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ निर्धारित निर्देशों के अनुदेश भी प्रेषित किये है। उन अनुदेशों का पालन आवश्यक रूप से करना होगा। परीक्षा हॉल तक मोबाईल, घड़ी या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र या वस्तु पूर्णत: प्रतिबंध किये गए है। साथ ही जूते-मोजे, कफलिंग, हाथ का बैंड, बंधन, बालो का बांधने का क्लचर, बक्कल,हाथ मे पहनने वाले मैटेलिक, चमड़े के बैंड, कमर बेल्ट, धूप के चश्में, पर्स, वॉलेट, टोपी, ताबीज को वर्जित रखा गया है।

बे मौसम बारिश से फिर बढ़े सर्पदंश के मामले, एक दिन में तीन लोगो को साँप ने काटा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम हो रही बारिश से बिलों में छिपे जहरीले जीव जंतु बाहर निकलकर आमजनों को आहत कर रहे हैं। जिसका एक नजारा जिला अस्पताल में देखने को मिला जहा शनिवार 19 अक्टूबर को जिला अस्पताल में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन व्यक्तियों को सर्पदंश के चलते उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। यहां उनका उपचार किया जा रहा है।

खेत मे काम कर रहे व्यक्ति को साँप ने काटा

पहली घटना किरनापुर थाना क्षेत्र के सुसवा माटे से सामने आई है। यहां के निवासी सुरेश पिता देवाजी मात्रे (36) जो 19 अक्टूबर शनिवार की शाम को अपने खेत में काम रहा था। तभी उसे एक सर्प ने काट लिया। जिसे उसके भतीजे अशोक मातरे ने जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है।

किराना समान लेने दुकान गए व्यक्ति को साँप ने काटा

सर्पदंश का दूसरा मामला भी किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खारा से सामने आया है। यहां के कोठूराम पिता बालाराम कोलते (24) को सर्प दंश से घायल

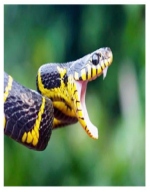

होने पर उपचारार्थ जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया गया कि कोठूराम गत शाम गांव में ही किराना सामान लेने जा रहा था। तभी उसे पैर पर एक सांप ने काट लिया। जिनके परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए रात्रि में जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है।

बुआ के घर गई युवती को साँप ने काटा

सर्पदंश का तीसरा मामला शहर के समीपस्थ ग्राम नवेगांव के वार्ड नंबर 03 से सामने आया है। यहां एक 19 वर्षीय युवती मानसी पिता गजानन पुरी गोस्वामी अपने बुआ के यहां गई थी। जहां उसे सांप ने काट लिया । जिसे परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

साले ने जीजा को चाकू मार किया घायल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जरा सी बात पर एक व्यक्ति ने अपने ही जीजा को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसे उपचार के लिए शनिवार की देर रात्रि जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार निखिल पिता अशोक तुरकेल (21) जो कि शहर के वार्ड 3 बैहर चौकी का निवासी है। निखिल के अनुसार 19 अक्टूबर की रात वह अपने साले ऋतिक उर्फ दादु सैयाम के यहां भोजन करने गया था। इस दौरान ऋतिक अपनी माँ के साथ गाली गलौच कर रहा था। जिसे समझाने और बीच बचाव करने पर आक्रोशित होकर साले ने चाकू से उस पर हमला कर घायल कर दिया। निखिल को देर रात जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

मादा तेंदुआ का शिकार मामले में दो आरोपी फरार

जंगली सुकर के लिए लगाया था करंट, चपेट में आई मादा तेंदुआ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। उत्तर सामान्य वनमंडल के वन परिक्षेत्र बिरसा दमोह में 18 अक्टूबर को विद्युत करंट से मादा तेंदुए के किए गए शिकार वाले मामले में मृत मादा तेंदुआ के पोस्टमार्टम में नया खुलासा किया गया है। जिसमे पोस्टमार्टम के दौरान मादा तेंदुआ के गर्भवती होने और उसके पेट में दो बच्चे होने की जानकारी लगी है।वही इस मामले में गिरफ्तार 5 आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में लिस अन्य 2 आरोपियो का भी पता चला है।जिनकी तलाश में जुटी वन विभाग की टीम जब जांच के लिए गाँव पहुची तो आरोपी गाँव से भागने में कामयाब हो गए। जिनकी तलाश वन अमले द्वारा शुरू कर दी गई है।

मादा तेंदुआ की मौत होने पर झाड़ियों में छिपाया गया था शव

आपको बताए कि आदिवासी क्षेत्र बिरसा में जंगली सुकर का शिकार करने की मंशा से स्थानीय ग्रामीणों ने खूंटी से जीआई तार बांधा था। जिसमें आरोपियो ने विद्युत सप्लाई लाईन से करेंट को जोड़ दिया था। ताकी, तार में फैल रहे करेंट की चपेट में आने से जंगली सुकर की मौत हो जाए, लेकिन दुर्भाग्यवश, बिजली करेंट वाले तार की चपेट में मादा तेंदुआ आ गई। जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसके बाद आरोपियों ने तेंदुए की मौत छिपाने की मंशा से शव को झाड़ियो में छिपा दिया था। अगले ही दिन जब गश्ती टीम और अधिकारी, जंगल में गश्त कर रहे थे, इस दौरान ही उन्होंने मृत मादा तेंदुए को देखा। जिसकी जानकारी, बिरसा परिक्षेत्र की टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों को दी थी। इसके उपरांत तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम कराकर विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था । वही मामले की जांच शुरू की गई थी

फरार 02 आरोपियो का अब तक नही लगा सुराग

उधर घटना के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी सौरभसिंह शरणागत की टीम ने परिक्षेत्र बिरसा-दमोह के बीट भूतना भाग-1 के कक्ष क्रमांक 1688 में तेंदुए का करेंट लगाकर किए गए शिकार मामले में पांच आरोपी जिसमे नाकाटोला निवासी 30 वर्षीय बुधराम पिता प्रताप सिंह , 32 वर्षीय राकेश पिता सोमल गोंड, 36 वर्षीय रमेश पिता हरेसिंह गोंड, 38 वर्षीय इतवारी पिता रामा गोंड और 42 वर्षीय बलूम पिता संतुसिंह गोंड को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने जंगली सुकर के शिकार के लिए करेंट बिछाया था। जिसमें वन्यप्राणी मादा तेंदुए के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। जहां गिरफ्तार सभी पांच आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया था। तो वही इस मामले में आरोपियों की निशानदेही पर 02 अन्य आरोपियों की तलाश वन विभाग द्वारा की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मामले में फरार चल रहे दोनों आरोपियों का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

तेंदुआ और बंदर की मौत वाले मामले में भी वन विभाग के हाथ खाली

एक ओर विद्युत करंट की चपेट में आने से गर्भवती माता तेंदुआ की मौत वाले मामले में वन विभाग की टीम अब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है तो वहीं दूसरी ओर 18 अक्टूबर की देरराात रात बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से वन्यप्राणी तेंदुआ और बंदर की मौत वाले मामले में भी अब तक वन परिक्षेत्र अधिकारियों के हाथ खाली है। जबकि घटना के त्वरित बाद विभाग को इसकी सूचना मिल गई थी।

जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे सभी आरोपी- शरणागत

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी सौरभसिंह शरणागत ने बताया कि मादा गर्भवती तेंदुए के बिजली करेंट से शिकार मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था।जहां से आरोपियों को न्यायालय ने जेल भिजवा दिया है। उन्होने बताया कि इस मामले में और 2 आरोपियों की संलिप्तता का पता लगाया जा रहा है, दो और संदेही, विभाग की जानकारी में है, लेकिन अभी वह गांव में नहीं है। मामले की अभी जांच की जा रही है। इसके अलावा वाहन की ठोस से समनापुर मार्ग पर हुई घटना के आरोपियों का पता नहीं लग पाया है। जहां फरार सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट